@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 6 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 364 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी ने बढ़ाया पैरा खिलाड़ियों का हौसला

एशियन पैरा गेम्स में भारत ने रचा इतिहास, 97 खिलाड़ियों ने जीते 114 पदक



- प्रधानमंत्री ने पदकवीरों से किया संवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान में आयोजित एशियन पैरा गेम्स में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाने वाले एथलीटों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उनके समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्ट उपलब्धियों की सराहना करते हुए हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पैरा खिलाड़ियों से आत्मीयता से मुलाकात की और कुछ खिलाड़ियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

उन्होंने पैरा एथलीट नवीन कुमार से भी बातचीत की। इस दौरान कई खिलाड़ी प्रधानमंत्री को अपने पदक दिखाते नजर आए। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने आयोजित एशियन पैरा गेम्स में भारतीय खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। प्रतियोगिता में भारत के 97 खिलाड़ियों ने कुल 114 पदक जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। भारतीय दल ने 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदक अपने नाम किए।

यूरोप के आसमान में बम की झूठी धमकियों से हड़कंप

कई यात्री विमानों की कराई गई आपातकालीन लैंडिंग, फ्रांस, इटली, बेल्जियम और बुल्गारिया में सुरक्षा जांच



पेरिस,(एजेंसी)। यूरोप में यात्री विमानों को बम से उड़ाने की झूठी धमकियों से हड़कंप मच गया। गुरुवार को कई विमानों को रास्ते से दूसरे हवाई अड्डों की ओर मोड़ना पड़ा, जबकि कुछ की आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। पिछले एक सप्ताह में इस तरह की यह दूसरी बड़ी घटना है।

डबलिन से रोम जा रही एयरलिंगस की उड़ान संख्या ईआई402 को सुरक्षा कारणों से फ्रांस के एव्रेक्स हवाई अड्डे पर उतारा गया। यह हवाई अड्डा पेरिस से करीब 100 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है।

वहीं, हेलसिंकी से रोम जा रहे फिनएयर के विमान को इटली की वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने सुरक्षा घेरे में लेकर रोम के फिमिसिनो हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतारा। जांच के दौरान विमान में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स के जविएंतेम हवाई अड्डे पर पोलैंड की एलओटी एयरलाइंस के विमान को भी उतारा गया। यहां भी जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। उधर, बुल्गारिया में तीन विमानों की आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। इनमें दो विमान सोफिया और एक प्लोवदिव में उतारा गया। घटनाओं के बाद संबंधित हवाई अड्डों पर सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई।

पीपीएससी रिजल्ट पर पंजाब में सियासी बवाल

- बिट्टू, ढिल्लों और जाखड़ ने लगाए धांधली के आरोप, साक्षात्कार रोकने और सीबीआई जांच की मांग

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब लोक सेवा आयोग (पीपीएससी) की मुख्य परीक्षा के नतीजों को लेकर राज्य में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और भाजपा नेता सुनील जाखड़ ने भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। रवनीत सिंह बिट्टू ने दावा किया कि एक परीक्षा कक्ष से 24 में से 11 उम्मीदवारों का चयन हुआ, जबकि कुछ अन्य कमरों से 10-10 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। उन्होंने कहा कि सिविल सेवा जैसी प्रतियोगी परीक्षा में एक ही कमरे से इतनी बड़ी संख्या में चयन होने पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने साक्षात्कार प्रक्रिया रोकने और उत्तर पुस्तिकाओं को सुरक्षित रखने की मांग की। केवल सिंह ढिल्लों ने भी नतीजों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि चार परीक्षा केंद्रों के कुछ कमरों से 10-11 उम्मीदवार सफल हुए हैं। उन्होंने लगातार क्रमांक वाले 86 उम्मीदवारों के चयन और अनुपस्थित अभ्यर्थियों के रोल नंबर परिणाम में आने का दावा किया। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज, उपस्थिति रजिस्टर, बैठने की व्यवस्था और उत्तर पुस्तिकाओं की फोरेंसिक जांच कराने की मांग की।

आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट 16 नवंबर को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्तारी के मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। गुरुवार को शीर्ष अदालत ने उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने का निर्देश दिया। साथ ही हाईकोर्ट को 16 नवंबर को मामले की सुनवाई करने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री को मामले से जुड़े सभी



यूजीसी के नियमों की दोबारा होगी समीक्षा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों पर केंद्र सरकार दोबारा विचार करेगी। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र ने नियमों की समीक्षा के लिए समिति गठित करने का भरोसा दिया। इसके बाद मामले की सुनवाई टल गई।

केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि समीक्षा के दौरान सभी वर्गों के छात्रों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। किसी भी छात्र को

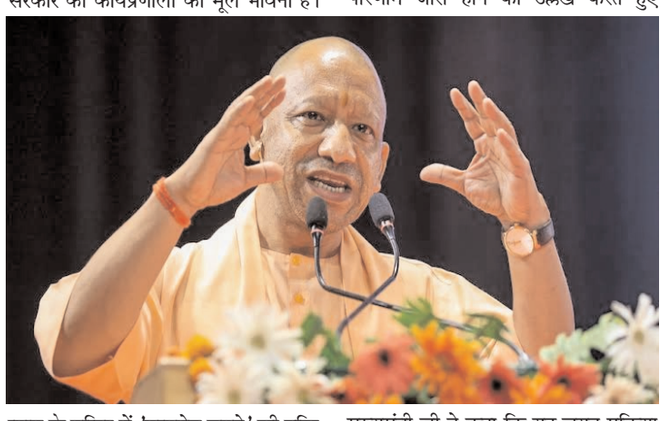


देना) विनियम, 2026 को चुनौती दी गई है। ये नियम 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किए गए थे। याचिका में नियम के प्रावधान 3(सी) को मनमाना और भेदभावपूर्ण बताते हुए आरोप लगाया गया है कि इससे कुछ वर्गों के छात्रों के साथ अन्याय हो सकता है।

पुलिस प्रणाली न्याय दिलाने के मार्ग की महारथी, तो फॉरेंसिक अधिकारी उस व्यवस्था के 'सारथी': मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि रूल ऑफ लॉ स्थापित करना, हर पीड़ित को समयबद्ध न्याय दिलाना, अपराधी चाहे कितना भी शक्तिशाली हो, उसे सजा दिलाना और किसी भी निर्दोष का उत्पीड़न न होने देना प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली की मूल भावना है।



न्याय के मन्दिर में 'सत्यमेव जयते' की उक्ति को सिद्ध करने के लिए प्रत्यक्ष, सटीक और वैज्ञानिक साक्ष्य प्रस्तुत करना अनिवार्य है। यदि पुलिस प्रणाली न्याय दिलाने के मार्ग की महारथी है, तो फॉरेंसिक अधिकारी उस व्यवस्था के 'सारथी' हैं। फॉरेंसिक अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी, शुद्धता और समयबद्धता के साथ निभानी होगी, ताकि तारीख-दर-तारीख की परम्परा समाप्त हो सके। मुख्यमंत्री जी आज यहाँ अपने सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 28 वैज्ञानिक अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने नवचयनित वैज्ञानिक अधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री जी ने नवनियुक्त अधिकारियों एवं उनके परिजनों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह नियुक्ति पत्र केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं, बल्कि पूरे परिवार के विश्वास और खुशी का प्रतीक है। साक्षात्कार सम्पन्न होने के शाम तक परिणाम जारी होने का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह चयन प्रक्रिया राज्य सरकार की प्रशासनिक शुचिता को दर्शाती है। अभ्यर्थियों को किसी सिफारिश, लेन-देन या गलत रास्ते की आवश्यकता नहीं पड़ी। उनकी योग्यता और मेरिट ही उनके चयन का आधार बनी है। जिस पारदर्शिता से उनका चयन हुआ है, उसी ईमानदारी से वे पीड़ित को न्याय और अपराधी को सजा दिलाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। मुख्यमंत्री जी ने महर्षि गौतम के न्याय दर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय मनीषा में प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान और शब्द प्रमाणों की महत्ता हजारों वर्ष पूर्व ही स्थापित कर दी गई थी।

शेष पृष्ठ 3 पर

जिला जेल से फरार कैदी शेरू नौ महीने बाद गिरफ्तार, यूपी एसटीएफ ने दिल्ली से दबोचा

अयोध्या। अयोध्या जिला जेल से फरार हुए कैदी शेरू को यूपी एसटीएफ ने करीब नौ माह बाद दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर अयोध्या लाया गया और जिला जेल में दाखिल करा दिया गया। वहीं, उसके साथ फरार हुए दूसरे कैदी गोलू अग्रहरि की तलाश जारी है। सुल्तानपुर जिले का निवासी शेर अली उर्फ शेरू हत्या के प्रयास के मामले में जेल में निरुद्ध था। वह 28 जनवरी 2026 की रात अमेठी निवासी गोलू अग्रहरि के साथ जिला जेल की विशेष सुरक्षा बैरक से फरार हो गया था। दोनों बंदियों के फरार होने की जानकारी अगले दिन सुबह नियमित गिनती के दौरान हुई। घटना के बाद से ही दोनों की तलाश की जा रही थी। अब यूपी एसटीएफ ने कार्रवाई करते हुए शेरू को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि दोनों बंदियों ने अपनी कोठरी की पिछली दीवार में लगे जंगले के आसपास से ईंटें निकालकर रास्ता बनाया था। इसके बाद कपड़ों और कंबलों को जोड़कर रस्सी तैयार की और जेल की ऊंची चारदीवारी पार कर फरार हो गए। जांच में यह भी सामने आया कि जेल की बाहरी दीवार की निगरानी करने वाले चार सीसीटीवी कैमरे घटना के दौरान करीब 16 घंटे तक बंद थे। इस चूक को जेल की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही माना गया। घटना के बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। मामले की जांच के आधार पर जेल अधीक्षक, जेलर, डिप्टी जेलर और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ निलंबन समेत विभागीय कार्रवाई की गई। बाद की रिपोर्टों में कार्रवाई के दायरे में कुल 15 अधिकारियों और कर्मचारियों के आने का उल्लेख किया गया। शेर अली की गिरफ्तारी के बाद अब गोलू अग्रहरि की तलाश अहम हो गई है। गोलू अमेठी जिले के मुसाफिरखाना क्षेत्र का निवासी है। दोनों बंदियों के फरार होने के बाद पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों ने उनकी तलाश के लिए अभियान चलाया था।



मोटा भाई नहीं संभल रहा केंद्रीय गृहमंत्रालय... इस्तीफा क्यों नहीं दे देते

● कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का तंज



नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर के हालात का हवाला देकर केंद्रीय मंत्री शाह के नेतृत्व पर सवाल उठाए और कहा कि यदि गृह मंत्रालय नहीं संभल रहा है, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। कांग्रेस नेता खेड़ा ने अपने बयान में तंज कसते हुए कहा कि सात वर्षों में घुसपैठ का मुद्दा हल नहीं हुआ और तीन साल से मणिपुर में स्थिति सामान्य नहीं हुई है। अब अरुणाचल प्रदेश से जुड़े घटनाक्रम भी मोदी सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों के अलावा दिल्ली में लाल किले के पास धमाके की घटना तथा दिल्ली के नजदीक 300 किलोग्राम आरडीएक्स मिलने जैसे मामलों पर भी केंद्र सरकार को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस राज्य सभा सांसद खेड़ा ने शाह को निशाने पर लेकर कहा कि उन्हें गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी छोड़कर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें भी स्वतंत्र रूप से काम करने का मौका मिलना चाहिए। कांग्रेस नेता का बयान तब आया है, जब भाजपा और कांग्रेस के बीच कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर टकराव बढ़ा हुआ है। कांग्रेस चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार पर लगातार हमले कर रही है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने हाल ही में रामलीला मैदान में रैली कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठाई थी। दूसरी ओर, भाजपा ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के लिए 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता विभिन्न राज्यों में जनसभाएं और पदयात्राएं कर रहे हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर की मांग इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की खारिज

प्रयागराज, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी को सिख समुदाय पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए उनके कथित बयान के मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाया। राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर नागेश्वर मिश्रा और अन्य की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने सिख समुदाय के बारे में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की थी। इससे पहले वाराणसी की ट्रायल कोर्ट ने भी इस संबंध में दाखिल अर्जी खारिज कर दी थी। ट्रायल कोर्ट के फैसले को याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने याचिका खारिज करते हुए राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, राहुल गांधी ने सितंबर 2024 में अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर टिप्पणी की थी। आरोप है कि उन्होंने कहा था कि भारत में सिखों को कड़ा पहनने, पगड़ी बांधने और गुरुद्वारे जाने की आजादी को लेकर स्थिति चिंताजनक है।

राहुल गांधी की रैली का एकमात्र मकसद... मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना

करनाल में रैली कर राहुल के विदेश दौरों का शाह ने मांगा ब्यौरा



करनाल , एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलकर आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद में हंगामा करने को कांग्रेस की कार्यशैली बना दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है, लेकिन कांग्रेस चर्चा से बचने के लिए हंगामा कर रही है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने करनाल में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर केंद्र सरकार संसद में खुली चर्चा के लिए तैयार है। भाजपा का संकल्प है कि घुसपैठियों की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाएं।

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर निशाना साधकर कहा कि उसकी रैली का उद्देश्य मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना है। उन्होंने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर भी सवाल उठाए। शाह ने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और देश की जनता को उनकी विदेश यात्राओं का ब्यौरा जानने का अधिकार है। इसके पहले केंद्रीय मंत्री शाह के नेतृत्व में भाजपा की पदयात्रा निकाली गई। सेक्टर-12 से शुरू हुई यह यात्रा दयानंद चौक पर संपन्न हुई। इसमें सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर केंद्र सरकार के समर्थन में नारे लगाते नजर आए।

पदयात्रा में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री एवं करनाल के सांसद मनोहर लाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता, पार्टी की हरियाणा प्रभारी स्मृति ईरानी और प्रदेश के कई मंत्री शामिल हुए।

गौरतलब है कि एक नवंबर को विपक्षी गठबंधन इंडिया ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली आयोजित की थी। इसमें विपक्षी नेताओं ने चुनावी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। इसके जवाब में भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। इसके पहले अमित शाह हैदराबाद में भी इसी अभियान के तहत पदयात्रा का नेतृत्व कर चुके हैं।

अग्निवीरों का सेवा विस्तार अच्छा कदम, हर युवा को मिले 3-4 साल की सैन्य ट्रेनिंग: सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने केंद्र सरकार के अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक युवा को तीन से चार साल की सैन्य ट्रेनिंग मिलनी चाहिए, ताकि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होने के साथ देश की सुरक्षा के लिए तैयार रहें। उन्होंने रूस सहित कई देशों की सैन्य प्रशिक्षण व्यवस्था का उदाहरण देकर कहा कि भारत में भी ऐसी व्यवस्था लागू करने पर विचार होना चाहिए। केंद्र सरकार ने हाल ही में घोषणा की है कि चार साल का कार्यकाल पूरा कर रहे अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार मिलेगा। इसके बाद निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने और व्यक्तिगत सहमति देने वाले अग्निवीरों को स्थायी भर्ती का मौका मिलेगा। इस फैसले पर प्रतिक्रिया देकर बृजभूषण ने कहा कि अग्निवीर योजना के पीछे संभवत: यह सोच रही होगी कि देश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ और सैनिक के रूप में प्रशिक्षित हो। उन्होंने कहा कि कई देशों में युवाओं को तीन से चार साल की सैन्य ट्रेनिंग देने के बाद उन्हें सामान्य जीवन और पढ़ाई में लौटने का मौका दिया जाता है। उनके अनुसार, सेना में नौकरी देने की व्यवस्था जुड़ने के कारण योजना को लेकर कुछ अंतर्विरोध पैदा हुए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सेना की जरूरतों, युद्ध की परिस्थितियों और युवाओं की भूमिका को देखते हुए मोदी सरकार का सेवा विस्तार का निर्णय सराहनीय है। इससे अधिक युवा अग्निवीर बनने के लिए प्रेरित होंगे। बृजभूषण ने जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार दो या तीन बच्चों की सीमा निर्धारित करती है, तब इसका उल्लंघन करने वालों के संबंध में गंभीरता से विचार होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने इसके साथ जातीय और सामाजिक संतुलन बनाए रखने की जरूरत बता दी। उन्होंने कहा कि देश में जाति आधारित सामाजिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राजनीतिक दल भी टिकट वितरण और मंत्री पद तय करते समय संख्या बल को महत्व देते हैं।

ट्रंप के बाद अब पीएम मोदी की बारी, मिडटर्म चुनावों के नतीजों पर प्रशांत भूषण का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगे झटके के बाद भारत में भी राजनीतिक बयानबाजी तेज हुई है। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने चुनावी नतीजों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर कहा कि अमेरिकी मतदाताओं ने नफरत, डर और दुष्प्रचार की राजनीति को खारिज कर दिया है। अब भारत में भी बदलाव की बारी है। प्रशांत भूषण ने पोस्ट कर कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनाव भारत के लिए कई महत्वपूर्ण सबक लेकर आए हैं। उनके मुताबिक, ट्रंप भी प्रधानमंत्री मोदी की तरह मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने और प्रवासियों के मुद्दे पर लोगों में डर पैदा करने की राजनीति कर रहे थे, लेकिन अमेरिकी मतदाताओं ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने ट्रंप के इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ करीबी संबंधों का जिक्र किया। वरिष्ठ वकील भूषण ने आरोप लगाया कि ट्रंप की राजनीति झूठ और दुष्प्रचार पर आधारित थी, जो कि जनता ने नकार दिया। उन्होंने अपने संदेश के अंत में कहा कि ट्रंप के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी की बारी है। इस बीच कांग्रेस ने भी अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनावों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थागत संतुलन और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने की ताकत को प्रदर्शित किया है। कांग्रेस नेता रमेश के अनुसार, इन चुनावों ने राष्ट्रपति ट्रंप को निर्णायक रूप से खारिज किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में वर्ष 2014 के बाद से लोकतांत्रिक संस्थाओं का संतुलन लगातार कमजोर हुआ है। कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार की एक राष्ट्र, एक चुनाव की पहल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लोकतंत्र में सरकारों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले मध्यावधि चुनावों की प्रभावशीलता को कम कर सकती है। अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर विपक्षी नेताओं के इन बयानों से भारत में भी लोकतंत्र, चुनावी जवाबदेही और राजनीतिक विमर्श को लेकर बहस तेज हो गई है।

गरीबों और वंचितों को न्याय, सुरक्षा व सम्मान केवल बसपा सरकार में : मायावती

लखनऊ , एजेंसी । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को बेहद महत्वपूर्ण बताकर दावा किया है कि बहुजन समाज के साथ-साथ उच्च जातियों के शोषित और गरीब लोगों को न्याय, सुरक्षा एवं सम्मान केवल बसपा सरकार में ही मिल सकती है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से प्रदेश में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ पूरी ताकत से चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में चुनावी तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में प्रदेश के सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्षों और विभिन्न स्तरों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती, उम्मीदवारों के चयन और सभी वर्गों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा हुई।

पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार, मायावती ने कांग्रेस, भाजपा और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधकर कहा कि ये दल बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की बात करते हैं, लेकिन उस संविधान को सही भावना से लागू करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सरकारों ने गरीबों, मजदूरों और बेरोजगार युवाओं के हितों की अनदेखी कर बड़े पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया है। बसपा प्रमुख ने कहा कि गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और शोषण से परेशान बहुजन समाज अब अपने राजनीतिक अधिकारों के जरिए समस्याओं का समाधान चाहता है। इसके लिए चुनाव प्रक्रिया का स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय होना जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि बसपा की पिछली



चार सरकारों ने कानून का राज स्थापित करने के साथ 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत पर काम किया। मायावती ने संगठन की कमियों को समय रहते दूर करने और पूरी निष्ठा से चुनावी अभियान में जुटने के निर्देश भी दिए।

आजम को सुप्रीम कोर्ट से झटका: मनी लॉन्ड्रिंग केस की अर्जी हाईकोर्ट भेजी

नई दिल्ली,एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धनशोधन के नए मामले में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई से इंकार किया है। शीर्ष अदालत ने उनकी अर्जी इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दी है, जिससे उन्हें तत्काल राहत नहीं मिल सकी है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह 16 नवंबर को एक खंडपीठ के समक्ष मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करे। साथ ही, शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय से उसी दिन, यानी 16 नवंबर को ही आजम खान की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करने को कहा है।

सपा नेता खान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने ईडी की कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ईडी दुर्भावनापूर्ण तरीके से काम कर रही है और इसका उद्देश्य आजम को चुनाव के दौरान जेल में रखना है। वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने शीर्ष अदालत में तर्क दिया कि जब आजम को रिहा किया जाने वाला था, तभी उन्हें जानबूझकर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, वे सिर्फ इतना चाहते हैं कि मैं (आजम खान) चुनाव के दौरान जेल में रहूं।

गौरतलब है कि 78 वर्षीय सपा नेता को जौहर ट्रस्ट से जुड़े धनशोधन मामले के सिलसिले में 1 नवंबर को गाजियाबाद की विशेष अदालत में पेश किया था। ईडी ने आजम को 31 अक्टूबर को तब गिरफ्तार किया था, जब उन्हें कथित दोहरे पैन कार्ड मामले में रामपुर जेल से जमानत पर रिहा किया जा रहा था। यह गिरफ्तारी उनकी रिहाई के तुरंत बाद हुई, जिससे सिब्बल के आरोपों को बल मिलता है।

विपक्षी के झूठ और अफवाहों का जमीन और सोशल मीडिया से जबाव देगी बीजेपी

नई दिल्ली , एजेंसी। विपक्षी दलों के आरोपों का जवाब देने और अपना राजनीतिक विमर्श मजबूत करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने डिजिटल और जमीनी अभियानों को एक साथ जोड़ने की रणनीति बनाई है। सोशल मीडिया पर वीडियो, राजनीतिक गीतों और तीखे संदेशों के जरिए विपक्षी नेताओं को घेरने के साथ ही पार्टी विभिन्न राज्यों में पदयात्राओं, रैलियों और जनसभाओं के माध्यम से जनता तक पहुंचने की तैयारी में है। भाजपा का 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान इसी रणनीति का प्रमुख उदाहरण है।

यह अभियान एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली के बाद शुरु हुआ। इस रैली में विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर चुनावी अनियमितताओं के आरोप लगाए थे और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। इसके जवाब में भाजपा ने विपक्ष पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का आरोप लगाया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री विभिन्न राज्यों में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर अभियान को गति दे रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, पदयात्राओं से लेकर डिजिटल कार्यक्रमों तक सभी गतिविधियां राज्य इकाइयों के समन्वय से संचालित हो रही हैं। इसका उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर जनता के सामने अपना पक्ष रखना और राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देना है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन संगठनात्मक स्तर पर अभियान की अगुवाई कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा और शिवराज सिंह चौहान सहित कई वरिष्ठ नेता भी विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। पार्टी का दावा है कि अभियान भाजपा शासित राज्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में भी चलाया जा रहा है।

वहीं डिजिटल मोर्चे पर भाजपा वीडियो, ग्राफिक्स, राजनीतिक गीतों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए विपक्ष को टारगेट कर रही है। वहीं, पदयात्राओं और जनसभाओं के माध्यम से इन संदेशों को सीधे जनता तक पहुंचाने की कोशिश हो रही है।

इस अभियान में छात्र संगठनों को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली विश्वविद्यालय सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में रैलियों और विरोध प्रदर्शनों का आयोजन किया है। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि छात्र लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं। राजनीतिक संचार सलाहकार अनूप शर्मा के अनुसार, भाजपा ने शुरुआत से ही सोशल मीडिया की ताकत पहचानी और व्हाट्सएप सहित डिजिटल माध्यमों का व्यापक नेटवर्क तैयार किया। हालांकि, नई पीढ़ी के विरोध प्रदर्शनों ने पार्टी को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने के लिए प्रेरित किया है। उनके मुताबिक, भाजपा अब डिजिटल प्रचार को स्थानीय संपर्क, रैलियों और संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ रही है, क्योंकि केवल सोशल मीडिया के सहारे चुनावी सफलता हासिल करना संभव नहीं है।

तिरुपति लड्डू विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश से बाहर सुनवाई करने की मांग ठुकराई

नई दिल्ली, एजेंसी । तिरुपति के प्रसिद्ध लड्डुओं में कथित तौर पर मिलावटी घी के इस्तेमाल से जुड़े मामले की सुनवाई आंध्र प्रदेश से बाहर स्थानांतरित करने की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले के आरोपी महाराष्ट्र के डेयरी कारोबारी मच्छिंद्र शांताराम लंके की याचिका पर सुनवाई कर फैसला सुनाया।



लंके मालगंगा मिल्क एंड एग्रो प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं। उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने शीर्ष अदालत में दलील दी कि तिरुपति लड्डू विवाद राजनीतिक मुद्दा बन चुका है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री लगातार मामले पर बयान दे रहे हैं, इससे निष्पक्ष सुनवाई का माहौल प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट में घी में पशु चर्बी की मौजूदगी से इंकार करने के बावजूद राजनीतिक बयानबाजी जारी है।

वरिष्ठ वकील दवे ने शीर्ष अदालत से अनुरोध किया कि निष्पक्ष और स्वतंत्र सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए मुकदमे को आंध्र प्रदेश के किसी पड़ोसी राज्य में स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकांश आरोपी उत्तर भारत के हैं और उन्हें भाषा संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। उनके मुताबिक, नेताओं के बीच चल रही राजनीतिक लड़ाई में आरोपियों को निशाना बनाया जा रहा है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी मांग को स्वीकार नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि मामले के कई गवाह आंध्र प्रदेश से जुड़े हैं और सुनवाई दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने से व्यावहारिक कठिनाइयां पैदा होंगी। अदालत ने उल्लेख किया कि मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने की है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यदि मामले में कोई अनुचित स्थिति उत्पन्न होती है, तब याचिकाकर्ता फिर अदालत का रुख कर सकते हैं। अंततः पीठ ने याचिका खारिज कर दी।

गौरतलब है कि चार अक्टूबर 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति लड्डुओं में पशु चर्बी के कथित इस्तेमाल की जांच के लिए पांच सदस्यीय स्वतंत्र एसआईटी गठित की थी। यह विवाद तब शुरू हुआ था, जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने आरोप लगाया था कि पिछली वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार के कार्यकाल में लड्डू बनाने में पशु चर्बी का इस्तेमाल हुआ था। इसके बाद राज्य में राजनीतिक विवाद गहरा गया था। वाईएसआर कांग्रेस ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया था।

मुरासु के दौरान समुद्र में पलटी नाव, तमिलनाडु के चार मछुआरों के शव बरामद, पांच अब भी लापता

ओंगोल, एजेंसी । चक्रवात मुरासु के दौरान आंध्र प्रदेश के तट के पास समुद्र में नाव पलटने से लापता हुए तमिलनाडु के नौ मछुआरों में से चार के शव बरामद किए हैं। बाकी पांच मछुआरों की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। प्रकाशम जिले के कलेक्टर पी. राजा बाबू ने इसकी जानकारी दी। कलेक्टर के अनुसार, मछुआरे 29 अक्टूबर को चेन्नई से समुद्र में मछली पकड़ने गए थे। चक्रवात की आशंका को देखकर उन्हें अपनी नौकाएं सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की सलाह दी गई थी। इसके बाद चार नौकाओं को आंध्र प्रदेश के तट पर खड़ा किया गया था। इसमें तीन रामयपट्टनम और एक निजामपट्टनम बंदरगाह पर थी। राजा बाबू ने बताया कि चार बरामद शवों में से तीन कोथापट्टनम के समुद्र तट पर बहकर आए, जबकि एक शव तलाश अभियान के दौरान मिला।

देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे राहुल गांधी : शहनवाज हुसैन

नई दिल्ली, एजेंसी । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शहनवाज हुसैन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने पंजाब के संगरूर में आयोजित इंसाफ रैली को लेकर राहुल गांधी की आलोचना कर आरोप लगाया कि वह राज्य के पुराने जख्मों को कुरेदने और लोगों की भावनाओं को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र कर कांग्रेस की घेराबंदी की। बीजेपी नेता हुसैन ने कहा कि राहुल गांधी पंजाब के लोगों को इंसाफ दिलाने की बात कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस के शासनकाल में हुए अत्याचारों का हिसाब अब तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि 1984 के दंगों की दर्दनाक यादें आज भी सिख समुदाय के लोगों के मन में मौजूद हैं। उस दौरान निर्दोष लोगों को निशाना बनाया गया था और कई परिवारों ने अपनों को खोया था। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि दंगों से जुड़े कई मामलों में अब भी कानूनी कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि जब भी गांधी परिवार का कोई सदस्य पंजाब जाता है, तब वहां के लोगों को उन भयावह घटनाओं की याद आ जाती है।



हुसैन ने राहुल गांधी पर देश में अराजकता फैलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार है और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। जनता ने उन्हें जनादेश दिया है और भाजपा को भरोसा है कि 2029 के लोकसभा चुनाव में भी पार्टी जीत हासिल करेगी।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा रखना चाहिए। चुनाव के जरिए ही सत्ता परिवर्तन होता है और विपक्ष को अपनी बात जनता के सामने रखनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने राहुल गांधी के बयानों को लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ बताते हुए कहा कि देश की जनता ऐसे राजनीतिक रवैये को स्वीकार नहीं करेगी।

निजी स्कूल की बस ने लॉ स्टूडेंट को रौंदा, दस मीटर तक घिसटता रहा

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक प्राइवेट स्कूल बस ने 24 साल के लॉ स्टूडेंट विनम्र कुमार को रौंद दिया। बस ड्राइवर के ब्रेक लगाने से पहले छात्र करीब 10 मीटर तक बस के नीचे घिसटता रहा। किसी के बस के नीचे फंसे होने को महसूस कर ड्राइवर ने गाड़ी रोकी तब देखा। ड्राइवर खुद पीड़ति को अस्पताल ले गया। जहां उसकी हालत गंभीर है। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। आरोपी की पहचान 32 साल के विजेंद्र कुमार के रूप में हुई है, जो कनॉट प्लेस के एक प्राइवेट स्कूल की बस चलाता है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार कोटला मुबारकपुर के रहने वाले विनम्र कुमार चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी में तीसरे साल के लॉ स्टूडेंट थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को दोपहर करीब 3:30 बजे मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक जानलेवा हादसे की सूचना मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें एक बस और एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली। उन्हें बताया गया कि घायल छात्र को बस ड्राइवर एम्स ट्रॉमा सेंटर ले गया था। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें बताया गया कि युवक को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने विजेंद्र को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। विनम्र अपनी बहन के रहने वाले विनम्र कुमार चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी में तीसरे साल के लॉ स्टूडेंट थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को दोपहर करीब 3:30 बजे मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक जानलेवा हादसे की सूचना मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें को उसके ससुराल गढ़ी गांव छोड़ने गया था और मथुरा रोड की तरफ जा रहा था, तभी पीछे से बस ने उसे टक्कर मार दी। अधिकारी ने कहा कि पीड़ति ने हेलमेट पहना था। हादसे के बाद वह करीब 10 मीटर तक घिसटता रहा, जिसके बाद ड्राइवर को एहसास हुआ और उसने ब्रेक लगाए। ड्राइवर खुद पीड़ति को अस्पताल ले गया।

ई-रिक्शा चोरी करने वाले गिरोह के चार आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। सिहानी गेट पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी करने वाले गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार कर उनसे दो ई-रिक्शा, ई-रिक्शा की दो बैटरी और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ चोरी के कई मुकदमे पहले भी दर्ज हैं। कार्यवाहक एसीपी प्रियाश्री पाल ने बताया कि हाल ही में ई-रिक्शा चोरी की कई घटनाएं हुई थीं। इनके खुलासे के लिए पुलिस टीम लगातार काम कर रही थी। मुखबिर और मोबाइल सर्विलांस के जरिये पुलिस टीम को इनपुट मिला तो मेरठ रोड पर दबिश देकर चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उन्होंने ई-रिक्शा चोरी की बात कबूली। उनकी पहचान रिंकू व दीपक निवासी नंदग्राम, आसिफ निवासी मलिकनगर मुरादनगर व अनस निवासी जस्सीपुरा कोतवाली के रूप में हुई। पूछताछ में पता चला कि रिंकू ई-रिक्शा चोरी करता था। दीपक उसका इस काम में सहयोग करता था और आसिफ ई-रिक्शों को स्क्रैप बनाने व अनस ई-रिक्शों की बैटरी को खरीदने में शामिल रहा। रिंकू, दीपक और आसिफ पर ई-रिक्शा चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों की निशानदेही पर दो ई-रिक्शा, बैटरी, 42 हजार की नकदी बरामद की गई।

मुस्लिम युवक ने पवित्र सरोवर में किया था कुल्ला, वीडियो हुई थी वायरल

गाजियाबाद। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अंकुर विहार थानाक्षेत्र की एक कॉलोनी का रहने वाला सुव्हान है। पुलिस के अनुसार आरोपी सुव्हान कॉलोनी में ही संचालित अपने भाई के मेडिकल स्टोर पर काम करता है। 15 जनवरी को वह अमृतसर घूमने गया था। इस दौरान उसकी एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई। वीडियो में युवक गोल्डन टेंपल के पवित्र सरोवर में कुल्ला करता दिखाई दे रहा था। इसके बाद सिक्ख समुदाय के लोगों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। साथ ही जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया था। एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया आरोपी को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर एसीपी कोर्ट में पेश किया गया और जेल भेज दिया गया है। युवक के खिलाफ फिलहाल कोई प्राथमिकी कहीं दर्ज नहीं है।

कोर्ट ने कहा- पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने पति की वैधता पर सवाल उठाकर उन्हें अपशब्द कहना और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना वैवाहिक क्रूरता माना है। अदालत ने कहा पति की मां पर निंदनीय आरोप लगाना तलाक का आधार है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने फैमिली कोर्ट द्वारा प्रतिवादी-पति के पक्ष में दी गई तलाक की डिक्री को बरकरार रखा। याचिकाकर्ता-पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील दायर करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का कर दावा किया था कि फैमिली कोर्ट ने उनके खिलाफ की गई क्रूरता के कृत्यों पर विचार नहीं किया और पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। उन्होंने दावा किया कि प्रतिवादी ने जाति-आधारित टिप्पणियां करके उनका अपमान किया, पेशेवर जिम्मेदारियों के बावजूद उन्हें घरेलू काम करने के लिए मजबूर किया और उनके खिलाफ झूठी और तुच्छ मुकदमेबाजी की। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि पत्नी द्वारा क्रूरता के जवाबी दावे करने मात्र से उनके द्वारा की गई सिद्ध क्रूरता के कृत्य स्वत: समाप्त नहीं हो जाते। कोर्ट ने कहा, दो गलतियां मिलकर सही नहीं हो जातीं। याचिकाकर्ता के सिद्ध क्रूरता के कृत्य, जिसमें अपमानजनक भाषा का उपयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव शामिल है, अपने आप में इतने गंभीर हैं कि विवाह को भंग करने की मांग को उचित ठहराते हैं। कोर्ट ने नोट किया कि याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उनकी वैधता पर सवाल उठाए गए और उनकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाए गए। कोर्ट ने कहा, नौ मई 2011, 15 मई 2011 और 27 जून 2011 को भेजे गए विशिष्ट संदेशों में 'बास्टर्ड', 'सन ऑफ बिच' जैसे शब्द और यह सुझाव कि उनकी मां को वेश्यावृत्ति के माध्यम से कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता को दर्शाते हैं।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ति ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससेतमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिल्लू सुमित उर्फ सिंचू और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ति की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ति ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ति ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ति के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है।

जिम की फीस चुकाने के लिए कारोबारी को लूटा

गाजियाबाद। जिम की फीस चुकाने और सप्लीमेंट खरीदने में हुए कर्ज को चुकाने के लिए लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में मार्बल्स व्यापारी से लूटपाट की गई। मामले में खुलासा करते हुए पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में दो आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कई महीने से जिम की फीस नहीं दी थी। उसके लिए वह इस वारदात में शामिल हुए थे। उनके पास से 67500 रुपये, दो डंडे और दो बाइक बरामद की गई हैं। इस वारदात में शामिल तीन अन्य आरोपी फरार हैं। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि 16 जनवरी 2026 की शाम आठ बजे इस गिरोह ने दयालपुर दिल्ली निवासी केसरी सिंह से लूटपाट की थी। इसमें कार्रवाई करते हुए बुधवार को लोनी से अमन गुर्जर निवासी लोनी, मोनू गुप्ता निवासी न्यू विकास नगर लोनी, वसीम निवासी ग्राम फकरपुर थाना खेकड़ा जनपद बागपत हाल पता न्यू विकास नगर लोनी, हर्ष निवासी लोनी, फैसल निवासी लोनी और मयंक निवासी न्यू विकास नगर लोनी गिरफ्तार किया गया है। इनके तीन साथी निखिल, अनमोल व एक अन्य फरार हैं। पुलिस के अनुसार हर्ष और उसके पिता कारोबारी के शोरूम के पास ही सैलून चलाते हैं। हर्ष ने कारोबारी पर नजर रखी। इसमें सामने आया है कि वह नकदी को लेकर दिल्ली जाता है। 16 जनवरी को बदमाशों ने लालबाग सब्जी मंडी में मार्बल्स कारोबारी केसरी सिंह की रेकी की और नौकर रवि के साथ स्कूटी पर घर जाते समय रोक लिया। डंडों से रवि के सिर पर प्रहार किया और ढाई लाख रुपये से भरा बैग लेकर भाग गए।

पुलिस ने दो नाबालिगों को ढूंढकर परिवारों को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने अलग-अलग क्षेत्रों से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवारों को सौंप दिया। अपराध शाखा उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि थाना बुद्ध विहार में 15 सितंबर को आठ वर्षीय बच्ची के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। वह अपने गांव उत्तर प्रदेश के बांदवी से अपनी बुआ के साथ दिल्ली आई थी। खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने पर वह जहांगीरपुरी इलाके में पहुंच गई। किसी राहगीर ने उसे अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्ची को कंझावला स्थित बाल गृह भेज दिया गया। बाल गृह में दर्ज नाम अलग होने के कारण उसकी पहचान में कठिनाई हुई। इसके बावजूद अपराध शाखा के लगातार प्रयास से बच्ची की पहचान कर ली गई और उसे परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, दूसरा मामला भी थाना बुद्ध विहार का है। यहां 14 वर्षीय लड़के की गुमशुदगी की रिपोर्ट 27 सितंबर को दर्ज की गई थी। वह अपने दोस्त के साथ रामलीला देखने गया और वहीं रुक गया था। काफी देर तक घर न लौटने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। एसीपी सुरेश कुमार की निगरानी में क्राइम ब्रांच ने कॉल डिटेल और तकनीकी जांच के साथ-साथ इलाके में तलाशी अभियान चलाकर नाबालिग को रिठाला गांव से बरामद कर लिया।

लोकार्पण का लगाया पत्थर, फिर भी शुरू नहीं किया धोबीघाट; 30 लाख कर दिए खर्च

आगरा। नगर निगम छलेसर में 200 किलो प्रति घंटे की क्षमता वाले आधुनिक मशीनीकृत धोबीघाट का ट्रायल कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ ताजगंज में 30 लाख रुपये की लागत से बना मॉडर्न धोबीघाट उद्घाटन के एक साल बाद भी शुरू नहीं हो सका है। इसे लेकर रजक समाज ने आपत्ति जताते हुए नगर आयुक्त से ताजगंज में मशीनीकृत धोबीघाट शुरू करने की मांग की। समाज के राजेश सिंह ने नगर आयुक्त को सौंपे ज्ञापन में कहा कि यमुना नदी किनारे कैलाश मंदिर से ताजगंज तक लोग कपड़े धोने का काम कर रहे हैं। प्रशासन ने यमुना नदी की तलहटी में कपड़े धोने की जगह खंदारी, दयालबाग, ताजगंज में धोबीघाट के लिए जगह तय की थी। नगर निगम ने ताजगंज में धोबीघाट का लोकार्पण भी कर दिया लेकिन इसे चालू नहीं किया गया है। केवल लोकार्पण का पत्थर लगा दिया गया। मंडल अध्यक्ष योगेश दिवाकर ने कहा कि नगर निगम ने समाज के लोगों से वार्ता किए बिना ही छलेसर में 1.90 करोड़ रुपये से मॉडर्न धोबी घाट का निर्माण करा दिया। शहर के अधिकांश बजट क्लास होटल, कॉलोनियां, मल्टीस्टोरी बिल्डिंग फतेहाबाद रोड पर है। यहां से छलेसर तक आना-जाना ही मुश्किल है। निगम ने समाज के लिए इसे बनाया लेकिन इसका इस्तेमाल ही मुमकिन नहीं है। उन्होंने पूर्व में तय की गई जगहों पर ही धोबीघाट संचालित करने की मांग की है। नगला मेवाती पार्षद गीता देवी का कहना है कि ताजनगरी में नगर निगम ने धोबीघाट बनाया है लेकिन यह संचालित नहीं है। यहां परंपरागत तरीके से धुलाई की जगह अत्याधुनिक मशीनें लगाई जाएं तभी लोग कपड़े धोने आएंगे। क्षेत्र में होटलों की संख्या सबसे ज्यादा है, जिससे मांग भी है। नगर निगम यहां धुलाई मशीनें और ड्रायर लगवाए। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने बताया कि ताजगंज में मैनुअल धोबीघाट बनाया गया है। यहां पानी के टैंक बनाए गए हैं और परंपरागत रूप से धुलाई की व्यवस्थाएं की गई है। समाज के लोगों से वार्ता कर इसे शुरू कराया जाएगा। छलेसर और ताजगंज दोनों अलग-अलग पैटर्न के हैं।

पुलिस प्रणाली न्याय दिलाने के मार्ग की महारथी, तो फॉरेंसिक अधिकारी उस व्यवस्था के 'सारथी': मुख्यमंत्री योगी

प्रथम पृष्ठ का शेष

'यत्र यत्र धूमः, तत्र तत्र अग्निः' के सिद्धान्त की भांति आज फॉरेंसिक वैज्ञानिक भी उंगलियों के निशान, रक्त के नमूने, बाल, डी0एन0ए0 अवशेष और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर वास्तविक अपराधियों तक पहुँचने का कार्य करते हैं। जुलाई, 2024 से देश में लागू 03 नये आपराधिक कानूनों में 07 वर्ष से अधिक सजा वाले अपराधों में फॉरेंसिक साक्ष्य संकलन को अनिवार्य किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने कानून लागू होने से पूर्व ही दूरदर्शी सोच के साथ 'उत्तर प्रदेश स्टेट फॉरेंसिक साइंस इंस्टीट्यूट' की स्थापना की। राज्य को 500 विशेषज्ञों की आवश्यकता थी, जिसके सापेक्ष सरकार ने 600 से अधिक फॉरेंसिक साक्ष्य संकलित करने वाले पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित कर फील्ड में तैनात किया है। मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश स्टेट फॉरेंसिक साइंस इंस्टीट्यूट की स्थापना की पृष्ठभूमि साझा करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व लखनऊ एयरपोर्ट के पास स्थित इस बहुमूल्य सरकारी भूमि पर एक भू-माफिया का अवैध कब्जा था। राज्य सरकार ने कठोर कार्रवाई कर भूमि को मुक्त कराया और वहाँ इस विश्वस्तरीय संस्थान का निर्माण कराया। आज यह संस्थान ए0आई0, रोबोटिक्स, ड्रोन टेक्नोलॉजी, क्वाण्टम फॉरेंसिक और फॉरेंसिक साइंसेज में डिग्री व डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करने वाला प्रमुख केन्द्र बन चुका है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत साढ़े नौ वर्षों में पारदर्शी प्रक्रिया के तहत 02 लाख 30 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती कर उत्तर प्रदेश पुलिस को दुनिया की सबसे ब ी सिविल पुलिस के रूप में स्थापित किया गया है। जिस राज्य को कभी उपद्रव, अराजकता, कर्फ्यू और अपराधियों के बेखौफ घूमने के कारण 'बीमारू' और बॉटम-5 राज्यों में गिना जाता था, आज वही उत्तर प्रदेश, देश की टॉप-3 अर्थव्यवस्था में शामिल है। राज्य सरकार ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियाँ प्रदान की हैं। सरकार द्वारा आगामी 06 महीनों में 01 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आज का कार्यक्रम इसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी (छठा कार्यक्रम) है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस बल का एक और वृहद नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम भी सम्पन्न होने जा रहा है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि नवचयनित युवा अपने कर्तव्यों के निर्वहन में न्याय के साक्षी और सहभागी बने। युवाओं के मन में सदैव कर्तव्यनिष्ठ होने की भावना होनी चाहिए। उनकी बुनियादी आवश्यकताओं, प्रशिक्षण या उपकरण की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। पुलिस विभाग की उपलब्धियों के परिणामस्वरूप प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बना है। देश-दुनिया यहाँ की कानून-व्यवस्था का उदाहरण देती है। वर्ष 2017 के उपरान्त जनपद गाजियाबाद, प्रयागराज, गोरखपुर, झाँसी, अलीगढ़, कन्नौज एवं गोण्डा में संचालित प्रयोगशालाओं सहित आज 12 प्रयोगशालाएँ क्रियाशील हो चुकी हैं। यह न्याय की दिशा में अत्यन्त सराहनीय कदम है। क्योंकि न्याय का स्पष्ट सिद्धान्त है कि जितनी जल्दी न्याय हो सके, वह सभी के लिए अच्छा है। न्याय में देरी कहीं न कहीं अन्याय की परिधि में आती है। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कृष्ण, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना श्री संजय प्रसाद, अपर पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएँ श्री भगवान स्वरूप श्रीवास्तव

फैक्टरी में लिफ्ट गिरने से कर्मचारी की मौत

नई दिल्ली। बवाना औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार दोपहर फैक्टरी की लिफ्ट टूट कर गिरने से कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के समय कर्मचारी राजेश (32) पांचवीं मंजिल पर लिफ्ट में सवार हुआ था। परिवार वालों ने फैक्टरी के सामने शव रखकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझाकर लोगों को शांत कराया। पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर लिया है और लिफ्ट गिरने के कारणों की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर निवासी राजेश बवाना पत्नी नीतू देवी, बेटा और बेटी के साथ रहते थे। वह सात साल से बवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एमसीसी बॉक्स बनाने की फैक्टरी में काम करते थे। राजेश के बहनोई अनोज शाह ने बताया कि सोमवार करीब साढ़े तीन बजे उन्हें पुलिस से राजेश के घायल होने की जानकारी मिली। वाल्मीकि अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि डॉक्टरों ने राजेश को मृत घोषित कर दिया है। घटनास्थल पर पता चला कि काम करने के दौरान राजेश पांचवीं मंजिल पर थे। इसी दौरान नीचे मौजूद कर्मचारियों ने लिफ्ट से सैंपल भेजने की बात कही। लिफ्ट के खुलते ही वह सैंपल निकालने लगे। इसी दौरान राजेश सहित लिफ्ट अचानक नीचे गिर गया। शुरुआती जांच में पता चला कि लिफ्ट का तार टूटने की वजह से हादसा हुआ है। उधर शव मिलने के बाद परिवार वाले उसे लेकर फैक्टरी के बाहर रखकर हंगामा करने लगे। परिवार वालों ने मुआवजे की मांग की। मालिक ने पीड़ति परिवार को मुआवजा देने की बात कही है। उसके बाद परिवार वालों ने शव का अंतिम संस्कार किया।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़ति को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़ति कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़ति को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

NAME CHANGE
I, LALIT KUMAR S/O DHARAMPAL SINGH R/O TEHSIL JEWAR THORA GAUTAM BUDDHA NAGAR UTTAR PRADESH-203155, have changed the name of my minor Son UTKARSH aged 08 years and he shall hereafter be known as SPARSH CHHONKER.

NAME CHANGE
I, Samoti Devi Swami, W/O Luxmi Narain, R/O E-606, Alante ROF, Sector- 108, Dharampur, Gurgaon, Haryana- 122006 have changed my name to Samoti Devi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Laxmi Narain Swami, S/O Raje Ram, R/O E-606, Alante ROF, Sector- 108, Dharampur, Gurgaon, Haryana- 122006 have changed my name to Luxmi Narain for all future purposes.

NAME CHANGE
I SHAMARAV legally father of Army no 2810592W, Rank - Sep, Name - Murkute Sagar, Presently Residing At - Murkutewadi Post-Karve, Teh - Chandgad, Dist - Kolhapur State- Maharashtra, Pin - 416507 have changed my name SHAMARAV to SHAMARAV VAIJU MURKUTE for all future purposes, Vide Affidavit dated 05/11/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I Pradeep Hajari S/o Roopnarayan Hajari R/o Gram- Ghatampur, Po: Baroda Rehli, Dist: Sagar M.P-470228 have changed my name to Pradeep Hazari for all purpose

NAME CHANGE
I SHOBHA legally mother of Army no 2810592W Rank - Sep, Name - Murkute Sagar, Presently Residing At - Murkutewadi Post-Karve, Teh - Chandgad, Dist - Kolhapur State- Maharashtra, Pin - 416507 have changed my name SHOBHA to SHOBHA SHAMARAV MURKUTE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 25/11/1966 instead of my correct date of birth as 01/01/1978, Vide Affidavit dated 05/11/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I MANMOHAN KALRA S/O LATE SHRI MANOHAR LAL KALRA R/O H NO. 20, SECOND FLOOR , RESIDENCY GREEN, SECTOR-46, GURGAON, HARYANA-122003 HAVE CHANGED MY MINOR DAUGHTER NAME FROM AARNA TO AARNA KALRA

NAME CHANGE
I, M VENKATAIAH, FATHER OF ARMY NO 2616986F RANK HAV NAME MEGHAVATH RAJENDER PRESENTLY RESIDING AT DAMARALLA THANDA, VILL & PO ANKILLA, PO, TEH - KOILKONDA, DIST - MAHABUBNAGAR, STATE - TELANGANA -509371. I HAVE CHANGED MY NAME FROM M VENKATAIAH TO MEGHAVATH VENKATYA AS PER AADHAR RECORDS. VIDE AFFIDAVIT DECLARATION DATE 05th NOV 2026. ADVOCATE AND NOTARY PUBLIC DELHI.

सार्वजनिक सूचना
चूँकि, उपर्युक्त शिकायतकर्ता द्वारा वेदा फार्म्स एंड बैंक्वेट्स के विरुद्ध उपभोक्ता शिकायत संख्या DC/84/CC/234/2025, शीर्षक नीरजा उपाध्याय बनाम वेदा फार्म्स एंड बैंक्वेट्स, दक्षिण-पश्चिम जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, दक्षिण-पश्चिम जिला, द्वारका, नई दिल्ली के समक्ष प्रस्तुत की गई है। अत: आपको एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि आप उक्त उपभोक्ता शिकायत में किए गए दावे का उत्तर देने के लिए दिनांक 29 जनवरी 2027 को प्रात: 10:30 बजे दक्षिण-पश्चिम जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, दक्षिण-पश्चिम जिला, द्वारका, नई दिल्ली के समक्ष स्वयं अथवा ऐसे अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हों, जिसे समुचित निर्देश दिए गए हों तथा जो उपभोक्ता शिकायत से संबंधित सभी महत्वपूर्ण प्रश्नों का उत्तर देने में सक्षम हो। यदि आप दावे का उत्तर देने में विफल रहते हैं, तो उपर्युक्त वाद का निर्णय एकपक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह प्रकाशन जारी किया जाता है
शिकायतकर्ता की ओर से उसके अधिवक्ता द्वारा
अधिवक्ता रोहन भाम्बरी
9958813761

सार्वजनिक सूचना
मेरे मुवक्किल श्री भरत प्रसाद पुत्र श्री राम बचन, एवं श्रीमती सलेहरा देवी, पत्नी श्री भरत प्रसाद, निवासी मकान संख्या RZ-472/407, गली नंबर 15-H, शिवपुरी कॉलोनी, सागरपुर, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110046 में रहते हैं। अपने पुत्र सचिदा नंद, उसकी पत्नी श्रीमती सीमा देवी तथा उनके तीन बच्चों, जिनके नाम अन्नू शर्मा, श्रुति एवं समयेरद्र को अपनी तमाम चल - अचल सम्पत्ति से बेदखल कर समस्त संबंध विच्छेद कर लिये है। उक्त पुत्र एवं उसके परिवार के सदस्यों को प्लॉट नंबर 49, भूतल (ग्राउंड फ्लोर), तिलक एन्क्लेव, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, चौधरी प्रॉपर्टी डीलर, नई दिल्ली-110059 स्थित संपत्ति को भी खाली करने का निर्देश दिया गया है। उसके द्वारा किये गये किसी कार्य के लिये मेरे मुवक्किल या उसके परिवार के अन्य लोग जिम्मेदार नहीं होंगे।
प्रतीक भारद्वाज अधिवक्ता
चैम्बर नंबर 425, अधिवक्ता चैंबर सेक्टर-10, द्वारका नई दिल्ली 110075
मो- 9582211412

NAME CHANGE
I ARUN S/O DEEPAK R/O 17/B, PLOT NO 10, UPPER GROUND FLOOR, MILTRY ROAD, KAROL BAGH, DELHI-110005. have changed my name to ARUN KUMAR for all purposes.

NAME CHANGE
I, Naushad Khan S/O Babu Khan, R/O 9,, Shahnagar, Bulandshahr, Bulandshahr, Uttar Pradesh, 203001, have changed the name of my minor son Arshad Khan aged 12 years and he shall hereafter be known as ARSHAN KHAN.

NAME CHANGE
I, KARAN KUMAR AHLAWAT S/O SATISH KUMAR R/O 89 NEAR PRIMARY SCHOOL BINDAPUR VILLAGE DK MOHAN GARDEN WEST DELHI 110059, CHANGED MY NAME TO KARAN AHLAWAT.

NAME CHANGE
I, SATISH KUMAR AHLAWAT S/O SATBIR SINGH R/O 89 NEAR PRIMARY SCHOOL BINDAPUR VILLAGE DK MOHAN GARDEN WEST DELHI 110059, CHANGED MY NAME TO SATISH KUMAR.

NAME CHANGE
I, Rahul Ukey S/O Anand Bala Ukey R/O C-10, Karakoram Hostel, IIT Delhi Campus, Hauz Khas, IIT Delhi Main Road, South Delhi 110016 have changed my name to Rahul Anand Ukey for all future purposes.

NAME CHANGE
I, mohammad hamza son of Mohd Dilshad residing at E-11/82,Hauzrani malviya nagar south delhi, have changed my name from mohammad hamza to mohd hamza

संक्षिप्त डायरी

छठ पूजा से पहले यमुना घाट का निरीक्षण

एजेंसी

नोएडा। छठ पूजा को लेकर पुलिस ने सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को एडीसीपी नोएडा अभय कुमार मिश्र और एसीपी-1 प्रवीण कुमार ने पुलिस बल के साथ थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के यमुना घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान घाट पर सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े इंतजामों का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। घाट पर शांति व्यवस्था बनाए रखने और आवश्यक सुरक्षा इंतजाम समय से पूरे करने को कहा गया। पुलिस अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को पूजा के दौरान सतर्कता बरतने और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

पर्यावरण अनुकूल दीवाली मनाने का संदेश दिया

एजेंसी

नोएडा। जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में बुधवार को दिवाली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में एक विशेष प्रातःकालीन सभा का आयोजन बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना एवं प्रार्थना से हुआ। विद्यार्थियों ने दीपावली के महत्व को दर्शाते हुए सुंदर एवं आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। रंगारंग नृत्य, मधुर गीत, प्रेरणादायक विचारों तथा मनमोहक अभिनय के माध्यम से बच्चों ने भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया। सभी को दीपावली प्रेम, सद्भाव, एकता और खुशियों के साथ मनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूक करते हुए सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल दिवाली मनाने का संदेश भी दिया।

दीपावली पर फूलों और लाइटों से सजे मंदिर

एजेंसी

नोएडा। दिपावली को लेकर शहर के मंदिरों में तैयारियां पूरी हो गई हैं। मंदिरों में साफ-सफाई के बाद फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजावट की गई है। दिवाली के अवसर पर मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ और धार्मिक कार्यक्रम होंगे। ये आयोजन दिवाली के बाद तक आयोजित होंगे। सेक्टर-27 स्थित जैन मंदिर में भगवान महावीर को लड्डू चढ़ाने की परंपरा निभाई जाएगी। इसमें बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग भगवान महावीर को चीनी के 11 किलों, 21 किलों और 31 किलों के लड्डू अर्पित करेंगे। सेक्टर-62 स्थित विनायक मंदिर में लक्ष्मी-गणेश की विशेष पूजा-अर्चना होगी। इस दौरान महिलाएं सामूहिक रूप से लक्ष्मी पाठ करेंगी। सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर में दीपदान के साथ भगवान दामोदर की लीलाओं का वर्णन और गोपी गीत का आयोजन होगा। वहीं, सनातन धर्म मंदिर में सुबह-शाम विशेष पाठ होगा। श्रद्धालुओं और मंदिर के बाहर रहने वाले लोगों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। सेक्टर-2 स्थित लाल मंदिर में भी विशेष पूजा-पाठ और प्रसाद वितरण होगा। इसके अलावा शहर के कई मंदिरों में परंपाओं के अनुसार धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। दिवाली के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मंदिरों में पहुंचने की उम्मीद है। मंदिर के सदस्यों द्वारा सभी लोगों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की जाएगी।

एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी गठित, राजेश भाटी बने अध्यक्ष

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर स्वर्ण नगरी मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ है। इसमें राजेश भाटी को अध्यक्ष, सुबोध पांडेय को महासचिव तथा योगेश कुमार तिवारी को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त अध्यक्ष राजेश भाटी ने बताया कि उनका उद्देश्य मार्केट का सौंदर्यीकरण, बेहतर साफ-सफाई और व्यापारियों की समस्याओं का समाधान रहेगा। इस दौरान एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मार्केट को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बाजार के रूप में विकसित करने के साथ व्यापारियों की समस्याओं का प्रभावी समाधान कराने का संकल्प लिया है। सभी पदाधिकारियों ने एकजुट होकर बाजार के विकास, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और व्यापारियों के हितों के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प दोहराया। इस मौके पर गोल्डन फेडरेशन के अध्यक्ष देवेंद्र टाइगर भी उपस्थित रहे।

गौर चौक अंडरपास पर आज से तीन दिनों तक ट्रायल होगा

एजेंसी

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के लोगों के लिए अच्छी खबर है। त्योहार पर लोगों को जाम के झाम से राहत देने के लिए गौर चौक अंडरपास को पांच नवंबर यानी आज से तीन दिन के ट्रायल के तौर पर खोला जाएगा। ट्रायल के दौरान अंडरपास से वाहनों की आवाजाही शुरू होगी और यातायात व्यवस्था को परखा जाएगा। इस दौरान जो भी कमी सामने आएगी, उसे ठीक करने के बाद अंडरपास आम लोगों को समर्पित होगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुताबिक अभी स्थायी तौर पर खोलने की कोई तिथि तय नहीं की गई है। पहले ट्रायल में सुरक्षा, साइनेज, लाइटिंग, जल निकासी और ट्रैफिक प्रबंधन की पूरी जांच की जाएगी। बताया गया कि गौर चौक पर लंबे समय से जाम की समस्या बनी हुई थी। चार मूर्ति गोलचक्कर, किसान चौक, एक मूर्ति गोलचक्कर और नोएडा की ओर जाने वाले वाहनों का दबाव इस चौक पर रहता है। सुबह-शाम पीक आवर में यहां लंबा जाम लगता है, जिससे लोगों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ती है। अंडरपास शुरू से नोएडा-ग्रेनो तक वाहनों की सीधी आवाजाही आसान हो जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि ट्रायल सफल रहा तो रोज की जाम की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। पेंटिंग से बनाया गया है खूबसूरत करीब 700 मीटर लंबे अंडरपास को खूबसूरत और आकर्षक बनाया जा रहा है। अंडरपास के अंदर की दीवारों पर रंग-बिरंगी पेंटिंग बनाई गई हैं। इनमें भगवान बुद्ध के साथ ही प्राकृतिक दृश्यों को भी दीवारों पर उकेरा जा रहा है। इससे अंडरपास से गुजरने वाले लोगों को एक अलग अहसास होगा। इसके शुरू होने से ग्रेनो वेस्ट में जाम से निजात दिलाने के लिए प्राधिकरण ने गौर चौक के निर्माण करीब 100 करोड़ रुपये खर्च किया है। मुख्यमंत्री 12 नवंबर को कर सकते हैं उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जिले का दौरा 12 नवंबर को प्रस्तावित हैं माना जा रहा है कि अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री विधिवत रूप से इस अंडरपास का उद्घाटन कर सकते हैं। अंडरपास से बड़ी संख्या में लोगों को राहत मिलेगी। निर्माण कार्य और लोगों को मिलने वाली राहत अंडरपास का मुख्य निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है ताकि जल्द से जल्द इसे आम लोगों के लिए खोला जा सके। अंडरपास के शुरू होने से गौड़ सिटी और आसपास की सोसाइटियों के दो लाख से अधिक लोगों जाम से राहत मिलेगी। -एनजी रवि, सीईओ ग्रेनो प्राधिकरण

चार गौसेवकों पर जानलेवा हमला, पुलिस ने दर्ज किया मामला

एजेंसी

नोएडा। मंडी श्यामनगर में चार गौसेवकों को आधी रात को आधा दर्जन से अधिक लोगों ने हमला कर घायल कर दिया। गौसेवकों पर हमला उस समय हुआ जब वह रात 12 बजे एक घायल बंदर का रेस्क्यू कर रहे थे। घटना में चारों लोग बुरी तरह घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर चार आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। कासना क्षेत्र स्थित नट की मंढाईया गांव के रहने वाले अंकुर नायक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गौरक्षक है। उनका कहना है

जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में फ्रेशर्स पार्टी का भव्य आयोजन, नए विद्यार्थियों का हुआ जोरदार स्वागत





नोएडा। नॉलिज पार्क स्थित जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत हेतु भव्य फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। फ्रेशर पार्टी का उद्देश्य नए छात्रों का स्वागत करना, उन्हें नए वातावरण से परिचित कराना और उनके बीच आत्मीयता का भाव विकसित करना होता है। कार्यक्रम में ग्रुप के विभिन्न कॉलेजों एवं विभागों के विद्यार्थी उत्साह, खुशी और जोश से सराबोर दिखे। कार्यक्रम के दौरान जीएनआईओटी कॉलेज समूह के चेयरमैन डॉ. राजेश गुप्ता, वाइस चेयरमैन श्री गौरव गुप्ता , मैनेजमेंट सदस्य श्री बजरंग लाल गुप्ता , श्री जे. एस. रावल , ग्रुप के सभी संस्थानों के निदेशक डा. धीरज गुप्ता, डा. सविता मोहन, डा. अंशुल शर्मा, प्रो. मन्जू राजपूत, डा. कल्पना रानी जायस, डा. नीति श्रीवास्तव वाईस प्रेसिडेंट श्री टी. एन. चौरसिया, श्री सुशील भारद्वाज, श्री नितिन मेहरा, ट्रेनिंग- प्लेसमेंट निदेशक डा. बबीता जी. कटारिया एवं ग्रुप रजिस्ट्रार श्री अनिल मधवाल सहित सभी संस्थानों के डीन, विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे! मंच पर विभिन्न सांस्कृतिक, मनोरंजक और आधुनिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। छात्रों ने ग्रुप डांस, सोलो सिंगिंग, इंस्ट्रुमेंटल परफॉर्मेंस, फैशन शो वॉक, स्किट एवं नाट्य मंचन जैसी कई शानदार प्रस्तुतियों से माहौल को जीवंत बना दिया। विशेष रूप से फैशन शो में छात्रों ने अपने कॉन्फिडेंस, क्रिएटिविटी और स्टाइल का अद्भुत प्रदर्शन किया। विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं प्रतियोगिताओं के आधार पर विभिन्न संस्थानों एवं पाठ्यक्रमों से मिस्टर एवं मिस फ्रेशर का चयन किया गया! बीटेक से शिवांश एवं एकता , बीसीए- एकेटीयू से विक्की एवं तन्वी सिंह, एमसीए से सरवजीत चौहान एवं महिमा उपाध्याय , बीबीए- एकेटीयू से अर्पित एवं प्रियांशी, एमबीए- इंटीग्रेटिड से आयुष एवं हर्षिता , एमबीए से नित्यानंद एवं भूमिका , बीबीए से साहिल एवं महक , बीसीए से वंश एवं श्रेया, बीकॉम से आयुष एवं साक्षी सिंह , एलएलबी से हर्ष एवं काम्या , नर्सिंग से आयुष एवं इशिता तथा फामेर्सी से आर्यन खान एवं कीर्तिका को मिस्टर एवं मिस फ्रेशर चुना गया! इस अवसर पर सभी चयनित एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों तथा कार्यक्रम आयोजकों को बधाई देते हुए ग्रुप के चेयरमैन डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि जीएनआईओटी केवल शिक्षा प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान देता है। संस्थान का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक, सामाजिक एवं व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से एक कुशल एवं आत्मविश्वासी व्यक्तित्व के रूप में विकसित करना है और ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को एक-दूसरे से जुड़ने, अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा संस्थान के साथ एक नई शुरूआत करने का अवसर प्रदान करते हैं! कार्यक्रम के अन्त में मशहूर सिंगर आकाश चौहान का लाइव शो आयोजित किया गया। आकाश चौहान ने एक के बाद एक बेहतरीन प्रस्तुति देकर युवाओं में जोश भर दिया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं में आकाश की दीवानगी देखने को मिली। कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों ने देर तक कार्यक्रम का आनंद लिया और इस दौरान सभी ने युवाओं के जोश का सराहा।

पटाखा दुकानों पर सुरक्षा जांचेगा अग्निशमन विभाग

नोएडा, । दीपावली पर पटाखों की बिक्री और भंडारण को लेकर अग्निशमन विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पटाखा दुकानों पर आग से बचाव के इंतजामों की जांच की जाएगी। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं पर कार्रवाई हो सकती है। बुधवार को सेक्टर-2 स्थित फायर स्टेशन पर पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने पटाखा विक्रेताओं के साथ बैठक कर सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश दिए। डीसीपी नोएडा प्रीति यादव की ओर से आयोजित बैठक में एडीसीपी नोएडा अभय कुमार मिश्र और मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार मौजूद रहे। अधिकारियों ने पटाखों के सुरक्षित भंडारण, रखरखाव और बिक्री के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर चर्चा की। विक्रेताओं को बताया गया कि पटाखों की बिक्री के दौरान अग्नि सुरक्षा के निर्धारित मानकों का पालन करना अनिवार्य है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ग्रीन पटाखों की बिक्री केवल निर्धारित और अधिकृत स्थलों पर ही की जाएगी। सभी दुकानों और बिक्री स्थलों पर पर्याप्त अग्निशमन उपकरण रखने होंगे। आग लगने की स्थिति में तत्काल बचाव के लिए जरूरी इंतजाम पहले से करने होंगे। दुकानों में ज्वलनशील सामग्री का अनावश्यक भंडारण नहीं करने की हिदायत दी गई। इसके अलावा बिजली के तारों, कनेक्शन और उपकरणों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। बैठक में अधिकारियों ने कहा कि पटाखों के भंडारण और बिक्री में छोटी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में दुकानदार सुरक्षा इंतजामों को गंभीरता से लें। प्रशासन और अग्निशमन विभाग की ओर से जारी दिशा-निदेर्शों का पूरी तरह पालन करें। किसी संदिग्ध गतिविधि या आग लगने की आशंका होने पर तत्काल संबंधित विभाग को सूचना दें। दीपावली खुशियों का त्योहार है।

सेंट हूड कॉन्वेंट स्कूल में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया।



दादरी सेंट हूड कॉन्वेंट स्कूल, दादरी में दीपावली का पावन पर्व हर्षोल्लास, उत्साह एवं सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बाहरी प्रार्थना सभा स्थल (आउटडोर असेंबली ग्राउंड) में कक्षा 9 के विद्यार्थियों द्वारा एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन पर आधारित आकर्षक नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से दीपावली के पौराणिक एवं सांस्कृतिक महत्व को जीवंत रूप में दर्शार्या गया।इस विशेष प्रस्तुति का आयोजन कक्षा 9 की छात्राओं द्वारा किया गया। विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम, माता सीता एवं लक्ष्मण जी के वनवास से अयोध्या लौटने के प्रसंग को प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया। नाट्य मंचन ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को भावविभोर कर दिया। प्रस्तुति के माध्यम से सत्य, धर्म, मयार्दा, प्रेम एवं बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम की रूपरेखा एवं नाट्य प्रस्तुति की तैयारी विद्यालय की उप-प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम शर्मा के मार्गदर्शन में की गई। कक्षा 9-अ की कक्षा अध्यापिका श्रीमती प्रवेश ने कार्यक्रम के सफल संचालन एवं तैयारी में विशेष सहयोग प्रदान किया। वहीं सीनियर विंग कोऑर्डिनेटर श्रीमती दिव्या के प्रेरणादायक विचार एवं मार्गदर्शन ने इस प्रस्तुति को एक विशेष स्वरूप प्रदान किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. आशा शर्मा ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट अभिनय, आत्मविश्वास एवं सामूहिक प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि जीवन में ज्ञान, सद्भावना, सकारात्मकता एवं मानवता का प्रकाश फैलाने का संदेश भी देती है। कार्यक्रम का समापन दीपावली की शुभकामनाओं एवं उल्लासपूर्ण वातावरण के साथ हुआ। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ने के साथ-साथ त्योहारों के वास्तविक महत्व को समझने का सुंदर अवसर प्रदान किया।

तीन लोगों से ऑनलाइन ठगे 11 लाख से अधिक रुपये

एजेंसी



गुरुग्राम। गुरुग्राम में ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले लगातार बढ़ रहे है। थाना साइबर क्राइम पूर्व में तीन अलग-अलग वारदातों में कुल 11 लाख 66 हजार 993 रुपये की ठगी हुई। इन सभी मामलों में शातिर ठगों ने अलग-अलग तरीकों से पीड़ितों को अपनी जालसाजी का शिकार बनाया है। पुलिस ने सभी मामलों केस दर्ज कर गहनता से जांच शुरू कर दी है। सुशांतलोक निवासी वीरेंद्र कुमार गुलाटी ने पुलिस को दी शिकायत के अनुसार अज्ञात आरोपियों ने गत 18 अक्तूबर को ऑनलाइन माध्यम से संपर्क किया और विभिन्न हथकंडे अपनाते हुए उनके साथ सात लाख 19 हजार रुपये की ठगी को अंजाम दिया गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सुराग जुटाने शुरू कर दिए हैं। सेक्टर-47 निवासी नितीश कपूर के साथ 31 अक्तूबर को जालसाजों ने जाल में फंसाकर दो लाख 932 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवाकर ठगी कर डाली। पीड़ित द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर यह खंगालना शुरू कर दिया है कि ठगी की यह रकम किस बैंक खाते में ट्रांसफर हुई है। इसके अलावा गोपे अस्सुदनी निवासी डीएलएफ फेस-चार निवासी डीएलएफ फेस-चार इलाके में रहने वाले गोपे अस्सुदनी को अज्ञात ठगों ने दो नवंबर को ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार बनाया। शातिर बदमाशों ने विभिन्न प्रलोभन या डिजिटल माध्यम का झांसा देकर उनके बैंक खाते से कुल दो लाख 39 हजार 61 रुपये उड़ा लिए गए। इस संबंध में पीड़ित की दरखास्त पर पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर सेल की मदद से आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

पार्क में पेड़ से लटका मिला शव, गले पर रस्सी के निशान

एजेंसी



नोएडा। सेक्टर-69 स्थित एक पार्क में बुधवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। सुबह सैर करने आए लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची फेज-तीन थाना पुलिस ने शव को पेड़ से उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस ने बताया कि बुधवार सुबह लोगों ने सूचना दी कि पार्क में एक व्यक्ति का शव पेड़ से लटका हुआ है। सूचना पर टीम पहुंची और शव को नीचे उतारा। आसपास जानकारी करने पर मृतक की पहचान 23 वर्षीय प्रभाकर के रूप में हुई। उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। सूचना पर उसके पिता रामकिशन भी पहुंच गए। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह मूलरूप से जिला फरुर्खाबाद के गुढेरा गांव के रहने वाले हैं। वह वर्तमान में गढ़ी चौखंडी गांव की गली नंबर-नौ में किराए पर रहते हैं। वह मजदूरी करते हैं। प्रभाकर भी उनके साथ रहता था। वह भी मजदूरी करता था। उसका विवाह नहीं हुआ था। पुलिस के मुताबिक, प्राथमिक जांच में मृतक के शरीर पर चोट के निशान नहीं हैं। गले में रस्सी के निशान है दिखे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा रहा हैकि फांसी लगाने के बाद दम घुटने से उसकी मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एनसीआर में दिवाली पर जला सकेंगें ग्रीन पटाखे, वह भी तीन घंटे

एनसीआर में नीरी से प्रमाणित हरित पटाखों की ही हो सकेगी बिक्री

एजेंसी



गुरुग्राम। सुप्रीम कोर्ट के सख्त दिशा-निदेर्शों के साथ एनसीआर क्षेत्र के गुरुग्राम जिला में दिवाली पर्व के उपलक्ष्य में केवल ग्रीन पटाखों की बिक्री और चलाने की अनुमति प्रदान की गई है। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बुधवार को बताया कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी निदेर्शों के अनुसार नीरी (एनईईआरआई) की वेबसाइट से प्रमाणित हरित पटाखों की बिक्री की अनुमति दी गई है। ग्रीन पटाखों की बिक्री के लिए व्यापारियों के लाइसेंस चार नवंबर से छह नवंबर 2026 तक अस्थायी रूप से बहाल किए गए हैं। जारी आदेशों के अनुसार नागरिक सात व आठ नवंबर 2026 को सुबह छह बजे से सात बजे तक तथा रात आठ बजे से 10 बजे तक ही ग्रीन पटाखे जला सकेंगे। नौ नवंबर से पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध पुनः लागू हो जाएगा। इसकी निगरानी के लिए जिला और खंड स्तर पर टीमें भी गठित की गई हैं। उन्होंने बताया कि अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों तथा अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे चलाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। यही प्रतिबंध शिक्षण संस्थानों पर भी लागू होगा। उन्होंने कहा कि इन निदेर्शों का उद्देश्य बीमारियों से पीड़ित लोगों, बुजुर्गों, बच्चों और अन्य संवेदनशील नागरिकों को ध्वनि एवं वायु प्रदूषण से होने वाली परेशानी से बचाना है। डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों के अनुसार इन उत्पादों की बिक्री पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में केवल निर्दिष्ट स्थानों से ही की जा सकेगी, जिन्हें जिला कलेक्टर/आयुक्त द्वारा पुलिस अधीक्षक के परामर्श से चिन्हित किया जाएगा और व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। पुलिस अधिकारी, जिला प्रशासन के परामर्श से बिक्री के निर्दिष्ट स्थानों पर निगरानी रखने के लिए गश्ती दल गठित करेंगे, जिनमें राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के क्षेत्रीय कार्यालयों से नामित अधिकारी भी शामिल होंगे। टीम द्वारा जांच के लिए इन पटाखा उत्पादों के नमूने भी लिए जाएंगे, जिन्हें पीईएसओ को भेजा जाएगा। उल्लंघन पाए जाने पर प्रतिबंधित उत्पादों के निर्माण या बिक्री में शामिल लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही पीईएसओ या नीरी से उनका लाइसेंस/पंजीकरण भी रद्द किया जा सकता है। नीरी द्वारा प्रमाणित हरित पटाखों की बिक्री केवल पीईएसओ से लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों के माध्यम से ही की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के निदेशानुसार एनसीआर में बेरियम युक्त पटाखों और नीरी द्वारा ग्रीन पटाखे के रूप में अनुमोदित नहीं किए गए पटाखों के उपयोग की अनुमति नहीं होगी।

भारत ने गुयाना के लिए 50 करोड़ डॉलर ऋण सुविधा बढ़ाने घोषणा की

सेंट जोन्स ।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एंटीगुआ एवं बारबुडा में गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली से मुलाकात के दौरान गुयाना में सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा बढ़ाने की घोषणा की। जयशंकर ने सेंट जोन्स में हाल ही में राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक से इतर राष्ट्रपति अली से मुलाकात की। जयशंकर ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली से मिलकर खुशी हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2024 की यात्रा के बाद हमारे द्विपक्षीय सहयोग में हुई निरंतर प्रगति की समीक्षा की।' उन्होंने सड़क, स्वास्थ्य और रक्षा परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा बढ़ाने की घोषणा की। दोनों देशों ने सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) की विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति और स्थापना से जुड़े समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा` कि एमएसई की विनिर्माण परियोजनाओं की आपूर्ति एवं स्थापना, त्वरित प्रभाव वाली परियोजनाओं (क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स) के क्रियान्वयन के लिए अनुदान सहायता तथा डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और गुयाना में यूपीआई जैसी प्रणाली के संचालन में सहयोग से जुड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

तमिलनाडु के पंजीकरण विभाग ने 1,950 करोड़ का राजस्व जुटाया

चेन्नई ।

तमिलनाडु के पंजीकरण विभाग ने अक्टूबर 2026 में 1,950 करोड़ रुपये का राजस्व जुटाया। यह अक्टूबर 2025 की तुलना में 147 करोड़ रुपये अधिक है। राज्य के मंत्री डी. लोकेश तमिलसेल्वन ने उत्तर चेन्नई जिला पंजीयक कार्यालय में अक्टूबर 2026 के कामकाज की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह जानकारी दी। डिजिटल पहलों की सफलता का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि तीन नवंबर, 2026 तक कुल 2,46,260 दस्तावेजों का पंजीकरण किया जा चुका है। इससे पहले मंत्री ने पंजीकरण विभाग से जुड़े उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के मामलों की निगरानी के लिए तैयार कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित एक ऐप पेश किया।इस ऐप से अधिकारियों को जवाबी हलफनामे तैयार करने और विभाग की कानूनी कार्यवाही तेज करने में मदद मिलेगी।

रैम पर राय भारी, सैम ऑल्टमैन बने राम ऑल्टमैन

नई दिल्ली ।

ओपनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन हाल ही में सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं। अपने एक विवादास्पद बयान के बाद उन्होंने अपना सोशल मीडिया डिस्प्ले नाम सैम ऑल्टमैन से बदलकर राम ऑल्टमैन कर लिया है। यह बदलाव कंप्यूटर की रैम के सीमित इस्तेमाल पर उनकी राय को लेकर हुए तीव्र विरोध के बाद आया है। एक पॉडकास्ट में ऑल्टमैन ने कहा था कि दुनिया में रैम की उपलब्धता सीमित है। उनके अनुसार, निजी कंप्यूटरों में लगी रैम का बहुत कम समय (लगभग 5 फीसदी) के लिए इस्तेमाल होना संसाधनों की बर्बादी है, जबकि इसका बेहतर उपयोग क्लाउड डेटा सेंटर में किया जा सकता है। इस बयान पर सोशल मीडिया यूजर्स ने कड़ी आपत्ति जताई। लोगों का तर्क था कि अपने पैसे से खरीदे गए कंप्यूटर में अपनी पसंद की रैम रखने का पूरा अधिकार है। कुछ ने आरोप लगाया कि बड़ी एआई कंपनियां रैम की जमाखोरी कर रही हैं, जिससे आम लोगों के लिए कंप्यूटर महंगे हो सकते हैं। विवाद बढ़ने और नाम बदलने के बाद ऑल्टमैन ने सफाई दी कि उनके बयान को गलत समझा गया।

बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 500 लाख करोड़ के पार

मुंबई ।

बाजार की तेजी में बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप पहली बार 500 लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया। शुरुआती सेशन में यह 501 लाख करोड़ रुपये के ऊपर तक गया। जबकि पिछले सेशन में क्लोजिंग के बाद यह आंकड़ा 494.4 लाख करोड़ रुपये था।

यानी बाजार की तेजी में करीब 7 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछले सेशन में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 7,284 करोड़ रुपये की खरीदारी की। बाजार के जानकारो ने कहा कि विदेशी निवेशकों की ओर से दोबारा खरीदारी शुरू होना घरेलू बाजार के लिए राहत की बात है। अगर आने वाले दिनों में भी विदेशी निवेश जारी रहता है, तो इससे शेयर बाजार में मौजूदा रिकवरी को और मजबूती मिल सकती है।

शेयर बाजार बंपर तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 2,008, निफ्टी 576 अंक उछला

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बंपर उछाल दुनिया भर से मिले बेहतर संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में कमी आने से भी बाजार को बल मिला है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,008.61 अंक बढ़कर 79,310.01 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 576 अंक उछलकर 24,536.60 पर बंद हुआ। बाजार में इस सप्ताह लगातार तेज रही है जिससे सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण करीब 28 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 501 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया। जिससे निवेशकों को भारी लाभ हुआ। वहीं पिछले सप्ताह 28 अक्टूबर को बाजार पूंजीकरण 473 लाख करोड़ रुपए था। कारोबारी सत्र में बाजार में व्यापक आधार पर तेजी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 106.05 अंक की तेजी के साथ 19,132.45 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,115.40 अंक बढ़कर 60,620.90 पर आ गया था। सूचकांकों में निफ्टी ऑटो , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ में रहे । इसके अलावा, निफ्टी प्राइवेट बैंक , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी आईटी , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी सर्विसेज में सबसे ज्यादा बढ़त रही। दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी मीडिया , निफ्टी एनर्जी और निफ्टी पीएसई गिरावट के साथ



बंद हुए।

सूचकांकों में बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, सन फार्मा, एलएंडटी, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, टाटा स्टील, एचयूएल और ट्रेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, आईटीसी, बीईएल और एनटीपीसी के शेयरों को नुकसान हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 1609 अंकों की मजबूती के साथ 78910 पर खुला जबकि निफ्टी भी करीब 380 अंकों की बढ़त के साथ 24400 के पास रहा।दूसरी ओर वहीं अमेरिकी शेयर बाजार बुधवार को बड़ी बढ़त के साथ बंद हुए थे।

रुपया बढ़त के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 15 पैसे की तेजी के साथ ही 94.46 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 94.61 पर बंद हुआ था। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती के दबाव में रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को निचले स्तर पर थोड़ा समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.36 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह टूटकर 94.55 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में मजबूती के साथ बंद हुआ था। यह 14 पैसे चढ़कर 94.61 प्रति डॉलर पर रहा था।

गोवा में खनन एवं कोयला क्षेत्र में सुधारों पर केंद्र और राज्य करेंगे चर्चा- मंत्री

महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी के नए चरण होंगे शुरू

पणजी ।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि गुरुवार से दक्षिण गोवा में शुरू होने वाला राष्ट्रीय खनन सम्मेलन केंद्र और राज्यों को खनन एवं कोयला क्षेत्रों में सुधारों, उभरती चुनौतियों और इन्हें मजबूत करने के उपायों पर गहन चर्चा का मंच प्रदान करेगा। यह आयोजन देश के खनिज संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन और विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दो दिवसीय इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी बुधवार शाम गोवा पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि यह आयोजन केंद्र तथा राज्यों को सुधारों, चुनौतियों और इन क्षेत्रों को मजबूत करने के उपायों पर केंद्रित चर्चा के लिए एक साथ लाएगा।

सम्मेलन के एजेंडे में महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी के नए चरणों की शुरुआत, खनिज प्रशासन को मजबूत करने के लिए डिजिटल पहल और सुधारों को आगे बढ़ाने पर राज्यों के साथ विस्तृत चर्चा शामिल है।

मंत्री ने सार्थक संवाद और सहयोगात्मक प्रयासों की उम्मीद जताई। आयोजकों के अनुसार, इस दौरान महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी का नौवां चरण और अन्वेषण लाइसेंस (ईएल) ब्लॉक का तीसरा चरण भी शुरू किया जाएगा। इन चरणों में अन्वेषण व खनन के लिए खनिज ब्लॉक कंपनियों को आवंटित किए जाएंगे।

अमेरिकी मिड टर्म रिजल्ट के बाद रॉकेट बने सेंसेक्स और निफ्टी.धनतेरस से पहले सेंसेक्स 2009,निफ्टी 576 अंक उछला,साल की दूसरी सबसे बड़ी बढ़त

निवेशकों की बल्ले-बल्ले, 5 ट्रिलियन का हुआ बाजार

मुंबई।

धनतेरस से एक दिन पहले गुरूवार को सेंसेक्स 2008 अंक या 2.60 प्रतिशत चढक़र 79,310 पर बंद हुआ। इसे तेजी से निवेशकों की दौलत 8 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ गई। निफ्टी में भी 576 अंक या 2.40 प्रतिशत की तेजी रही, ये 24,537 के स्तर पर बंद हुआ है। निफ्टी ने 4 सितंबर के बाद पहली बार 24 हजार का आंकड़ा पार किया। ये इस साल की सेंसेक्स की दूसरी बड़ी बढ़त है। 8 अप्रैल को सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा था। यानी करीब सेंसेक्स में 7 महीने बाद इतनी बड़ी तेजी आई है। शेयर बाजार में लगातार छठे कारोबारी सत्र में तेजी के बीच बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार गुरुवार को यह बढक़र 501.14 लाख करोड़ रूपए के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 493.44 लाख करोड़ रूपए था। यानी एक ही दिन में निवेशकों की संपत्ति में करीब 7.7 लाख करोड़ रूपए का इजाफा हुआ।

शेयर बाजार के चलते सेंसेक्स-निफ्टी में लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में निवेश करने वाले निवेशकों ने तगड़ी कमाई की है। दरअसल, बीते कारोबारी दिन बाजार बंद होने पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 4,94,42,140.62 करोड़ रुपये था, जो कि गुरुवार को मार्केट क्लोजिंग पर उछलकर 5,01,61,673.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस हिसाब से निवेशकों ने एक झटके में 7.7 लाख करोड़ रुपये के आसपास कमाई कर डाली। लंबे समय तक गिरावट झेलने के बाद शेयर बाजार में ये लगातार छठा सत्र था, जब सेंसेक्स-निफ्टी का गदर देखने को मिला है। इन छह कारोबारी दिनों में शेयर मार्केट इन्वेस्टर्स ने करीब 25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा छाप लिए हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि शेयर बाजार में गुरुवार को आई रैली के चलते भारतीय शेयर बाजार अब 5 ट्रिलियन रुपये का मार्केट बन गया है।

लगातार छठे कारोबारी सेशन में तेजी

गुरुवार को बाजार में चौतरफा खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स 1,561 अंक की जोरदार बढ़त के साथ 78,862 अंक पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 457 अंक चढक़र 24,419 अंक पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख इंडेक्स में लगातार छठे कारोबारी सेशन में तेजी दर्ज की गई। पिछले 6 कारोबारी सेशन के दौरान सेंसेक्स में कुल 5,754 अंकों की बढ़त दर्ज की गई है। वहीं, निफ्टी इस अवधि में 1,881 अंक चढ़ चुका है। लगातार तेजी से बाजार में निवेशकों की संपत्ति में भी बड़ा इजाफा हुआ है।

कच्चे तेल में गिरावट और विदेशी निवेश से चढ़ा बाजार

बाजार में आई इस तेजी के पीछे कई प्रमुख वजहें रहीं। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से बाजार में मजबूत निवेश देखने को मिला। अमेरिकी मिड टर्म चुनाव के नतीजों के बाद ग्लोबल मार्केट में भी जोरदार तेजी दर्ज की गई।

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स का शेयर 12 फीसदी से अधिक चढ़कर सूचीबद्ध

एनएसई पर शेयर 10.97 प्रतिशत चढ़कर 91 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ

नई दिल्ली ।

बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड का शेयर अपने 82 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 12 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 12.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 92.02 रुपये पर कारोबार शुरू किया। वहीं एनएसई पर यह 10.97 प्रतिशत चढ़कर 91 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।कंपनी का बाजार मूल्यांकन 600.85 करोड़ रुपये रहा। बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 60.77 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 183 करोड़ रुपये के इस आईपीओ के लिए प्रति शेयर 78 से 82 रुपये का मूल्य दायरा तय किया गया था। आईपीओ पूरी तरह नए शेयर का निर्गम था। इससे प्राप्त राशि में से 125 करोड़ रुपये कुछ



कर्जों का समय से पहले भुगतान करने के लिए निर्धारित किए गए हैं।

वहीं15.7 करोड़ रुपये का इस्तेमाल सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ मौजूदा पट्टा व्यवस्था के तहत पूंजीगत उपकरणों के अधिग्रहण की लागत चुकाने के लिए किया जाएगा।

शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान के लिए तीन अरब डॉलर की वित्तपोषण सुविधा बढ़ाई

वित्त मंत्री ने रणनीतिक संबंधों पर जोर दिया; विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति मजबूत होने का दावा

इस्लामाबाद ।

सऊदी अरब ने पाकिस्तान को मिली तीन अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) की महत्वपूर्ण वित्तपोषण सुविधा को उचित अवधि के लिए बढ़ा दिया है। पो किस्तान के एक स्थानीय समाचार की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त मंत्री औरंगजेब ने 31 अक्टूबर को समाप्त होने वाली इस सुविधा की अवधि बढ़ने की पुष्टि की। उन्होंने पत्रकारों से कहा, आपको यह चिंता करने की जरूरत नहीं है कि यह कितने समय के लिए है, क्योंकि हमारे बीच इस तरह के रणनीतिक संबंध हैं। सऊदी अरब ने यह सुविधा इस साल अप्रैल में तब दी थी, जब पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3.5 अरब डॉलर लौटाए थे। औरंगजेब ने यह भी बताया कि सऊदी की पांच अरब डॉलर की एक अन्य सहायता पहले ही 2028 तक बढ़ाई जा चुकी है। उन्होंने अतिरिक्त सहायता की किसी भी मांग को खारिज करते हुए कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन महीने से अधिक के आयात के लिए पर्याप्त है और इसे साल के अंत तक चार महीने के आयात के बराबर करने का लक्ष्य है।

महानदी कोलफील्ड्स का मेगा आईपीओ को सेबी की मंजूरी

कोल इंडिया की सब्सिडियरी 1 अरब डॉलर जुटाने को तैयार

नई दिल्ली।

सरकारी कोयला कंपनी कोल इंडिया की सब्सिडियरी महानदी कोलफील्ड्स (एमसीएल) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। यह इस साल के सबसे बड़े आईपीओ में से एक होगा, जो नवंबर में लॉन्च के लिए तैयार है और इससे करीब 9,000 करोड़ रुपये जुटाए जा सकते हैं।

कोल इंडिया एमसीएल में अपनी 10 फीसदी हिस्सेदारी (66.18 करोड़ तक शेयर) ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बेचेगी। सूत्रों के मुताबिक, आईपीओ से लगभग 1 अरब डॉलर (करीब 9,000 करोड़) जुटाए जा सकते हैं, जिससे एमसीएल की वैल्यूएशन 10 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। हालांकि, प्राइस बैंड और लॉन्च की सटीक तारीख अभी घोषित नहीं हुई है। महानदी कोलफील्ड्स भारत की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी है।

म्यूचुअल फंड निवेश अक्टूबर में धीमा, फिर भी बाजार का मजबूत आधार

43,024 करोड़ पर आया निवेश, साल के अंत तक 5 लाख करोड़ का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

अक्टूबर 2026 में म्यूचुअल फंड (एमएफ) का भारतीय शेयर बाजार में निवेश घटकर तीन महीने के निचले स्तर 43,024 करोड़ रुपये पर आ गया। महीने के अंत में बाजार में आई तेजी के चलते फंड हाउसों ने निवेश की रफ्तार धीमी कर दी। हालांकि, इसके बावजूद चालू वर्ष के पहले दस महीनों में एमएफ का कुल निवेश 4.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। यदि अगले दो महीनों तक यह गति बनी रहती है, तो कुल निवेश 5 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड आंकड़े को पार कर सकता है, जो कैलेंडर वर्ष 2025 के उच्चतम स्तर के बराबर होगा। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये खुदरा निवेशकों की लगातार भागीदारी ने म्यूचुअल फंड्स को शेयर बाजार का महत्वपूर्ण सहारा बनाया है। यह तब और भी अहम हो जाता है जब विदेशी निवेशक बाजार से लगातार पूंजी निकाल रहे हैं, जिससे घरेलू संस्थागत निवेशकों की बढ़ती ताकत और बाजार को स्थिरता प्रदान करने की क्षमता प्रदर्शित होती है। म्यूचुअल फंड्स की निवेश गतिविधियां मुख्यतः इक्विटी और हाइब्रिड योजनाओं में शुद्ध निवेश पर निर्भर करती हैं। विशेष रूप से हाइब्रिड योजनाओं में शेयरों के लिए तय निवेश अनुपात में बदलाव से कुल खरीद पर बड़ा असर पड़ता है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि घरेलू बचत का वित्तीयकरण भारतीय शेयर बाजार के लिए एक मजबूत और टिकाऊ आधार बन गया हैं।

म्यूचुअल फंड निवेशकों को एएमएफआई के तीन मंत्र

दीर्घकालिक लक्ष्य, अनुशासन और एसआईपी जारी रखने पर जोर



नई दिल्ली ।

नए संवत की शुरुआत पर, एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के सीईओ वेंकट एन. चलसानी ने म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए तीन महत्वपूर्ण मूल मंत्र साझा किए हैं। उन्होंने निवेशकों से अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करने, निवेश को स्पष्ट उद्देश्य से जोड़ने, तथा अनुशासन व जिम्मेदारी से आगे बढ़ने का आह्वान किया।

चलसानी ने बाजार के अल्पकालिक उतार-चढ़ाव की बजाय लंबी अवधि के नजरिए पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बाजार में गिरावट के दौरान भी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जारी रखना चाहिए। यह ऑनलाइन सेल की तरह है, जहां समान रकम में ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं, जिससे खरीद की औसत लागत संतुलित होती है। हालांकि, एसआईपी से रिटर्न की गारंटी नहीं होती। जानकारों के अनुसार, निवेशकों को कम से कम पांच साल का नजरिया रखना चाहिए, क्योंकि दो-तीन साल में उतार-चढ़ाव सामान्य है। चलसानी ने भारत की मजबूत आर्थिक विकास संभावनाओं पर जोर दिया, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में नए अवसर शामिल हैं। उन्होंने युवा आबादी, नियंत्रित महंगाई व बढ़ती खपत जैसे कारकों को देश के लिए लाभकारी बताया।

आरबीआई ने बैंकों में डाले 2.5 लाख करोड़



नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में एक ऐसी आर्थिक रणनीति अपनाई है जो पहली नजर में विरोधाभासी लग सकती है। केंद्रीय बैंक ने 7 अक्टूबर 2026 को रेपो रेट में 0.25 फीसदी (25 बेसिस पॉइंट) की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसदी कर दिया। जानकारों के अनुसार, यह फरवरी 2023 के बाद पहली बढ़ोतरी है। वहीं दूसरी ओर, आरबीआई ने बैंकिंग सिस्टम में करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये की बड़ी नकदी भी डाली है।

ये कदम उन लोगों के लिए खास महत्व रखते हैं जो होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन लेने की सोच रहे हैं। आरबीआई के इन दो फैसलों के पीछे अलग-अलग, पर महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं। रेपो रेट बढ़ाने का मुख्य मकसद कर्ज पर नियंत्रण कर महंगाई को काबू में लाना है, क्योंकि इससे बैंकों के लिए आरबीआई से उधार लेना महंगा हो जाता है, जिसका बोझ अंततः ग्राहकों पर पड़ सकता है।

इसके विपरीत, बैंकिंग सिस्टम में नकदी डालने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बैंकों के पास ग्राहकों को कर्ज देने और रोजमर्रा के कामकाज के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध हो, ताकि बाजार में तरलता की कमी न हो। आरबीआई का यह संतुलन फ्लोटिंग रेट वाले लोन पर असर डाल सकता है। यदि आपका होम लोन या कार लोन रेपो रेट से जुड़ा है, तो अगली रीसेट तारीख पर आपकी मासिक किस्त (ईएमआई) बढ़ सकती है। हालांकि, फिक्स्ड रेट वाले लोन पर तत्काल कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

गृह लक्ष्मियों के सशक्तीकरण पर भी ध्यान दें..



उमेश चतुर्वेदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में अपनी कई अनूठी पहलों के लिए याद किए जाएंगे। उनमें से ही एक अनूठी पहल है, लखपति दीदी योजना। इस योजना की शुरूआत उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2023 को किया था। इसके तहत अगले साल के केंद्रीय बजट में इसे औपचारिक रूप से देश भर में लागू करने का प्रावधान किया गया।

दीपावली की आहट सुनाई देने लगी है। घर-दुकान से लेकर कार्यालय आदि की साफ-सफाई का दौर चल रहा है। धन की देवी की बाट ताकती दुनिया को पता है कि भले ही उनकी सवारी उल्लू है, लेकिन उनकी कृपा उसी जगह होती है। जहां स्वच्छता होती है। लेकिन यह स्वच्छता आती कैसे है? बिना उद्यम और परिश्रम के क्या सफाई संभव है। मतलब साफ है कि बिना उद्यम के लक्ष्मी का आना संभव नहीं। हमारी परंपरा में घर-परिवार की महिलाओं-कन्याओं को भी देवी का ही रूप माना जाता है। बिनु घरनी घर भूत का डेरा, हमारे यहां यह माना जाता रहा है। यानी घर में जब घरनी या महिला होती है, तो वह सिर्फ महिला, पत्नी, बेटी, बहन या मां ही नहीं रह जाती, बल्कि घर की लक्ष्मी हो जाती है। घर की लक्ष्मी जब समर्थ होती है तो परिवार खुशहाल होता है। इन्हीं संदर्भों में याद आती है भारत सरकार की लखपति दीदी योजना। मोदी सरकार की कोशिशों से अब देश में तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब भारत सरकार का लक्ष्य है कि इस संख्या को छह करोड़ तक पहुंचाया जाए। इस योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब कई दीदियां करोड़पति बन चुकी हैं या फिर उनका स्वयंसहायता समूह करोड़पति हो चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में अपनी कई अनूठी पहलों के लिए याद किए जाएंगे। उनमें से ही एक अनूठी पहल है, लखपति दीदी योजना। इस योजना की शुरूआत उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2023 को किया था। इसके तहत अगले साल के केंद्रीय बजट में इसे औपचारिक रूप से देश भर में लागू करने का प्रावधान किया गया। इस योजना का नोडल केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय है। जिसके तहत चल रही दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, ताकि वे सालाना कम से कम ?1 लाख की स्थायी आय अर्जित कर सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली इस योजना के तहत उन्हें एलईडी बल्ब बनाने, प्लंबिंग, ड्रोन चलाने और रिपेयरिंग जैसे तकनीकी काम तो सिखाए ही जा रहे हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर काम करने और दस्तकारी आदि को बढ़ावा देने की भी कोशिश की जा रही है। शुरू में इस योजना के जरिए दो करोड़



महिलाओं को %लखपति दीदी% बनाने का लक्ष्य रखा गयॉ था, जिसे फरवरी 2024 के अंतरिम बजट में बढ़ाकर तीन करोड़ कर दिया गया और यह लक्ष्य भी हासिल किया जा चुका है। इस योजना के तहत राज्य सरकारों की मदद से बैंकों से स्वयं सहायता समूहों को सस्ते दर पर कर्ज दिलाया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर दीदियां इस कर्ज से ना सिर्फ अपना काम बढ़ा रही हैं, बल्कि बैंकों को कर्ज की किश्तें भी नियमित रूप से चुका रही हैं। हाल ही में विजयवाड़ा में आयोजित दिल्ली के बाहर सरस मेले के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस लक्ष्य को छह करोड़ करने का ऐलान किया और कहा कि अगले तीन साल में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। इस दस्तकारों और स्वयंसहायता समूहों द्वारा निर्मित सामानों को बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय 1999 से ही दिल्ली में सरस मेले का आयोजन करता रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू किए गए इस बाजार को अब तक दिल्ली में ही लगाया जाता रहा है। लेकिन इस साल पहली बार विजयवाड़ा में 13 से 31 अक्टूबर तक विजयवाड़ा में यह आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेष रूप से सफल लखपति और करोड़पति दीदियों के काम को प्रदर्शित किया गया। इसी आयोजन में झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले लखपति दीदी मीनू रक्षित से मुलाकात हुई। ग्यारह महिला सदस्यों की सहायता से शुरू उनके ग्रुप का टर्न ओवर अब पचास लाख सालाना से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि कभी मजदूरी करके जीने वाला उनका परिवार अब आत्मनिर्भर हो गया है और ना सिर्फ उनके परिवार में खुशहाली आई है, बल्कि उनके समूह में शामिल महिलाओं की भी स्थिति सुधरी है। साबुन बनाने से शुरू हुआ उनका काम अब 35 तरह के घरेलू उत्पाद बना रहा है और देशभर से उनके माल की मांग बढ़ रही है। कुछ ऐसी ही कहानी रही राजस्थान के बीकानेर से इस मेले में शामिल होने आई राजीविका मिशन से जुड़ी ममता की भी कहानी है। बीकानेर अपने नमकीन के लिए मशहूर पहले से ही है। ममता भी अपने घर में अपने खाने-पीने के लिए नमकीन बनाती रहीं। लेकिन लखपति दीदी योजना से जुड़ने के बाद उनके समूह की ग्यारह महिलाओं का जैसे भाग्य ही बदल गया। महज तीन साल में ही इस समूह का सालाना टर्नओवर बारह लाख से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि इस समूह की महिलाएं अपने घर की आर्थिक मदद करने लगी हैं। अपने बच्चों के खर्च के लिए उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा। लखीमपुर से आई शमीमा की भी कुछ ऐसी ही कहानी रही। आज उनका समूह चमड़े के जूते-चप्पल बना रहा है। इस काम में उनके पति सहयोग करते हैं और उनके समूह का टर्नओवर साठ लाख को पार कर चुका है।

भारत में प्रबंधन की पढ़ाई के लिए मशहूर भारतीय प्रबंधन संस्थान यानी आईआईएम, अहमदाबाद ने हाल ही में लखपति दीदी योजना को लेकर एक शोध किया है। संस्थान ने अपने अध्ययन में देश के सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 6531 महिलाओं के काम को शामिल किया है। इस अध्ययन के मुताबिक लखपति दीदियों के परिवारों की आय में 61 फीसद तक का इजाफा देखा गया है। इसकी वजह से परिवारों की मासिक बचत में करीब 61.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2026 में खत्म हुए अध्ययन के अनुसार, करीब 48 प्रतिशत लखपति दीदियों के कारोबार में पिछले एक साल में विस्तार हुआ है। इसका असर यह हुआ है कि अब लखपति दीदियों के काम करने का दायरा भी बढ़ा है। अब वे एक साथ करीब-करीब दो-दो काम कर रही है। इस अध्ययन के मुताबिक एक लखपति दीदी की कामयाबी से दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा मिली और उन्होंने भी समूह बनाकर इस योजना का फायदा उठाया और अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर की।

घर की लक्ष्मी भले ही महिला को माना जाता रहा हो, लेकिन पारंपरिक परिवारों के अहम फैसलों में महिलाओं की राय की भूमिका कम रही है। लेकिन लखपति दीदियों की राय को पारिवारिक फैसलों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईआईएम के अध्ययन के अनुसार 36 प्रतिशत से ज्यादा लखपति दीदियों का कहना है कि पारिवारिक मामलों में उनकी राय का वजन बढ़ा है, साथ ही करबी 30.5 प्रतिशत दीदियों का मानना है कि उन्हें इस योजना के जरिए आर्थिक स्वायत्तता मिली है। आईआईएम अहमदाबाद की अध्ययन रिपोर्ट बताती है कि इस योजना से ग्रामीण समाज में भी बदलाव दिख रहा है।

मराठी की एक कहावत है कि एक शिक्षित महिला के चलते सात पीढ़ियों तक शिक्षा का बदलाव दिखता है। कुछ इसी तर्ज पर कह सकते हैं कि लखपति दीदी योजना के चलते भारतीय समाज बदलाव के नए दौर में कदम रख चुका है। सोचिए अगर देश की छह करोड़ महिलाएं सालाना कम से कम एक लाख रूपए की आय वाली होंगी तो इसका क्या असर होगा। निश्चित तौर पर छह करोड़ परिवार गरीबी रेखा की सीमा को कुछ और फांद जाएंगे। लक्ष्मी पूजन के मौके पर लखपति दीदी योजना को इस रूप में भी देखा जाना चाहिए।

संपादकीय

आबादी पर नई दृष्टि

आज देश में प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की जा रही है। इसी बाबत सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने वाली नीति से जुड़े कानून की प्रासंगिकता अब खत्म हो गई है। अदालत ने माना कि देश में जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण ऐसे प्रतिबंध को लेकर दिये जाने वाले तर्क अब बेमाने हो गए हैं। कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ ही 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य' (2003) मामले को एक बड़ी बेंच के पास भेज दिया है। दरअसल, इस मामले में तीन जजों की बेंच ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम-1994 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था। जिसमें दो से अधिक बच्चे होने पर उम्मीदवार को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिये अयोग्य घोषित किया गया था। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की दो बच्चों के नियम पर यह टिप्पणी दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश के लिये एक उपयुक्त समय पर आई है। देश की मौजूदा बदलती जनसांख्यिकीय तस्वीर दर्शाती है कि अब वे कानून पुराने व प्रतिकूल हो चुके हैं, जो जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिये जनप्रतिनिधियों को स्थानीय चुनाव में हिस्सा लेने से रोकते थे। उल्लेखनीय है कि जब कोर्ट ने 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य'(2003) के मामले में दो बच्चों के नियम की वैधता को मान्यता दी थी, उस समय भारत की प्रजनन दर लगभग तीन थी। जबकि आज यह घटकर 1.9 हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर 2.1 से कम है। सही मायने में इस बदलाव में हमारी वास्तविक सामाजिक स्थिति का अक्स उभरता है। मसलन बढ़ती साक्षरता, शहरीकरण का विस्तार, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और परिवार नियोजन के उपायों के प्रति समाज में जागरूकता में वृद्धि आदि। अदालत ने महाराष्ट्र के एक पूर्व सरपंच की अयोग्यता को भी रद्द कर दिया है, जिन्हें अपने तीसरे बच्चे के जन्म के बाद चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। इससे जुड़े संवैधानिक प्रश्न के समाधान के लिये मामले को बड़ी बेंच को भेज दिया है।

सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी दर्शाती है कि जनसंख्या नीति और मौलिक अधिकारों के बीच पर्याप्त संतुलन बनाना जरूरी है। यानी दो बच्चों से ज्यादा होने पर किसी को सार्वजनिक सेवा करने से रोकना तार्किक नहीं होगा। दूसरे शब्दों में ऐसे लोगों के चुनाव लड़ने के हक को रोकना पारिवारिक विकल्पों के आधार पर लोकतांत्रिक भागीदारी को सीमित करने जैसा होगा। यानी यह कानून अनुच्छेद 21 अर्थात जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संरक्षण के तहत प्रजनन स्वायत्तता पर गंभीर सवाल उठाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान व हरियाणा आदि ने पहले ही इस प्रतिबंध को हटा दिया है। इन राज्यों का मानना था कि देश में फिलहाल जनसांख्यिकीय परिस्थितियां बदल चुकी हैं। वास्तव में अन्य राज्यों को भी इस तरह के प्रावधानों पर पुनर्विचार करना चाहिए। इस बाबत कोर्ट का मानना था कि मौजूदा कानून राजनीतिक अधिकारों से वंचित करता है। यह भी कि ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाला यह कानून नागरिकों के वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देता है। सही मायने में इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है। उल्लेखनीय है कि भारत में मौजूदा जन्मदर 1.9 है, जबकि प्रतिस्थापन दर 2.1 होनी चाहिए। जिसका मतलब है कि कम प्रजनन के चलते एक पीढ़ी की जगह अगली पीढ़ी पूरी तरह नहीं ले पायेगी। जिसका अर्थ यह है कि बुजुर्गों की आबादी बढ़ने से कामकाजी लोगों की संख्या कम हो सकती है। यदि हमने इन बदलावों को नजरअंदाज किया तो देश के विकास में नकारात्मक प्रभाव सामने आ सकते हैं। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि घटती जन्मदर अंततः बुजुर्गों की आबादी बढ़ाने, कार्यबल में गिरावट और देश की सामाजिक सुरक्षा प्रणाली व स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ा सकती है। भारत के जनसंख्या स्वरूप में आये बदलाव के मद्देनजर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, बच्चों की देखभाल सुविधाओं में विस्तार, कौशल विकास और उपयोगी पेंशन योजनाओं को क्रियान्वित करना चाहिए। इसका मतलब यह भी है कि हर दौर में छोटे परिवार की कसौटी तार्किक नहीं हो सकती।

सूक्ति

माया मरी न मन मरा, मर मर गये शरीर। आशा तृष्ना ना मरी, कह गये दास कबीर?
- कबीर

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।
- रहीम

धनतेरसः धन की पूजा नहीं, धन के शुद्ध संस्कारों का पर्व



ललित गर्ग

पंच पर्वों से जुड़े दीपावली महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस केवल दीपावली के आरंभ का पर्व नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी दृष्टि को परखने का अवसर है। यह वह दिन है जब भारतीय संस्कृति धन की पूजा के साथ मनुष्य को यह स्मरण कराती है कि धन साधन है, साध्य नहीं, समृद्धि जीवन का अलंकार है, जीवन का आधार नहीं। दुर्भाग्य यह है कि आधुनिक समय में धन की परिभाषा इतनी संकुचित हो गई है कि धन का अर्थ संवेदना, सदाचार और संतोष से नहीं, बल्कि संग्रह, सुविधा, प्रतिष्ठा और शक्ति से जोड़ा जाने लगा है। आज दुनिया में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन क्या उसी अनुपात में मनुष्य समृद्ध हुआ है? चंद हाथों में सिमटती संपदा और बढ़ती आर्थिक विषमता ने समाज में एक विचित्र असुरक्षा पैदा की है। भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, पर विश्वास घटा है। साधन बढ़े हैं, लेकिन साधना कमजोर हुई है। घर बड़े हुए, मगर हृदय छोटे होते गए। परिणामतः हिंसा, छल, भ्रष्टाचार, चोरी, शोषण, दुराचार और असीम संग्रह जैसी प्रवृत्तियां केवल समाज में नहीं, हमारे भीतर भी जगह बनाने लगी हैं। चेहरों की पहचान बची है, लेकिन चरित्र की पहचान धुंधली पड़ रही है।

धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है। सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है।

धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं। सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं।

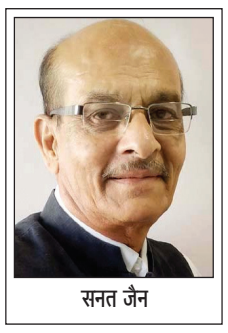
लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ।

आज आवश्यकता धन कमाने की नहीं, धन कमाने की शुद्ध पद्धति और उसके शुद्ध उपयोग की है। यदि साध्य समृद्धि है तो साधन भी शुद्ध होने चाहिए। बेईमानी, शोषण, छल और भ्रष्टाचार से अर्जित धन चाहे कितनी भी बड़ी संपत्ति क्यों न बना दे, वह जीवन में शांति और समाज में सम्मान नहीं ला सकता। इसके विपरीत परिश्रम, ईमानदारी और नैतिकता से अर्जित सीमित धन भी जीवन को गरिमा प्रदान करता है। धनतेरस हमें संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना देता है। जिस धन का प्रवाह समाज तक नहीं पहुँचता, वह अंततः जड़ हो जाता है। दान, सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान में धन का उपयोग उसकी सार्थकता बढ़ाता है। दीपक की तरह धन भी तभी प्रकाश देता है, जब वह स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में उजाला फैलाए।

इसलिए धनतेरस पर हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि इस वर्ष हमारी संपत्ति कितनी बढ़ी, बल्कि यह भी पूछना चाहिए कि हमारा संतोष कितना बढ़ा, हमारा चरित्र कितना मजबूत हुआ, हमारी करुणा कितनी गहरी हुई और हमारे धन से कितने जीवनों में उजाला आया। हमारे पास कार न हो, कोठी न हो, ऊँची कुर्सी न हो-कोई बात नहीं, लेकिन हमारे पास ईमान, इंसानियत, आत्मसम्मान, संयम और चरित्र अवश्य होना चाहिए। यही वह संपदा है जिसे न बाजार खरीद सकता है, न समय छीन सकता है। धनतेरस का दीप तभी सच्चे अर्थों में जलेगा, जब हमारे भीतर धन के साथ धर्म, समृद्धि के साथ संवेदना, भोग के साथ संयम और अधिकार के साथ उत्तरदायित्व का प्रकाश भी जले। धन की समृद्धि जीवन को सुविधापूर्ण बना सकती है, लेकिन चरित्र की समृद्धि ही जीवन को महान बनाती है। यही धनतेरस का सनातन संदेश है और यही आधुनिक समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

अमेरिका में ट्रंप की करारी हार, अहंकारी नेताओं को सबक



सनत जैन

अमेरिका के 3 नवंबर 2026 के मध्यावधि चुनाव परिणामों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति को जबरदस्त झटका दिया है। अमेरिका और इजरायल के मतदाताओं ने अपने अहंकारी नेताओं का अहंकार अपने मताधिकार से ठिकाने लगा दिया है। अमेरिका में यह रिपब्लिकन पार्टी की चुनावी पराजय नहीं, बल्कि ट्रंप की नीतियों, कार्यशैली और उनके अहंकारी नेतृत्व के खिलाफ अमेरिकी मतदाताओं का स्पष्ट संदेश है। इस चुनाव के जो परिणाम अभी तक प्राप्त हुए हैं, उसमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। इसे ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। इस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को उन राज्यों में भी नुकसान उठाना पड़ा, जिसे रिपब्लिकन का मजबूत गढ़ माना जाता था। टेक्सास में रिपब्लिकन के गवर्नर ग्रेग एबॉट को डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जीना हिनोजोसा ने पराजित किया है। जॉर्जिया में कीशा लांस बॉटम्स, ओहायो में एमी एक्टन और आयोवा में रॉब सैंड ने रिपब्लिकन उम्मीदवारों को हराकर गवर्नर का पद हासिल किया। इसके अलावा नेवादा में भी डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों की जीत ने रिपब्लिकन पार्टी की चिंता बढ़ाई है। सीनेट में टेक्सास, आयोवा, कंसास, ओहायो, मेन, नॉर्थ कैरोलाइना और साउथ कैरोलाइना जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर डेमोक्रेटिक ने जीत दर्ज की है। प्रतिनिधि सभा में दो दर्जन से अधिक सीटें रिपब्लिकन पार्टी के हाथ से निकल गईं हैं। यह परिणाम बताता है, अमेरिकी मतदाता अब ट्रंप के राजनीतिक प्रभाव से प्रभावित होकर आंख मूंदकर मतदान करने के लिए तैयार नहीं हैं। अमेरिका की जनता ने कट्टरपंथी विचारधारा को नकार दिया है। ट्रंप की हार के पीछे सबसे बड़ा कारण अमेरिकी नागरिकों की आर्थिक परेशानी रही। महंगाई, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें, खाद्य वस्तुओं की महंगाई और आयात शुल्क (टैरिफ) नीति ने आम अमेरिकी परिवारों का जीना मुहाल कर दिया था। दूसरे देशों के साथ व्यापारिक संबंधों में तनाव ने अमेरिकी कारोबार को भी प्रभावित किया। इसके साथ ही ईरान के साथ युद्ध ने ट्रंप की लोकप्रियता को भारी नुकसान पहुंचाया।

अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई के बाद मध्यपूर्व में अस्थिरता बढ़ी, जिससे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई। ऊर्जा की कीमतों का बोझ अमेरिकी नागरिकों को उठाना पड़ा। मतदाताओं ने यह सवाल समय-समय पर उठाया था, जब अमेरिका में महंगाई और आर्थिक समस्याएं हैं। ईरान से कोई सीधा झगड़ा अमेरिका का नहीं था। नेतन्याहू के कहने पर डोनाल्ड ट्रंप ने इस युद्ध में अमेरिका को फंसा दिया। विदेशी युद्धों में इतना पैसा अमेरिका क्यों खर्च कर रहा है। इसका लगातार विरोध अमेरिका में हो रहा था। इस चुनाव का बड़ा असर इजराइल पर पड़ना तय है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इजराइल में हार गए हैं। ट्रंप प्रशासन के साथ नजदीकी रिश्तों को विदेश नीति की बड़ी ताकत माना था। अब अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी का नियंत्रण होने से इजराइल को मिलने वाली सैन्य सहायता, हथियारों की आपूर्ति और ईरान के खिलाफ अमेरिकी रणनीति पर भारी बदलाव हो सकते हैं। इजराइल की जनता ने चुनाव परिणाम को नेतन्याहू के नेतृत्व की विफलता से जोड़ना शुरू कर दिया है। इजरायल के नागरिकों को भी ईरान के साथ युद्ध की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। अमेरिका में इजराइल के प्रति समर्थन अब पहले जैसा निर्विवाद नहीं रहेगा। भविष्य में इजराइल को अमेरिकी समर्थन बनाए रखने के लिए दोनों देशों को अपने नए रिश्ते तैयार करने होंगे। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की पराजय के बाद ईरान के लिए यह परिणाम एक नई राजनीतिक संभावना लेकर आया है। डेमोक्रेटिक बहुमत वाली कांग्रेस ट्रंप प्रशासन से युद्ध के खर्च, सैन्य कार्रवाई और ईरान के साथ बातचीत और समझौते के लिए दबाव बना सकती है। सैन्य बजट और युद्ध संबंधी फैसलों पर भी अमेरिकी संसद की निगरानी बढ़ेगी, ट्रंप के फैसलों पर अब संसद का नियंत्रण होगा।

इससे ईरान के साथ युद्धविराम और कूटनीतिक समझौते की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। यह कहना जल्दबाजी होगी, ट्रंप अपनी ईरान नीति को तत्काल बदलने तैयार होंगे, क्योंकि अभी भी राष्ट्रपति के पास विदेश नीति और सैन्य कार्रवाई के व्यापक अधिकार बने रहेंगे। भारत के लिए अमेरिकी चुनाव परिणाम के दो पहलू हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति पर कांग्रेस का अंकुश बढ़ सकता है, जिससे भारतीय निर्यातकों को राहत मिलने की संभावना है। दूसरी तरफ रूस से भारत के तेल आयात, व्यापार समझौते, वीजा और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर अभी भी अमेरिकी दबाव बना रहेगा। इसके बाद भी जिस तरह से ट्रंप भारत को एक कमाई का जरिया मानकर चल रहे थे, उस पर अब अमेरिकी संसद का नियंत्रण होगा। ट्रंप भी भारत को लेकर अब सहज और सरल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप के व्यक्तिगत संबंधों के बावजूद भारत को अमेरिकी प्रशासन के साथ-साथ डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाली कांग्रेस से मजबूत संवाद स्थापित करना होगा। भारत की विदेश नीति के सामने रूस, अमेरिका, ईरान और इजराइल के साथ संतुलन बनाए रखने की बड़ी चुनौती रहेगी। अमेरिकी मध्यावधि चुनाव का संदेश केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के मतदाताओं ने यह बता दिया है, विदेश नीति, युद्ध, व्यापारिक टकराव और आर्थिक राष्ट्रवाद की भी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। अब ट्रंप के सामने अपने शेष कार्यकाल में कांग्रेस के विरोध, जांच और राजनीतिक जवाबदेही की चुनौती होगी। वहीं उन्हें पार्टी के विरोध का भी सामना करना पड़ेगा। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है, क्या ट्रंप अपनी नीतियों में बदलाव करेंगे या अपनी राजनीतिक प्रतिष्ठा बचाने के लिए और आक्रामक रुख अपनाएंगे? चुनाव के रुझान आने के पहले ही उन्होंने कह दिया था कि यदि वह चुनाव हार भी गए तो उनके पास वीटो होगा। यदि उन्होंने टकराव का रास्ता चुना तो अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ संबंध और भी जटिल हो सकते हैं। अमेरिका में उनके खिलाफ और भी बड़ा माहौल बन सकता है। यह चुनाव ट्रंप के लिए चेतावनी है। दुनिया पर दबदबा बनाने की ट्रंप की कोशिश में यदि उसका अपने ही देश में विरोध बढ़ेगा। वह अपने ही देश के नागरिकों की आर्थिक परेशानियों और अपेक्षाओं को नजरअंदाज करेंगे, ऐसी स्थिति में उन्हें अपना अगला कार्यकाल पूरा कर पाएंगे या नहीं इसकी भी चुनौती मिल सकती है। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। लोकतंत्र में अंततः जनता का फैसला ही सर्वोपरि होता है। आशा है अहंकारी ट्रंप अपनी जनता की भावनाओं को समझेंगे और बचा हुआ राष्ट्रपति का कार्यकाल जन भावनाओं के अनुरूप फैसला लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप 'राजनीतिक पंडित' बन हार-जीत पर देंगे राय, 'वीटो कैप' की पोस्ट



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिडटर्म इलेक्शन के शुरुआती नतीजे सामने आने के साथ ही नई जिम्मेदारी निभाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा है कि अब हार जीत पर अपनी राय देंगे। इसके साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया पर लाल रंग की टोपी पोस्ट की जिस पर 'वीटो' लिखा हुआ है। ट्रुथ सोशल पर उन्होंने लिखा, 'अब मैं राजनीतिक 'पंडित' बनूंगा और उम्मीदवारों अच्छा और बुरा, दोनों तरह का राजनीतिक विश्लेषण कर बताऊंगा कि किन वजहों से उम्मीदवार जीते या हारे।' इसके बाद उन्होंने लाल रंग की वीटो कैप भी पोस्ट की। ट्रंप ने मध्यावधि चुनाव से पहले कहा था कि अगर डेमोक्रेट्स को बहुमत मिलेगी तो वो उनके लाए हर कानून पर वीटो लगाकर अपने अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने कहा था कि हो सकता है कि लोग उन्हें 'मिस्टर वीटो' का खिताब दे दें। इससे पहले की पोस्ट में उन्होंने दावा किया कि क्योंकि वो चुनावी दौड़ में सीधे-सीधे शामिल नहीं थे इसलिए नतीजे रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में आते नहीं दिख रहे। लिखा, 'चुनाव में मैं उम्मीदवार नहीं था। अगर मैं उम्मीदवार होता, तो हम बहुत बड़े अंतर से जीतते!' हालांकि रिपब्लिकन उम्मीदवारों का चुनाव प्रचार करते हुए ट्रंप ने लोगों से अपील की थी कि वोट डालते समय ये ध्यान में रखें कि उम्मीदवार वो खुद (ट्रंप) हैं।

अमेरिका में 3 बच्चे पैदा करने का चलन बढ़ा :ज्यादा बच्चे अमीरों के लिए रुतबे की निशानी, परवरिश पर करोड़ों खर्च कर रहे



वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के सबसे अमीर 1% परिवारों में से करीब आधे परिवारों के 3 या उससे ज्यादा बच्चे हैं। वहीं, कम कमाई समूह में तीन बच्चे वाले परिवार करीब 40 से 43% हैं। अमेरिका में एक परिवार एक बच्चे की परवरिश पर 18 साल तक करोड़ों रुपए खर्च करता है। मिडिल क्लास फैमिली के लिए इतनी रकम चुका पाना महंगाई के इस दौर में लगभग नामुमकिन है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के सबसे अमीर परिवारों में ज्यादा बच्चे का चलन 1990 के दशक से चला आ रहा है। लेकिन कम कमाई वाले परिवारों में यह चलन घट रहा है। यानी बच्चों को पालने का खर्च बढ़ने के बावजूद अमीर परिवार पहले की तरह बड़े परिवार रख रहे हैं। अर्थशास्त्री माइक कॉन्जल का कहना है कि अमीर परिवारों के लिए तीसरा बच्चा स्टेटस सिंबल यानी रुतबे की निशानी बन गया है। उनके मुताबिक, महंगाई और बच्चों की परवरिश का बढ़ता खर्च आम परिवारों को कम बच्चे पैदा करने के लिए मजबूर कर रहा है, लेकिन इसका असर सबसे अमीर 1% परिवारों पर उतना नहीं पड़ता।

अफगानियों के निर्वासन पर अमेरिकी न्यायाधीश ने लगाई अस्थायी रोक

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क में एक संघीय न्यायाधीश ने मंगलवार को (स्थानीय समय) राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की अमेरिका में हिरासत में लिए गए अफगानियों को अफगानिस्तान या पाकिस्तान निर्वासित करने की योजना पर अस्थायी रोक लगा दी। न्यायाधीश वी कैपोर्नी का यह आदेश शनिवार को समाप्त होगा, तब तक कोई निर्वासन नहीं होगा। कैलिफोर्निया के प्रतिनिधि स्कॉट पीटर्स और कई अन्य सांसदों ने एक पत्र में कमजोर लोगों को भेजने से उत्पीड़न, यातना या मृत्यु के जोखिम पर चिंता जताई थी। आप्रवासी अधिकार संगठनों ने भी तालिबान से प्रतिशोध की चेतावनी दी है। अमेरिकी सेना की मदद के बाद हजारों अफगानी उत्पीड़न से भाग गए थे। सरकार के वकील ने अदालत को बताया कि देश के आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग के अधिकारी क्रिस्टोफर जॉर्ज ने भी फिलहाल नागरिकों को न निकाले जाने की पुष्टि की।

जयपुर की बेटी पिया दांडिया ने जीती फ्लोरिडा सीट, संसद पहुंचने वाली दूसरी भारतीय-अमेरिकी महिला



वाशिंगटन, एजेंसी। राजस्थान की राजधानी जयपुर से ताल्लुक रखने वाले अप्रवासी भारतीय माता-पिता की बेटी पिया दांडिया ने मंगलवार को हुए फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट से जीत हासिल कर ली है। डेमोक्रेटिक पार्टी की पिया अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए निर्वाचित होने वाली दूसरी भारतीय-अमेरिकी महिला बन गई हैं। उनसे पहले प्रमिला जयपाल यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। दांडिया ने रिपब्लिकन पार्टी के कारोबारी उम्मीदवार केसी असकर को पराजित किया। डिसीजन डेस्क मुख्यालय और सीबीएस न्यूज के अनुमानों के मुताबिक, उन्होंने यह मुकाबला अपने नाम किया।

एनबीसी न्यूज ने भी उन्हें इस सीट का संभावित विजेता घोषित किया। करीब 99 प्रतिशत मतों की गिनती पूरी होने के बाद दांडिया लगभग 52 प्रतिशत वोट के साथ आगे थीं, जबकि असकर को करीब 48 प्रतिशत मत मिले। एनबीसी न्यूज के अनुसार, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में इस सीट पर डेमोक्रेटिक पार्टी के पक्ष में करीब 14 प्रतिशत का रुझान बदला। पाम बीच काउंटी में जन्मीं और पली-बढ़ीं दांडिया का बचपन जुपिटर में बीता। उनके माता-पिता 1980 के दशक में राजस्थान के जयपुर से अमेरिका पहुंचे थे और यहीं बस गए। अमेरिका आने के बाद उनके पिता डॉ. रोहित दांडिया ने बतौर डॉक्टर सेवाएं जारी रखीं, जबकि उनकी मां ने 40 वर्ष की उम्र में जुपिटर में एक मोंटेसरी स्कूल की स्थापना की। इस स्कूल की शुरुआत भी मुख्य रूप से पिया की शिक्षा को ध्यान में रखकर की गई थी। दांडिया का पालन-पोषण भारतीय संस्कृति और पारिवारिक परंपराओं से जुड़े माहौल में हुआ।

उनके माता-पिता बचपन में उन्हें भारत भेजते थे, ताकि वह अपने चचेरे-ममेरे भाई-बहनों के साथ समय बिता सकें और अपनी जड़ों को समझ सकें। अगस्त 2025 में न्यू इंडिया अब्रॉड को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया था, 'मेरे माता-पिता बहुत छोटी उम्र से ही मुझे अकेले भारत भेजते थे, ताकि मैं अपने भाई-बहनों के साथ समय बिता सकूं। ये यात्राएं मेरे जीवन को बदलने वाली साबित हुईं और मेरी पहचान को आकार देने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इनसे मुझे समझने का मौका मिला कि अलग-अलग लोकतंत्र किस तरह काम करते हैं और दुनिया में असमानता किस तरह मौजूद है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पहले वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने गर्मी की छुट्टी दिल्ली की झुग्गी-बस्तियों में बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाने में बिताई। वह आशा कोऑपरेटिव सोसायटी के साथ जुड़ी थीं और सात से 17 वर्ष की उम्र के बच्चों को पढ़ाती थीं। इस अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा था, 'वंचित बच्चों को पढ़ाते हुए मैंने सीखा कि लोगों के बीच वास्तव में अंतर उनकी क्षमताओं का नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों का होता है जिनमें उन्हें जीवन बिताना पड़ता है। 2025 में इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट फंड की ओर से समर्थन मिलने पर दांडिया ने अपने राजनीतिक सफर और पारिवारिक पृष्ठभूमि का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था, 'मेरा जन्म और पालन-पोषण इसी क्षेत्र में हुआ। मेरे माता-पिता अमेरिकी सपने को पूरा करने की उम्मीद लेकर इस देश आए थे। मैंने अपना करियर यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित किया है कि यह सपना अधिक से अधिक परिवारों की पहुंच में हो। ' दांडिया ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय से गवर्नमेंट विषय की पढ़ाई की और बोस्टन विश्वविद्यालय से शिक्षा में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। उन्होंने बोस्टन में 'टीच फॉर अमेरिका' कार्यक्रम के तहत अध्यापन किया। इसके बाद महज 28 वर्ष की उम्र में वह न्यूयॉर्क के हार्लेम में डेमोक्रेसी प्रेप एंड्योरेंस हाई स्कूल की संस्थापक प्रिंसिपल बनीं। उनके चुनाव अभियान के अनुसार, इस स्कूल के करीब 86 प्रतिशत विद्यार्थी कम आय वाले परिवारों से आते थे। इसके बावजूद स्कूल के सभी स्नातक विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश मिला। उन्होंने न्यू इंडिया अब्रॉड से कहा था, 'मेरे स्कूल के करीब 86 प्रतिशत विद्यार्थी गरीबी में जीवन बिता रहे थे। लेकिन हमने उन्हें बेहतर भविष्य का भरोसा दिया था। हमने वादा किया था कि यदि वे हमारे स्कूल में पढ़ेंगे तो उनमें से 100 प्रतिशत को कॉलेज में दाखिला मिलेगा। वर्ष 2020 में दांडिया को व्हाइट हाउस फेलो चुना गया था। इस दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस की घरेलू नीति परिषद और अमेरिकी शिक्षा विभाग में काम किया। बाद में उन्होंने एप्पल में सार्वजनिक क्षेत्र से जुड़ी पहलों का नेतृत्व किया। इलिनॉय के गवर्नर जेबी प्रित्जकर ने उन्हें राज्य की पी-20 परिषद में भी नियुक्त किया था।

अमेरिका मध्यावधि चुनाव: डेमोक्रेट कीशा लांस बॉटम्स ने रचा इतिहास, देश की पहली अश्वेत महिला गवर्नर चुनी गईं

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में 2026 के मध्यावधि चुनाव के नतीजों में कई बड़े उलटफेर और ऐतिहासिक जीत देखने को मिली हैं। जॉर्जिया में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कीशा लांस बॉटम्स ने गवर्नर पद का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। वह अमेरिका के किसी भी राज्य की पहली अश्वेत महिला गवर्नर बन गई हैं। अटलांटा की पूर्व मेयर बॉटम्स ने रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार और अरबपति रिक जैक्सन को चुनाव में हराया। रिक जैक्सन ने लोकप्रिय रिपब्लिकन गवर्नर ब्रायन केम्प की जगह लेने के लिए 20 करोड़ डॉलर से अधिक खर्च किए थे। केम्प का कार्यकाल आठ साल पूरा होने के बाद जनवरी में समाप्त हो रहा है। कार्यकाल की समय सीमा के कारण वह दोबारा इस पद पर नहीं रह सकते। बॉटम्स पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की सलाहकार रह चुकी हैं। इन चुनावों में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) और सीनेट पर नियंत्रण को लेकर भी मुकाबला जारी है। डेमोक्रेट्स ने सीनेट और प्रतिनिधि सभा में अपनी स्थिति मजबूत की है।

जॉर्जिया में पहली अश्वेत महिला गवर्नर चुनी गईं बॉटम्स : डेमोक्रेटिक पार्टी की कीशा लांस बॉटम्स ने जॉर्जिया के गवर्नर चुनाव में जीत हासिल की। उनकी जीत को अमेरिकी राजनीति में ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। वह देश के किसी भी राज्य में गवर्नर चुनी जाने वाली पहली अश्वेत महिला हैं। उनकी जीत के बाद समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। चुनावी कार्यक्रम में मौजूद 54 वर्षीय कॉन्कुला मिलनर ने कहा कि वह इस जीत से बेहद खुश और भावुक हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि बॉटम्स पूर्व सैनिकों के लिए बेहतर काम करेंगी। वहीं, 69 वर्षीय सेवानिवृत्त स्कूल काउंसलर पाउला सैंडर्स ने कहा कि वह बॉटम्स की योजनाओं का समर्थन करती हैं। उनके मुताबिक, बॉटम्स की योजना जॉर्जिया के लोगों की जिंदगी बेहतर बनाने पर केंद्रित है।

फ्लोरिडा में बायरन डोनाल्ड्स बने पहले अश्वेत गवर्नर : फ्लोरिडा में रिपब्लिकन उम्मीदवार बायरन डोनाल्ड्स ने जीत दर्ज कर इतिहास बनाया। वह राज्य के पहले अश्वेत गवर्नर बने हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक उम्मीदवार डेविड जॉली को हराया। डोनाल्ड्स ने जीत के बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि फ्लोरिडा अब भी रिपब्लिकन पार्टी के साथ है। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही निवर्तमान गवर्नर रॉन डेसेंटिस के काम को आगे बढ़ाने का वादा किया। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी ने अब तक तीन सीटें रिपब्लिकन पार्टी से छीन ली हैं। अगर डेमोक्रेट्स अपनी मौजूदा सभी सीटें बरकरार रखते हैं तो वे सदन में बहुमत हासिल कर सकते हैं।

स्पेन: एक साल में दो बड़े रेल हादसे, 69 लोगों की मौत के बाद परिवहन मंत्री ने छोड़ा पद, सरकार पर बढ़ा दबाव

मेड्रिड, एजेंसी। स्पेन में हुए भीषण हाईस्पीड ट्रेन हादसे के छह दिन बाद परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस हादसे में 69 लोगों की जान चली गई थी। मंगलवार को सांसदों के सामने हादसे को लेकर कई घंटे तक चली सुनवाई के बाद उन्होंने इस्तीफे का ऐलान किया। पुएंते ने कहा कि एक साल से भी कम समय में दो बड़े रेल हादसे होने के बाद उनका पद पर बने रहना सही नहीं है।

यह पीड़ितों के प्रति सम्मान और राजनीतिक जिम्मेदारी का मामला है। परिवहन मंत्री ने संसद में कहा कि स्पेन जैसे देश में एक साल के भीतर दो बड़े रेल हादसे होना बेहद गंभीर बात है। ऐसे हालात में परिवहन मंत्री का पद पर बने रहना राजनीतिक गरिमा और नैतिक जिम्मेदारी के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना दिखाना जरूरी है। इसी वजह से उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। 28 अक्टूबर को मैड्रिड के दक्षिण में दो हाईस्पीड ट्रेनें आपस में टकरा गई थीं। इनमें से एक ट्रेन पहले से ही रेलवे ट्रैक पर खड़ी थी, तभी दूसरी तेज रफ्तार ट्रेन उससे जा भिड़ी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मैड्रिड-सेविल रेल लाइन पर सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ा अहम संचार सिस्टम बंद हो गया था। इसके बाद मैड्रिड स्थित कंट्रोल रूम के अधिकारियों ने संचालन की जिम्मेदारी संभाली और एक ट्रेन को आगे बढ़ने की अनुमति दे दी। जबकि उसके आगे दूसरी ट्रेन पहले से खड़ी थी। इसी चूक ने बड़े हादसे का रूप ले लिया। स्पेन में इस साल यह दूसरा बड़ा रेल हादसा है। इससे पहले जनवरी में मैड्रिड-सेविल रूट पर एक ट्रेन पटरी से उतर गई थी और सामने से आ रही दूसरी ट्रेन से टकरा गई थी। इस दुर्घटना में 46 लोगों की मौत हुई थी। उस हादसे की जांच अभी जारी है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने देश की हाईस्पीड रेल व्यवस्था की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा हादसा ऐसे समय हुआ है, जब स्पेन में राष्ट्रीय चुनाव होने में करीब चार हफ्ते बाकी हैं। देश का हाईस्पीड रेल नेटवर्क उसकी बड़ी उपलब्धियों में गिना जाता है। चीन के बाद यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हाईस्पीड रेल नेटवर्क है।

ओहियो से हारे विवेक रामास्वामी, एमी ने 20 साल बाद डेमोक्रेटिक पार्टी को दिलाई जीत

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल के रिपब्लिकन विवेक रामास्वामी ने ओहियो के गवर्नर चुनाव में डेमोक्रेट एमी एक्टन के सामने हार स्वीकार कर ली है। इसके साथ ही उनका वह हाई-प्रोफाइल चुनाव अभियान समाप्त हो गया, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस का जोरदार समर्थन प्राप्त था। यह हार रिपब्लिकन पार्टी के लिए एक बड़ा चुनावी झटका है, खासकर उस राज्य के लिए जहां 2024 में ट्रंप ने आसानी से जीत हासिल की थी। 60 वर्षीय डॉक्टर और ओहियो की पूर्व स्वास्थ्य निदेशक, एक्टन मंगलवार रात (स्थानीय समयानुसार), ओहियो की पहली महिला गवर्नर चुनी गईं। वह 2006 के बाद से इस पद पर जीतने वाली पहली डेमोक्रेट बन गई हैं। चुनाव की रात आए नतीजों के अनुसार, एक्टन को लगभग 51 प्रतिशत वोट मिले, जबकि रामास्वामी को 46



प्रतिशत वोट प्राप्त हुए। वहीं, लिबर्टेरियन उम्मीदवार डॉन किसिक को लगभग तीन प्रतिशत वोट मिले। यह परिणाम डेमोक्रेट्स की ओर लगभग 16 प्रतिशत अंकों के झुकाव को दर्शाता है। इसकी तुलना में, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप ने ओहियो में 11 प्रतिशत अंकों के अंतर से जीत हासिल की थी। ओहियो में चुनाव की रात अपने समर्थकों के बीच रामास्वामी ने अपनी हार स्वीकार की और बताया कि उन्होंने एक्टन को बधाई देने के लिए उनसे संपर्क किया है। अपने संबोधन में, रामास्वामी ने समर्थकों का धन्यवाद किया और कहा कि वह सार्वजनिक जीवन से बाहर रहकर भी ओहियो की सेवा करना जारी रखेंगे। उन्होंने अपने माता-पिता, पत्नी अपूर्वा, अपने तीन बच्चों और अपने साथी उम्मीदवार (रनिंग मेट), ओहियो सीनेट के अध्यक्ष रॉब मैकोली का भी आभार व्यक्त किया। 41 वर्षीय रामास्वामी, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के अपने असफल अभियान के दौरान एक प्रमुख राष्ट्रीय रिपब्लिकन चेहरे के रूप में उभरे थे। वह ओहियो के पहले भारतीय-अमेरिकी गवर्नर बनने की कोशिश कर रहे थे। उनकी हार का असर ओहियो तक ही सीमित नहीं है, क्योंकि ट्रंप और वेंस ने उनकी उम्मीदवारी में पूरी ताकत झोंक दी थी। 28 अक्टूबर को चिलिकोथे में एक रिपब्लिकन रैली को संबोधित करते हुए, ट्रंप ने कहा था: 'अब से छह दिन बाद, ओहियो की जनता विवेक रामास्वामी को अपना गवर्नर चुनेगी। इसके बाद, 31 अक्टूबर को ट्रंप ने टेलीफोन के जरिए एक और चुनावी कार्यक्रम किया, जिसमें उन्होंने रिपब्लिकन मतदाताओं से रामास्वामी और पार्टी के अन्य उम्मीदवारों के समर्थन में वोट करने की अपील की। ओहियो के पूर्व सीनेटर वेंस, चुनाव से ठीक पहले 2 नवंबर को स्वैंटन में आयोजित एक रैली के लिए अपने गृह राज्य लौटे। वेंस ने समर्थकों से कहा, 'मुझे पता है कि हम विवेक रामास्वामी और जॉन हस्टेड को चुनने जा रहे हैं।' लेकिन नतीजे इन दोनों भविष्यवाणियों के विपरीत रहे। डेमोक्रेट शेरोड ब्राउन ने रिपब्लिकन सीनेटर जॉन हस्टेड को भी हरा दिया, जिससे ओहियो में रिपब्लिकन पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा।

किंग चार्ल्स ने गुलामी के इतिहास को शर्मनाक बताया:बोले- याद करके डर लगता है, दुख होता है; कैरिबियाई देश माफी-मुआवजा मांग रहे

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय ने अपने देश के गुलामी के इतिहास पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि गुलामों के व्यापार में ब्रिटेन की रोल इतिहास का शर्मनाक हिस्सा है। इसे याद कर उनका दिल दहलता है और उन्हें गहरा दुख होता है। चार्ल्स ने मंगलवार को एंटीगुआ और बारबुडा में कॉमनवेल्थ देशों के नेताओं की बैठक की शुरुआत करते हुए यह बात कही। उनका बयान ऐसे समय आया है, जब कैरिबियाई देश ब्रिटेन से गुलामी के लिए माफी और मुआवजा मांग रहे हैं।

चार्ल्स बोले- इतिहास को बदल नहीं सकते, उससे सीख सकते हैं

किंग चार्ल्स ने कहा कि गुलामी का इतिहास आज भी कैरिबियाई देशों और कॉमनवेल्थ के दूसरे सदस्यों को



प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि इतिहास में हमारे पूर्वजों के अच्छे काम भी हैं और गलतियां भी। हम उनके किए कामों को बदल नहीं सकते, लेकिन उनसे सीख जरूर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अन्याय के खिलाफ हिम्मत और मजबूत इरादों से लड़ाई लड़ी जा सकती है। चार्ल्स ने गुलामों के व्यापार को खत्म करने में ब्रिटिश रॉयल नेवी की भूमिका का भी जिक्र किया।

कैरिबियाई देश ब्रिटेन से माफी और मुआवजा मांग रहे : कैरिबियाई देशों का कहना है कि गुलामी के दौरान उनके लोगों और अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ था। इसलिए ब्रिटेन को अपनी भूमिका के लिए माफी मांगनी चाहिए और मुआवजा देना चाहिए। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने भी कहा है कि सरकार कॉमनवेल्थ देशों से औपचारिक माफी मांगने के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। हालांकि, बकिंघम पैलेस ने साफ किया है कि मुआवजा देने का फैसला राजा नहीं कर सकते। यह ब्रिटिश सरकार का मामला है। 1500 से 1800 के बीच ब्रिटेन ने अफ्रीका से लोगों को गुलाम बनाकर अपने उपनिवेशों में भेजा। ब्रिटिश संसद ने भी इस कारोबार को बढ़ावा देने के लिए कई कानून बनाए।

ब्रिटेन ने 32 लाख अफ्रीकी लोगों को गुलाम बनाया : ट्रांसअटलांटिक स्लेव ट्रेड डेटाबेस के मुताबिक, ब्रिटेन ने करीब 32 लाख अफ्रीकी लोगों को अटलांटिक महासागर पार ले जाकर गुलाम बनाया था। यूरोपीय देशों ने मिलकर 1.25 करोड़ से ज्यादा अफ्रीकी लोगों को पकड़कर गुलामी के लिए बेचा था। ब्रिटेन ने 1807 में गुलामों की खरीद-बिक्री पर रोक लगाई। 1833 में गुलामी खत्म करने का कानून बनाया गया, जो 1834 से लागू हुआ। गुलामों को पूरी आजादी मिलने में 1838 तक का समय लगा।

इंडोनेशिया: राष्ट्रपति सुबियांतो के फोन की हो रही थी जासूसी, पुलिस के तीन जनरल गिरफ्तार; सिस्टम से मिटाए सबूत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में एक बड़े जासूसी मामले ने पुलिस महकमे में हलचल मचा दी है। यहां राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और देश की कई बड़ी हस्तियों के फोन कथित तौर पर गैरकानूनी तरीके से टैप किए गए। इस मामले में पुलिस ने अपने ही विभाग के तीन वरिष्ठ जनरलों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि तीनों पर बिना अनुमति फोन कॉल और इलेक्ट्रॉनिक बातचीत की निगरानी करने का आरोप है।

हिरासत में लिए गए तीनों वरिष्ठ अधिकारी : नेशनल पुलिस की क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के प्रमुख असेप सफरुद्दीन ने मंगलवार को मामले की जानकारी दी। हिरासत में लिए गए अधिकारियों में राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल लिस्ट्यो सिगित प्रबोवो, नेशनल पुलिस के लीगल डिवीजन के प्रमुख इंस्पेक्टर जनरल अहरी सोंटा नसुतियोन और पुलिस एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ प्रशिक्षक इंस्पेक्टर जनरल एको हादी सैंटोसो शामिल हैं। तीनों अधिकारियों को पुलिस मुख्यालय के हिरासत केंद्र में रखा गया है। अब तक न तो राष्ट्रपति प्रबोवो और न ही इन तीनों अधिकारियों ने आरोपों पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया दी है।

नेताओं से लेकर पत्रकारों और कारोबारियों तक पर नजर : पुलिस के मुताबिक, जिन लोगों के फोन नंबरों को कथित तौर पर निशाना बनाया गया, उनमें राष्ट्रपति, सरकारी अधिकारी, राजनीतिक दलों के नेता, मीडिया से जुड़े लोग, सामाजिक कार्यकर्ता, गैर-सरकारी संगठनों के सदस्य और कारोबारी शामिल हैं। सफरुद्दीन ने बताया कि इस मामले में अब तक 10 गवाहों



और तीन विशेषज्ञों से पूछताछ की जा चुकी है। जांच के दौरान 11 मोबाइल फोन, एक आईपैड और चार पेन ड्राइव भी जब्त की गई हैं।

सरकारी निगरानी सिस्टम से भी की गई छेड़छाड़ : जांचकर्ताओं का आरोप है कि फोन टैपिंग का यह सिलसिला 2025 से 2026 के बीच चला। इसके लिए जरूरी सरकारी नियमों का पालन नहीं किया गया। पुलिस के मुताबिक, कई फोन नंबरों को बिना सही जांच और मंजूरी के लॉफुल इंटरसेप्शन मैनेजमेंट सिस्टम में डाल दिया गया था।

इसी सिस्टम के जरिए कानूनी प्रक्रिया के तहत फोन और इलेक्ट्रॉनिक बातचीत की निगरानी की जाती है। मामले में एक और गंभीर बात सामने आई है। आरोप है कि तीनों अधिकारियों ने हाल ही में खुफिया के कंप्यूटर सिस्टम से फोन टैपिंग से जुड़ी फाइलें हटाने के आदेश दिए थे। पुलिस को शक है कि ऐसा सबूत मिटाने और पूरी कार्रवाई के निशान छिपाने के लिए किया गया। इंडोनेशिया के कानून, मानवाधिकार, आव्रजन और सुधार मंत्री युसरिल इहजा महेंद्र ने कहा है कि जांच में फिलहाल देशद्रोह से जुड़ा कोई सबूत नहीं मिला है।

डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत; पिछले 21 में से 19 चुनावों में राष्ट्रपति की पार्टी हारी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी को हार मिली है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने सीनेट में 51 सीटें और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 218 सीटें जीतकर बहुमत हासिल कर लिया है। पिछले 21 मिडटर्म चुनावों में से 19 बार राष्ट्रपति की पार्टी हारी है। केवल 1998 बिल क्लिंटन और 2002 में जॉर्ज बुश की पार्टियों ने जीत दर्ज की थी।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स : हाउस में कुल 435 सीटें हैं और सभी सीटों पर चुनाव हुए हैं। शुरुआती रुझानों में विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी 219 सीटों पर आगे चल रही है। राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी 125 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 29 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 19 और रिपब्लिकन पार्टी ने 10 सीटें जीती हैं। बाकी 6 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। इन नतीजों को मिलाकर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 53 और रिपब्लिकन पार्टी के पास 41 सीटें हैं। कुल 36 सीटों में से 26 राज्यों के नतीजे आ चुके हैं। 17 डेमोक्रेट्स और 9 रिपब्लिकन ने सीटें जीती हैं। 10 राज्यों में वोटों की गिनती जारी है।

प्रमिला जयपाल को मिली लगातार छठी जीत : भारतीय



मूल की डेमोक्रेटिक नेता प्रमिला जयपाल ने वॉशिंगटन के 7वें संसदीय क्षेत्र से लगातार छठी जीत हासिल की है। प्रमिला जयपाल अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पहुंचने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी महिला हैं। उनका जन्म चेन्नई में हुआ था। वह 2016 में पहली बार सांसद चुनी गई थीं। प्रमिला जयपाल संसद में प्रवासियों के अधिकार, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और महिलाओं के अधिकारों से जुड़े मुद्दे उठाती रही हैं

ट्रम्प की कट्टर विरोधी इल्हान उमर पांचवीं बार जीतीं : डोनाल्ड ट्रम्प के विरोध के बावजूद डेमोक्रेटिक पार्टी की इल्हान उमर ने मिनेसोटा से पांचवीं बार जीत हासिल की। उन्होंने रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन नेगल को हराया। चुनाव प्रचार के दौरान ट्रम्प ने उमर पर लगातार निशाना साधा था। उनकी शादी और अमेरिकी नागरिकता को लेकर भी सवाल उठाए गए थे। फिलहाल अमेरिकी एजेंसियां उनके पुराने आव्रजन दस्तावेजों और नागरिकता से जुड़े मामलों की जांच कर रही हैं।

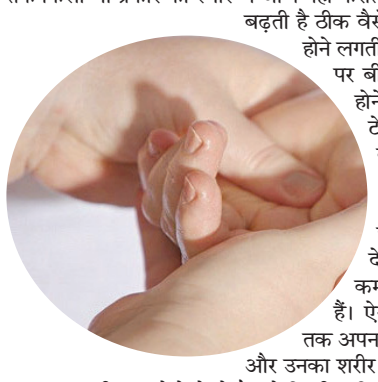
ट्रम्प को राजनीतिक तौर पर 2 बड़े खतरे हैं...

1. 'लेम-डक' प्रेसिडेंट बनने का खतरा: ट्रम्प का यह दूसरा कार्यकाल है। कानूनन वे तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकते। उनके 'लेम-डक' प्रेसिडेंट बनने और पार्टी पर पकड़ कमजोर होने का खतरा है। डेम डक का मतलब है लंगड़ी बतख। अगले राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार बनने के लिए कुछ रिपब्लिकन नेता ट्रम्प की बात मानना और उनका बचाव करना बंद कर सकते हैं। वे अपनी अलग राजनीतिक पहचान बना सकते हैं।
2. तीसरी बार महाभियोग: ट्रम्प पहले 2 बार महाभियोग झेल चुके हैं- 2019 और 2021 में। दोनों बार वे सीनेट से बच गए। डेमोक्रेट्स तीसरी बार भी महाभियोग ला सकते हैं। ट्रम्प भी कह चुके हैं कि अगर रिपब्लिकन नहीं जीते तो वे (डेमोक्रेट्स) महाभियोग में फंसाने की कोई वजह ढूंढ लेंगे। अमेरिकी अखबार पोलिटिको के एक सर्वे में आधे अमेरिकी महाभियोग के पक्ष में हैं। हालांकि अगर महाभियोग शुरू भी हुआ, तो सीनेट से मंजूर होना मुश्किल है। ट्रम्प बोले- डेमोक्रेटिक पार्टी ने अच्छी कोशिश की ट्रम्प ने कहा कि डेमोक्रेट्स कई सालों से दोनों सदनों में जीत हासिल करने की कोशिश कर रहे थे और आखिरकार उन्हें इसमें सफलता मिली। उन्होंने डेमोक्रेट्स को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अच्छी कोशिश की है।

जानकारी

घर पर करें 30 सेकंड में ये 3 टेस्ट, आपको पता चल जाएगा स्वस्थ हैं या बीमार

हम किसी न किसी कारण के नियमित रूप से अपनी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते तो हम आपको ऐसे टेस्ट के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं कि आप बीमार हैं या स्वस्थ। अधिकतर लोग या कहें हम लोग जब तक बीमार नहीं पड़ते, तब तक किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य जांच नहीं कराते। दरअसल जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है ठीक वैसे हमारी इम्युनिटी कमजोर होने लगती है और हम मौसम बदलने पर बीमार होने लगते हैं। बीमार होने के बाद हम मंहगे-मंहगे टेस्ट कराते हैं तब जाकर बीमारी का पता लगा पाते हैं। डॉक्टर हर दो साल में लोगों को फिजिकल चेकअप कराने की सलाह देते हैं, लेकिन हम सलाह कम मानते हैं और देते ज्यादा हैं। ऐसा करने वाले लोग वर्षों तक अपना मेडिकल टेस्ट नहीं कराते और उनका शरीर रोगों का घर बन जाता है। अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो किसी न किसी कारण के नियमित रूप से अपनी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते तो हम आपको ऐसे टेस्ट के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं कि आप बीमार हैं या स्वस्थ। इन टेस्ट को करने में सिर्फ आपको 30 सेकंड ही लगेंगे, लेकिन ध्यान रखें कि सटीक रिपोर्ट के लिए आप मेडिकल जांच ही कराएं।



हाथों की उंगलियों से जानें स्वास्थ्य

नाखून की जड़ को दबाएं: इस टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले आप अपने दाहिने अंगूठे और तर्जनी उंगली से अपने किसी भी नाखून की जड़ को दबाएं। ऐसा करते वक्त आप अपने बाएं हाथ की उंगलियों के ऊपरी हिस्से पर दबाव डालें। ऐसा अपने बाए हाथ के अंगूठे से शुरू करें। अंगूठे को 3 से 5 सेकंड तक पकड़कर रखें। अंगूठे के बाद सभी उंगलियों के साथ इस प्रक्रिया को दोहराएं। इस प्रक्रिया को होने के बाद हाथ को देखें। अगर दबाव के बाद आपकी उंगली का ऊपरी हिस्सा दो सेकंड में सफेद से लाल नहीं हुआ तो समझ लीजिए कि आपके शरीर में रक्त प्रवाह पर्याप्त नहीं हो रहा है।

उंगली के हिसाब से जानें समस्या

अंगूठा: अगर आपको अंगूठे का नाखून दबाने से दर्द हो रहा है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपको फेफड़ों की समस्या हो सकती है।

तर्जनी: तर्जनी उंगली आपकी बड़ी आंत से जुड़ी होती है। अगर आपको इस उंगली को दबाने से दर्द होता है तो यह बड़ी आंत में दिक्कत की ओर संकेत करता है। इसके कारण आपको कब्ज की शिकायत हो सकती है।

बीच वाली उंगली और अनामिका: बीच वाली उंगली और अनामिका में दर्द हृदय संबंधी समस्याओं की ओर इशारा करता है।

छोटी उंगली: आपके हाथ की सबसे छोटी उंगली में दर्द आपकी छोटी आंत की परेशानी की ओर संकेत करता है।

मुट्ठी बनाकर देखें नसें स्वस्थ हैं या नहीं

इस दूसरे टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले आप मुट्ठी बना लें। मुट्ठी को 30 सेकंड के बाद खोलें। हाथ खोलने पर आपको आपकी मुट्ठी सफेद दिखाई देगी। हाथ खोलने के तुरंत बाद अगर आपके हाथ का रंग सफेद से लाल होना शुरू हो जाए तो इसका मतलब ये है कि आपकी रक्त वाहिकाएं सही काम कर रही हैं और आप पूरी तरह से स्वस्थ हैं, लेकिन अगर ऐसा होने में वक्त लग रहा है तो आपकी धमनियों में कुछ परेशानी है। दरअसल मुट्ठी बनाने से रक्त वाहिकाओं पर दबाव पड़ता है और रक्त प्रवाह रुक जाता है और जैसी ही आप हाथ खोलते हैं तो आपका रक्त प्रवाह फिर लौटना शुरू हो जाता है।



अगर हम किसी फुटबॉल खिलाड़ी या किसी भी खिलाड़ी को देखते हैं, तो उसकी हृष्ट-पुष्ट जांघ उसके शरीर की मजबूती का प्रतीक मानी जाती है। यह सच है कि मजबूत जांघ, मजबूत और स्वस्थ शरीर का प्रतीक होती है। हम भी योगासनों से जांघों को हृष्ट-पुष्ट बना सकते हैं, किंतु यह प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में होना चाहिए। आइए जानते हैं पांच योगासनों के बारे में जो जांघ मजबूत करते हैं-

जांघ मजबूत करने के लिए उपयोगी हैं ये आसन

एक बहुत आसान पोज, जो आपकी कमर को राहत देकर आपके कूल्हों और पैरों को वर्कआउट के लिए वार्मअप करता है। इसे ऐसे करें-

- चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं।
- प्रत्येक पैर को जांघ के बाहर की ओर से पकड़ें।
- पैरों को बीच में पकड़ें, जहां आर्क है, ज्यादातर लोगों के लिए ज्यादा सुविधाजनक होता है।
- अपने चेहरे की मांसपेशियों को ढीला छोड़ें और लंबी सांस लेकर इस पोज में एक मिनट तक रहें।

सुप्त बद्ध कोणासन

यह कूल्हों को गतिशील करने के लिए अच्छा पोज है। इस पोज से भी जांघ की अंदरुनी मांसपेशियां मजबूत होती हैं। एक सावधानी बरतें कि लंबी सांस पर ध्यान केंद्रित करें और आप पाएंगे कि आप पैर ज्यादा खोल पाते हैं और ज्यादा देर तक उस पोज में भी रह सकते हैं।

- चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं। अपनी बांहों को बगल में शरीर से 45 डिग्री के कोण पर रखें।
- पैरों को घुटने के पास मोड़ें और पैर के तलुओं को नमस्ते के अंदाज में जोड़ने की कोशिश करें।
- अपनी एड़ियों को ग्रोइन के ज्यादा से ज्यादा पास लाने की कोशिश करें, इस दौरान चेहरे या शरीर में तनाव नहीं होना चाहिए।
- ध्यान रखें आपका सिर सीधा होना चाहिए। आंखों को बंद रखें, यह आपको सुस्ताने में मदद करेगा।
- इस पोज में एक मिनट तक रहें और लंबी गहरी सांसें लेना न भूलें।

उपविष्ठ कोणासन

बैठने वाली पोजिशन पैर की कुछ मांसपेशियों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। यह खड़े होकर की जाने वाली पोजिशन के लिए भी अच्छी शुरुआत की तरह होती हैं, जिसमें मजबूती, लचीलेपन और संतुलन की दरकार होती है।

- चटाई पर बैठकर पैरों को तीन से चार फीट चौड़ाई तक फैला लें।
- अब अपने हाथों को चटाई पर रखें। अपने हाथों से जितना हो सके आगे जाएं।
- अपने सिर, गर्दन को पीठ की सीध में रखें।
- इस पोज में लंबी सांस लें। आराम से धीरे-धीरे हर सांस के साथ जमीन की ओर झुकते रहें।
- इस पोज में जितनी देर आराम से रह सके रहें, लेकिन एक मिनट से ज्यादा नहीं।
- पोज से बाहर निकलने के लिए हाथों को धीरे-धीरे वापस लाएं।

परिघासन

- आपकी कमर को बेहतरीन खिंचाव देने के अलावा यह पोज जांघों और ग्रोइन की मांसपेशियों को खोलकर उनका लचीलापन बढ़ाती है।
- चटाई पर घुटनों के बल बैठिए। अपनी एड़ियों को साथ रखें। पैरों की अंगुलियां जमीन पर और पीठ सीधी।
- दाएं पैर को अपनी दाईं ओर जितना हो सके स्ट्रेच करें। घुटना छत की ओर होना चाहिए।
- दाएं पैर के तलुए को जमीन पर रखें।
- अब अपनी दोनों बांहों को सिर के ऊपर ऊठाएं और सीधा रखें।
- धड़ और दाईं बांह को लंबे किए हुए दाएं पैर की तरह झुकाएं।
- दाएं हाथ को दाएं पैर पर रखें। (संभव हो तो दाईं कलाई को दाईं एड़ी पर रखें)
- अपनी हथेली का मुंह छत की तरफ करें।
- अब अपनी बाईं बांह को सिर के ऊपर से दाईं ओर लाएं, जो लोग लंबी अवधि से योगा करते आ रहे हों, वह अपनी बाईं हथेली को दाईं हथेली पर रखने की कोशिश कर सकते हैं। इस पोज में आपका बायां कान आपकी बाईं बांह के ऊपरी हिस्से को छूना चाहिए और दायां कान दाईं बांह के ऊपरी हिस्से को।
- इस पोज में कुछ सांसों तक बने रहिए। (तकरीबन 45 सेकंड तक) उसके बाद शुरुआती पोज में आ जाइए।
- आराम कीजिए और समूची प्रक्रिया को बाईं ओर से दोहराइए।

उत्थित त्रिकोणासन

- अंत में एक खड़े होकर किया जाने वाला आसन जो पैर की छोटी मांसपेशियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। यह शरीर के संतुलन को भी सुधारता है।
- चटाई पर पैर चौड़े करके खड़े हो जाएं।
- दाएं पैर को दाईं तरफ की दीवार की तरफ मोड़ें।
- संतुलन के लिए बाएं पैर को थोड़ा सा दाईं तरफ मोड़ें।
- बांहों को उठाएं। कंधे की ऊंचाई पर लाएं, जब तक कि वह जमीन के समानांतर न हो जाए।
- कमर से दाईं ओर झुकें और दाईं हथेली को पैर पर या जमीन पर (जो भी सुविधाजनक हो) रख दें।
- बाईं बांह को सिर के ऊपर उठाकर सिर को धीरे से बाएं हाथ की ओर मोड़ें।
- इस पोज में 30 से 45 सैकंड तक रहें।
- पैरों को वापस लाते हुए शुरुआती स्थिति में आ जाएं।
- अब इसे दूसरी ओर दोहराएं।
- हर बार सारे आसनों की समाप्ति के बाद पांच मिनट के लिए शवासन करना चाहिए। पीठ के बल लेट जाइए, आंखें बंद कीजिए, शरीर को ढीला छोड़ दें। सिर सीधा रखें। हर मांसपेशी से तनाव को मुक्त कर दें। पैर से लेकर बांह, कंधे, गर्दन और सिर तक। आंखों को बंद रखें। अब करवट लेकर उठकर बैठ जाएं। हथेलियों को रगड़कर गर्म करें। फिर उन्हें आंखों पर रख दें। हथेलियों को हटाए बगैर आंखों को धीरे-धीरे खोलें। हाथ नीचे करें और दिन की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा के साथ करें।

सेहत

ज्यादा नमक खाने से पड़ता है दिमाग पर बुरा असर

याददाश्त ही नहीं बुद्धि भी होती है कमजोर

क्या आप जानते हैं कि अधिक नमक का सेवन करने से दिमाग में खून का प्रवाह 25 फीसदी तक कम हो जाता है? हाल ही में हुए एक शोध में पता चला है कि ज्यादा नमक युक्त आहार का सेवन करने से बुद्धिमत्ता में कमी आ सकती है। एक हालिया शोध में यह दावा किया गया है। दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ने से याददाश्त कमजोर होती है और बुद्धिमत्ता में कमी आ सकती है।



डिमेंशिया का सबसे प्रमुख कारण है नमक

न्यूयॉर्क स्थित फिल फैमिली ब्रेन एंड माइंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर डॉक्टर गिउसेप्पे फरको इस शोध के प्रमुख शोधकर्ता हैं। इस शोध को जर्नल नेचर न्यूरोसाइंस ट्रस्टेड सोर्सेज में प्रकाशित किया गया है। डॉक्टर फरको ने कहा कि ज्यादा नमक के सेवन और खराब दिमाग की कार्यक्षमता के बीच हमेशा से ही संबंध रहा है और ज्यादा नमक का सेवन करना डिमेंशिया का सबसे प्रमुख कारण है।

अल्जाइमर का कारण होता है टाउ प्रोटीन

शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने व्यवहारात्मक, सेरिब्रोवस्कुलर और मोलिक्युलर स्तर पर परीक्षण किया। इसमें पाया गया कि ज्यादा नमक का सेवन करने वाले चूहों में नाइट्रिक ऑक्साइड की मात्रा कम थी जिससे दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा ब? गई थी। टाउ का अधिक स्तर अल्जाइमर का कारण माना जाता है।

चूहों पर किया गया अध्ययन

पूर्व में शोधों में शोधकर्ताओं को पता चला कि ज्यादा नमक के सेवन से चूहों में डिमेंशिया के लक्षण दिखने लगे। नमक ऐसे अणुओं का तेजी से उत्पादन करता है, जिससे शरीर में सूजन आती है। इंटरल्यूकिन-17 अणु दिमाग की कोशिकाएं नाइट्रिक ऑक्साइड बनाना कम कर देती हैं। नाइट्रिक ऑक्साइड रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करता है और रक्त के प्रवाह में मदद करता है। हालांकि, नाइट्रिक ऑक्साइड की कमी से रक्त का प्रवाह कम हो सकता है।

चूहों पर किए गए अध्ययन में देखा गया कि ज्यादा नमक वाले आहार का सेवन करने से उनमें आईएल-17 का स्तर बढ़ गया और नाइट्रिक ऑक्साइड का स्तर कम हो गया, जिससे दिमाग में खून का प्रवाह 25 फीसदी तक कम हो गया।

सोडियम की ज्यादा मात्रा नुकसानदायक

शोधकर्ता फरको और उनकी टीम का मानना था कि सोडियम की ज्यादा मात्रा दिमाग में हो रहे रक्त प्रवाह को बाधित कर डिमेंशिया के खतरे को बढ़ाती है, लेकिन, शोध के बाद पता चला कि रक्त के प्रवाह की कमी नहीं, बल्कि टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ने के कारण याददाश्त में कमी आती है।

शोधकर्ताओं ने आठ हफ्ते के चूहों में से कुछ को सामान्य आहार दिया और कुछ को ज्यादा सोडियम वाला आहार दिया। चार से 36 हफ्तों तक चूहों को आहार दिया गया। इसके बाद वैज्ञानिकों के परीक्षण में पाया गया कि ज्यादा नमक का सेवन करने वाले चूहों में नाइट्रिक ऑक्साइड की मात्रा कम थी, जिससे दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ गई थी। 04 से 36 हफ्तों तक चूहों को सामान्य और सोडियम वाला आहार दिया गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगे। चितनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

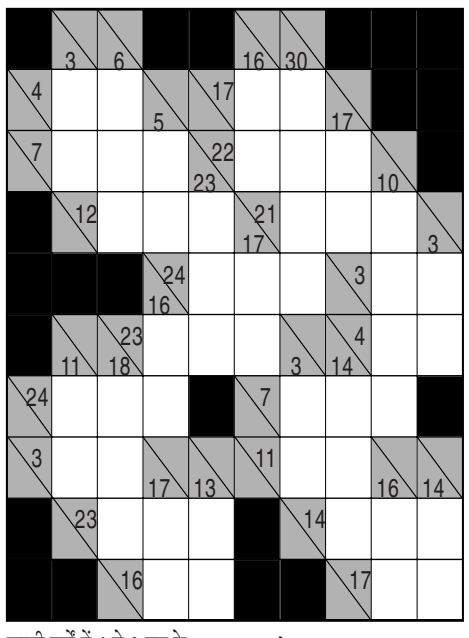
कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

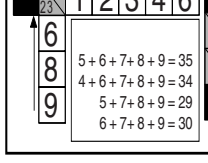
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2638



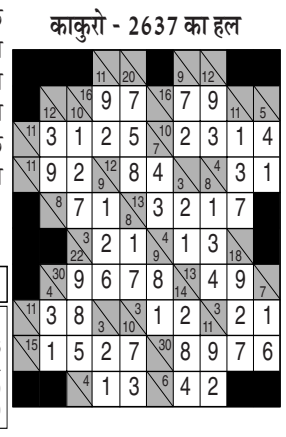
खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2637 का हल



हंसी के फव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

□ □ □

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था,'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे.....'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी,'वह शक्ति आप में तो है.'

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

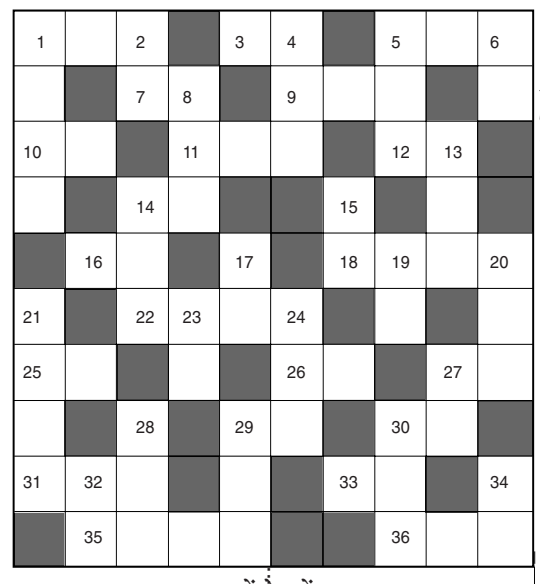
'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

□ □ □

बीवी ने मियाँ से पूछा,'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं ?'

मियाँ डरते-डरते,'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2638



बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचेः-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'यारना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2637

खु	शी		शो		द	श	र		फ
दा		प	र	ख		जे		खा	की
ग	द	र		त	ला	श			ग
वा		दे	व	र		ख	ली	फा	
ह	व	स		ना		न्ना		गु	स
	क्त		नौ	क	र		आ	न	
गु		श	ज		च	र	स		बा
म	स्त		वा	स	ना		श	जा	जी
ना		जा	न	स		सु			ग
म	शा	ल		र	फ्ता	र		ड	र

सूडोकु -2638

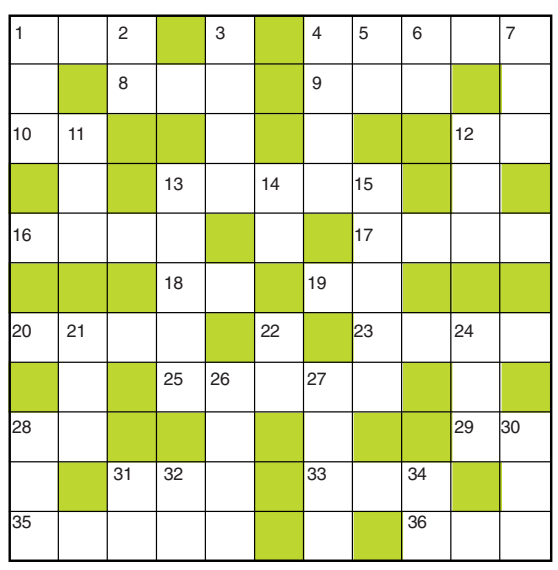
3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2637 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 2638



बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -2637 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र	
म		र	ह	म		म	द	न		म	
र	त			ची		झी			वा	णी	
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य	
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त	
			क	था		का	न				
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र	
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि	
न	म			म		चा			ता	न	
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य	
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न	

संक्षिप्त डायरी

चालान में शहर आगेङ्क्तवसूली में पीछे, टैक्स वसूली में कन्नौज नंबर-वन, अन्य जिलों की स्थिति

एजेंसी

कानपुर कानपुर नगर जिला कार्रवाई और चालान के मामले में 154 चालान और 31 वाहनों को बंद करवाकर पूरे मंडल में शीर्ष पर रहा, लेकिन बकाया टैक्स वसूली के मामले में बेहद फिसड्डी साबित हुआ। वहीं, कन्नौज जिला 13.92% टैक्स वसूली के साथ पूरे मंडल में पहले स्थान पर रहा, जबकि फरुर्खाबाद 5.74% वसूली के साथ सबसे निचले पायदान पर रहा। कानपुर में बकाया कर जमा नहीं करने वाले व्यावसायिक वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग के विशेष प्रवर्तन अभियान में कार्रवाई और कर वसूली के आंकड़ों में अंतर देखने को मिला। 29 से 31 अक्तूबर तक चले अभियान में कानपुर नगर में सर्वाधिक 154 वाहनों के चालान और 31 वाहन बंद कराए गए, लेकिन कर वसूली 10.54 फीसदी ही रही। वहीं 13.92 फीसदी वसूली के साथ कन्नौज मंडल में पहले स्थान पर रहा। तीन दिवसीय अभियान के दौरान मंडल के छह जिलों में चौराहों और हाईवे पर वाहनों की जांच की गई। मंडल में अभियान के दौरान कुल 399 वाहनों के चालान किए गए और 127 वाहन बंद कराए गए। कन्नौज में 51 चालान करने के साथ 24 वाहन बंद किए गए। कानपुर देहात में 78 चालान और 23 वाहन बंद कराकर 13.06 फीसदी कर वसूली हुई। औरैया में 44 वाहनों के चालान और 14 वाहन बंद करने के साथ 12.43 फीसदी कर वसूली हुई। इटावा में 41 चालान और 15 वाहन बंद कराए गए, जबकि वसूली 9.03 फीसदी रही। फरुर्खाबाद में 31 चालान और 20 वाहन बंद करने के बावजूद सबसे कम 5.74 फीसदी कर वसूली हुई। शासन के निर्देश पर तीन दिन विशेष अभियान चलाया गया। इसमें 399 वाहनों के चालान और 127 वाहन बंद किए गए हैं। कर वसूली में कन्नौज सबसे आगे और फरुर्खाबाद सबसे पीछे रहा है

बरेली में 26 हिंदू मतदाताओं के नाम काटने का आरोप, बीएलओ नफीस मोहम्मद खान निलंबित

एजेंसी

बरेली बरेली जिले में पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से 26 हिंदू मतदाताओं के नाम काटे जाने के आरोप में बीएलओ नफीस मोहम्मद खान को निलंबित कर दिया गया है। ग्राम प्रशासक की शिकायत पर जांच हुई। प्रथम दृष्टया अनियमितता पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई। बरेली जिले के शेरगढ़ ब्लॉक की मोहम्मदपुर ग्राम पंचायत में पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से 26 हिंदू मतदाताओं के नाम काटे जाने का मामला सामने आया है। ग्राम प्रधान की शिकायत पर कराई गई जांच में प्रथम दृष्टया अनियमितता मिलने के बाद बीएलओ की जिम्मेदारी संभाल रहे सहायक अध्यापक नफीस मोहम्मद खान को निलंबित कर दिया गया है। डीएम ने मामले की विभागीय जांच के साथ अन्य आरोपों की भी पड़ताल कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि यदि जानबूझकर नाम काटने की पुष्टि हुई तो संबंधित के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मोहम्मदपुर के ग्राम प्रशासक राहुल गंगवार ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत कर आरोप लगाया था कि बीएलओ नफीस मोहम्मद खान ने पूर्व प्रधान रेहान खान से मिलीभगत कर हिंदू समुदाय के 26 लोगों के नाम पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से कटवा दिए। शिकायत में इसके पीछे सांप्रदायिक द्वेष होने की आशंका भी जताई गई। इसके बाद वेद प्रकाश, हेमकली, ललिता देवी, राकेश और ढाकन लाल समेत कई ग्रामीणों ने शपथ पत्र देकर अपने नाम सूची से हटाए जाने की शिकायत की। बरेली मंडल में गरीबों का राशन हजम कर रहे सवा तीन लाख अमीर, संदिग्ध कार्ड धारकों की सूची जारी मामले की गंभीरता को देखते हुए तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई। कमेटी ने शिकायतों और उपलब्ध अभिलेखों की पड़ताल की। जांच में बीएलओ 26 मतदाताओं के नाम हटाए जाने के संबंध में संतोषजनक साक्ष्य नहीं दे सके। इसके बाद प्रथम दृष्टया अनियमितता पाए जाने पर बीएसए डॉ. विनिता ने उन्हें निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में उन्हें मीरगंज ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल सहसा से संबद्ध किया गया है। मामले की विभागीय जांच के लिए फतेहगंज पश्चिमी के खंड शिक्षा अधिकारी भानु शंकर गंगवार को जांच अधिकारी बनाया गया है। उन्हें आरोप पत्र तैयार कर बीएसए के अनुमोदन के बाद 15 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, अन्य आरोपों की जांच के लिए अलग से कमेटी गठित की गई है। डीएम अविनाश सिंह ने बताया कि जांच में यह पता लगाया जाएगा कि मतदाताओं के नाम जानबूझकर काटे गए या प्रक्रिया के दौरान गलती से ऐसा हुआ। जानबूझकर नाम हटाने की पुष्टि होने पर संबंधित बीएलओ के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

दिवाली पर होगी निर्बाध बिजली आपूर्ति, 27 उपकेंद्रों पर तैनात रहेंगे अधिकारी

एजेंसी

बरेली बरेली में दिवाली और गोवर्धन पूजा पर निर्बाध बिजली आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए विद्युत निगम ने सभी 27 विद्युत उपकेंद्रों पर अधिकारियों और कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। फोन नंबर भी जारी किए गए हैं। बरेली में दिवाली और गोवर्धन पूजा पर शहर की बिजली व्यवस्था सुचारु रखने के लिए विद्युत निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। त्योहार के दौरान बिजली आपूर्ति में किसी तरह की बाधा न आए, इसके लिए शहर के सभी 27 विद्युत उपकेंद्रों पर अधिकारियों और कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। अधीक्षण अभियंता ललित कुमार ने बताया कि सिविल लाइंस प्रथम, द्वितीय और तृतीय, कैंट, रामपुर बाग, मिशन कंपाउंड, कुतुबखाना और सीबीगंज समेत सभी 27 उपकेंद्रों पर ड्यूटी लगाई गई है। विशेष ड्यूटी की निगरानी अधिशासी अभियंताओं, सहायक अभियंताओं और अवर अभियंताओं को सौंपी गई है। निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने उपकेंद्रों पर नियमित रूप से मौजूद रहें और बिजली संबंधी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराएं। छह नवंबर से 11 नवंबर तक रोजाना शाम चार बजे से रात 12 बजे तक अधिकारी उपकेंद्रों पर तैनात रहकर बिजली व्यवस्था की निगरानी करेंगे। ट्रांसफार्मर खराब होने पर मोबाइल ट्रांसफार्मर रहेगा तैयार निगम अधिकारियों के अनुसार, शहर में दिवाली के दौरान बिजली की मांग अधिक रहती है। उपभोक्ताओं को कटौती का सामना न करना पड़े इसके लिए ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना पर फौरन मोबाइल ट्रांसफार्मर संबंधित क्षेत्र में भेजा जाएगा।

बरेली-दिल्ली जनरथ बस के पहिए जाम होने से लगी आग, 32 यात्री बाल-बाल बचे

एजेंसी

बरेली बरेली दिल्ली के बीच चलने वाली बरेली डिपो की जनरथ बस में बुधवार रात मुरादाबाद के मूडापांडे के पास आग लग गई। हादसे के वक्त बस में 32 यात्री सवार थे। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। बरेली डिपो की बरेली-दिल्ली जनरथ बस में बुधवार रात आग लग गई। हादसे के वक्त बस में 32 यात्री सवार थे। गनीमत रही कि सभी यात्री सुरक्षित बच गए। यह घटना मुरादाबाद के मूडापांडे के पास हाईवे पर हुई। हादसा रात 12:00 बजे के बाद हुआ, जब ज्यादातर यात्री नींद में थे। बस के पिछले पहिए जाम होने को आग लगने का कारण बताया जा रहा है। इससे पहले 2024 में बरेली-कानपुर रूट की एक एसी जनरथ बस में भी आग लगी थी। बरेली डिपो के वर्कशॉप में बसों की मरम्मत में लगातार लापरवाही सामने आ रही है। क्षेत्रीय प्रबंधक मोहम्मद अजीम ने बताया कि घटना की जांच के लिए एक समिति बनाई गई है। जिसकी भी लापरवाही सामने आएगी, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बरेली परिक्षेत्र में रोजाना 10 से ज्यादा बसें मरम्मत में लापरवाही के कारण जगह-जगह खड़ी हो जाती हैं। मंगलवार को दो बसों का स्टेरिंग फेल हुआ था। बुधवार को तीन बसों के टायर फटे। इन घटनाओं में भी यात्रियों की जान पर बनी थी। वर्कशॉप में मरम्मत के नाम पर बड़ा खेल होने की बात कही जा रही है।

सीएम योगी बोले- भारत के महान लोकतंत्र को अराजकता व अस्थिरता की आग में झोंकने का हो रहा प्रयास

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्षी दल भारत के लोकतंत्र को अराजकता और अस्थिरता की आग में झोंकने का प्रयास कर रहे हैं। जनता कांग्रेस और इंडी गठबंधन को लगातार नकार रही है। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कांग्रेस व इंडी गठबंधन पर लगातार हमलावर हैं। उन्होंने गुरुवार को फिर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता कांग्रेस और इंडी गठबंधन को लगातार नकार रही है। सीएम योगी आज गाजियाबाद में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र जनता के विश्वास, संवैधानिक मयार्दाओं और जनादेश के सम्मान पर आधारित हमारी राष्ट्रीय शक्ति है। जनता के द्वारा लगातार नकारे जा रहे कांग्रेस और इंडी गठबंधन



के द्वारा भारत के महान लोकतंत्र को अराजकता, अस्थिरता और अव्यवस्था की आग में झोंकने का निरंतर प्रयास हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि भारत के लोकतंत्र की रक्षा, संवैधानिक मयार्दाओं के सम्मान और जनादेश की सर्वोच्चता का संदेश लेकर आज गाजियाबाद में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में सहभाग करूंगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और भारत के लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता का विश्वास और उसकी सक्रिय भागीदारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा में शमिल होकर इंडिया गठबंधन पर लगातार प्रहार कर रहे हैं। गाजियाबाद में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में शामिल होने से पूर्व मीडिया और जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक मयार्दाओं और जनता के जनादेश के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। 1. लोकतंत्र, संवैधानिक मयार्दा और जनादेश का सम्मान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में भारतीय लोकतंत्र की बुनियादी ताकतों को रेखांकित किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत का लोकतंत्र केवल एक शासन प्रणाली नहीं है, बल्कि यह देश की 140 करोड़ जनता के अटूट विश्वास, संवैधानिक मयार्दाओं और जन-जनादेश की सर्वोच्चता पर आधारित हमारी राष्ट्रीय शक्ति का प्रतीक है। योगी आदित्यनाथ ने कहाः ₹लोकतंत्र जनता के विश्वास, संवैधानिक मूल्यों और जनादेश के सम्मान से संचालित होता है। लेकिन जब राजनीतिक दल अपनी हार को स्वीकार करने के बजाय संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने लगते हैं और सडकों पर अव्यवस्था फैलाने का प्रयास करते हैं, तो वे वास्तव में देश के लोकतंत्र को चोट पहुँचाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की धाक जमाई है। आज भारत न केवल दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि इसे 'लोकतंत्र की जननी' के रूप में भी विश्वभर में मान्यता मिल रही है। ऐसे समय में विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही अराजकता देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न करने की एक हताश कोशिश मात्र है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि वे गाजियाबाद में आयोजित विशाल पदयात्रा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' का नेतृत्व करेंगे। इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य जनता को विपक्षी दलों के ₹अराजक और नकारात्मक एजेंडे₹ के प्रति जागरूक करना और देश में संवैधानिक व्यवस्था व लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ बनाना है। पदयात्रा के प्रमुख बिंदु और उद्देश्यः जन-जागरूकताः जनता को यह समझाना कि किस प्रकार कुछ राजनीतिक दल अपने स्वार्थ के लिए देश में अस्थिरता पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजियाबाद की यह पदयात्रा पूरे प्रदेश और देश में एक सकारात्मक संदेश देगी कि भारत की जनता किसी भी प्रकार की अराजकता, जातिवादी तुष्टिकरण या अलगाववादी सोच को स्वीकार नहीं करेगी। 3. कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर लगातार हमलावर सीएम योगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिछले कुछ समय से कांग्रेस और इंडी गठबंधन की नीतियों पर लगातार हमलावर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब से जनता ने विपक्षी दलों को केंद्र और राज्य स्तर पर सत्ता से बाहर किया है, तब से उनका एकमात्र एजेंडा विकास कार्यों में रोड़े अटकाना और देश में भ्रम की स्थिति पैदा करना बन गया है।

सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के बहस का मौका खत्म



एजेंसी

वाराणसी ज्ञानवापी के मूल मामले में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के बहस का मौका खत्म कर दिया गया है। मामले में बहस के लिए नोटिस तामील कराया गया था फिर भी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की तरफ से जिम्मेदार उपस्थित नहीं हो सके। विशेष न्यायाधीश द्वितीय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) पूनम पाठक की अदालत ने ज्ञानवापी के वर्ष 1991 के मूल मुकदमे से संबंधित रिवीजन अर्जी पर सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के बहस का मौका समाप्त कर दिया है। सुनवाई के दौरान पर्याप्त नोटिस तामील कराया गया था फिर भी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की तरफ से जिम्मेदार बहस के लिए उपस्थित नहीं हो सके। अब सात नवंबर को सुनवाई होगी। अगली सुनवाई में दिवंगत हरिहर पांडेय की बेटियों की तरफ से अधिवक्ता अपना पक्ष रखेंगे। यह अर्जी हरिहर पांडेय की बेटियों की तरफ से दाखिल की गई है। मामले में बहस के लिए सुन्नी सेंट्रल बोर्ड को विधिवत नोटिस तामील कराया जा चुका था, लेकिन बोर्ड की तरफ से कोई उपस्थित नहीं हुआ था। मामले में अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के संयुक्त सचिव एसएम यासीन ने कहा कि मामला वाद मित्र के बदलने से संबंधित है।

3719 करोड़ की मिलेगी सौगात, आठ सड़क परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास

एजेंसी

वाराणसी नितिन गडकरी आज जौनपुर दौरे पर रहेंगे। वह 3719 करोड़ की आठ सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इसमें 3210 करोड़ रुपये की तीन बड़ी सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और 509 करोड़ रुपये की पांच परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी बृहस्पतिवार को जिले में 3719 करोड़ रुपये की आठ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। एनएचएआई आजमगढ़ इकाई के परियोजना निदेशक पीयूष अग्रवाल ने बताया कि 3210 करोड़ रुपये की तीन बड़ी सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और 509 करोड़ रुपये की पांच परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इन परियोजनाओं से जिले में सड़क कनेक्टिविटी बेहतर होने के साथ आसपास के जिलों और प्रमुख शहरों तक आवागमन आसान होगा। सूचना विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक केंद्रीय मंत्री सुबह 11:15 बजे मुंगराबादशाहपुर स्थित हेलिपैड पर पहुंचेंगे। इसके बाद सुबह 11:30 बजे से दोपहर एक



बजे तक सार्वजनिक इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में रहेंगे। ईपास पर खर्च होंगे करीब 198 करोड़ मुंगराबादशाहपुर बाईपास का 4 किमी का होगा, जो कोदहूं के समीप से शुरू होकर मुंगराबादशाहपुर नगर को बाईपास करते हुए नौवाडांडी के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग पर समाप्त होगा। 10 से 18 मीटर चौड़े इस बाईपास को बनाने के लिए 198 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस परियोजना को 22 सितंबर 2027 में पूर्ण किया जाना है। यह दो लेन शोल्डर सहित होगा। इसपर एक-एक आरओबी, एक लघु सेतु और 2 एलवी यूपी दो होंगे। वाजिदपुर से पचहिया तक फोरलेन जिला मुख्यालय पर वाजिदपुर स्थित स्मृति लता मंगेशकर चौराहे से पचहिया तक फोर लेन चौड़ीकरण होना है। 5 किलोमीटर दूरी में फोर लेन बनाने के लिए 75 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसे 31 मार्च 2028 तक पूर्ण किया जाना है। कुत्तुपुर से पूर्वांचल विश्वविद्यालय तक फोर लेन होगी सड़क कुत्तुपुर तिराहे से पूर्वांचल विवि (सरायख्वाजा) तक फोर लेन सड़क बनाई जाएगी। 12 किलोमीटर की इस सड़क को बनाने में 128 करोड़ रुपये का बजट है। इसे 31 दिसंबर 2028 तक पूर्ण किया जाएगा। इसमें दो लेन और चार लेन की सड़क होगी। मड़ियाहूं में 92 करोड़ से बनेगा आरओबी मड़ियाहूं नगर में रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का निर्माण होगी। यह लंबे समय से मांग चल रही थी। 1.5 किमी लंबे रेलवे ओवरब्रिज को बनाने में 92 करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह दो लेन का होगा और 30 जून 2028 तक इसे पूर्ण करने का लक्ष्य है। रामदयालगंज में सई नदी पर बनेगा पुल रामदयालगंज में सई नदी पर दो लेन ब्रिज का निर्माण होगा। 0.227 किमी ब्रिज को बनाने में 16 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसे 29 सितंबर 2027 में पूर्ण करना है। तीन सड़क परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण जौनपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तीन सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण भी करेंगे। कुल 3210 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इन परियोजनाओं से जौनपुर, भदोही, रायबरेली और प्रयागराज के बीच आवागमन आसान होगा। सड़क चौड़ीकरण के साथ फ्लाईओवर, रेलवे ओवरब्रिज, सेतु और अंडरपास बनाए गए हैं।

एक नवंबर से जीएसटी नियमों में बड़े बदलाव, पंजीयन से लेकर रिफंड तक के नियम हुए आसान

एजेंसी

कानपुर जीएसटी काउंसिल की 57वीं बैठक में लिए गए निर्णयों और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के रोडमैप के तहत, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने 26 और 28 अक्टूबर 2026 को कई महत्वपूर्ण परिपत्र तथा सरकारी विज्ञप्तियां जारी की हैं। ये सभी बदलाव एक नवंबर 2026 से प्रभावी हो गए हैं। देशभर के कारोबारियों और व्यापारियों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा 57वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक के निर्णयों के अनुपालन में 26 और 28 अक्टूबर को जारी किए गए महत्वपूर्ण परिपत्र संख्या 257 से 266 और विज्ञप्तियां एक नवंबर 2026 से प्रभावी हो गई हैं। इन संशोधनों का मुख्य उद्देश्य ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देना और करदाताओं के सामने आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करना है। नए नियमों के तहत जीएसटी पंजीयन की प्रक्रिया को बेहद सरल कर दिया गया है। परिपत्र संख्या 257 के अनुसार अब आवेदन के समय आयकर पैन के आधार पर सही नाम, व्यवसाय की प्रकृति और अधिकृत व्यक्ति की जानकारी देनी होगी। मालिकाना हक के लिए रन्ट एग्रीमेन्ट या सहमति पत्र मान्य होंगे। सबसे बड़ी राहत यह है कि अब विभाग द्वारा उद्यम प्रमाणपत्र की मांग नहीं की जाएगी। साथ ही, बैंक खाते का विवरण आवेदन के समय देना अनिवार्य नहीं है। इसे पंजीयन के बाद भी अपडेट किया जा सकता है। सामान्य तौर पर सात कार्य दिवस के भीतर पंजीयन निस्तारित कर दिया जाएगा। कर आरोपण और नोटिस व्यवस्था में पारदर्शिता परिपत्र संख्या 258 के जरिए कर अधिकारियों की मनमानी पर अंकुश लगाने की कोशिश की गई है। अब कारण बताओ नोटिस में केवल कानून की धाराएं लिखना काफी नहीं होगा, बल्कि टैक्स मांगने के ठोस साक्ष्य और आधार बताने होंगे। यदि धोखाधड़ी या जानबूझकर तथ्य छिपाने का आरोप है, तो उसे साक्ष्य सहित स्पष्ट करना होगा। विभाग को अनुमान और संदेह के आधार पर कार्रवाई करने के बजाय तर्कसंगत आदेश पारित करने होंगे। डेमो कारों पर आईटीसी और निर्यातकों को बड़ी राहत ऑटोमोबाइल सेक्टर को बड़ी राहत देते हुए परिपत्र संख्या 262 के माध्यम से स्पष्ट किया गया है कि कार शोरूम के पास मौजूद डेमो कारों पर अब इनपुट टैक्स क्रेडिट अनुमन्य होगी। वहीं, निर्यात (जीरो रेट-ड) के मामलों में परिपत्र संख्या 263 के तहत विदेशी मुद्रा के स्थान पर अन्य मान्य रुपये वाले खातों में भुगतान मिलने या आयात भुगतान से राशि समायोजित होने पर भी निर्यात की शर्त पूरी मानी जाएगी। इसके अलावा, बहुचर्चित नियम 96(10) को हटाए जाने का लाभ 23 अक्टूबर 2017 से दिए जाने के कारण पुराने रिफण्ड विवादों में फंसे कारोबारियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

सड़कों की खेदाई से सांसों पर संकट, शहीद नगर में एक्यूआई

एजेंसी

आगरा आगरा में सड़कों की खुदाई और निर्माण कार्य से उड़ रही धूल के बीच वायु प्रदूषण गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। स्मार्ट सिटी के सेंसरों में शहीद नगर का एक्यूआई 410 और टेढ़ी बगिया का 406 दर्ज किया गया। हवा में बढ़ते प्रदूषण से लोगों की सांसों पर संकट है। सीएम ग्रिड के तहत बन रही सड़कों की खोदाई के कारण धूल कणों से गले, आंख में एलर्जी हो रही है। आगरा स्मार्ट सिटी के सेंसरों में बुधवार को शहर के 26 चौराहों पर हवा की गुणवत्ता बेहद खराब और गंभीर रही। शहीद नगर में सबसे ज्यादा 410 एक्यूआई दर्ज किया गया। वहीं, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के आंकड़ों में बुधवार को शहर का एक्यूआई 174 रहा। यूपीपीसीबी की लैब के अनुसार संजय प्लेस क्षेत्र की हवा सबसे ज्यादा खराब रही है। 24 घंटे में ही दोगुना एक्यूआई हो गया। 3 नवंबर को संजय प्लेस का एक्यूआई 169 था, जो बुधवार को 236 एक्यूआई हो गया है। यहां पीएम 2.5 का अधिकतम स्तर 323 रहा। ये पांच गुना अधिक दर्ज किए गए। वहीं पीएम-10 का स्तर चार गुना अधिक 409 पर पहुंच गया। फतेहपुर सीकरी के एक्यूआई में सुधार हुआ है। यहां का एक्यूआई 163 रहा। मंगलवार को 213 एक्यूआई था।



दूसरी ओर आगरा स्मार्ट सिटी की रिपोर्ट में शहीद नगर के बाद टेढ़ी बगिया में एक्यूआई सबसे खराब रहा, जो 406 दर्ज किया गया। दोनों जगह हवा की गुणवत्ता बेहद गंभीर स्थिति में रही, जहां सूक्ष्म कणों पीएम-10 की मात्रा 800 तक पहुंच गई। आंख, नाक की एलर्जी, सीने में जकड़न एसएन मेडिकल कॉलेज की नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. डॉ. स्निग्धा सेन बताया कि धूल के अतिसूक्ष्म कण आंखों में जाने से तेज खुजली होना, पानी आना, जलन, किरकिराहट की शिकायतें सामने आ रही हैं। वक्ष एवं क्षय रोग विभाग के डॉ. गजेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि धूल-कार्बन तत्व सांस नली में जाने से संक्रमण हो रहा है। इससे सीने में जकड़न और भारीपन हो रहा है। अस्थमा-सांस के मरीजों को धूल-धुआं से तेज खांसी हो रही है।

जब मिठाई हो जा रही चट, तब आ रही लैब रिपोर्ट

एजेंसी

कानपुर त्योहार पर मिठाइयों की भारी मांग के बीच मिलावटखोर सक्रिय हो गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा दुकानों से नमूने भरकर लैब भेजे तो जा रहे हैं, लेकिन जांच रिपोर्ट आने में लंबी देरी होने के कारण मिलावटी मिठाइयां बाजारों में बिककर लोगों के घरों तक पहुंच जाती हैं। कानपुर में त्योहार पर मिठाइयों की बढ़ती मांग मिलावटखोरों के लिए कमाई का बड़ा मौका बन गई है। बाजार में रंग-बिरंगी मिठाइयों की दुकानें सजने लगी हैं। खोया, पनीर, घी और मिठाइयों में मिलावट के बीच मिलावटखोर सक्रिय हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग दुकानों पर छापा मारकर नमूने तो भर रहा है लेकिन इसकी रिपोर्ट आने में देरी के चलते बिक्री पर लगाम कस पाने में



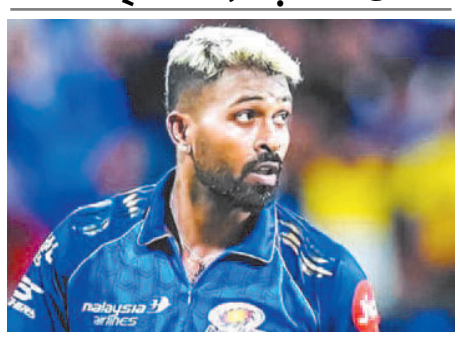
नाकाम साबित हो रहे हैं। यही वजह है कि तमाम कवायद के बाद भी दिवाली पर क्विंटलों मिलावटी मिठाई लोगों के घरों तक पहुंच जाएगी। बीते वर्ष लिए गए नमूनों की फेल रिपोर्ट आने के बाद सितंबर माह तक कुल 489 वाद दायर किए गए जिनपर 1.62 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया गया। विभाग की सबसे बड़ी समस्या यही है कि दुकानों से नमूने भरकर प्रयोगशाला भेजे जाते हैं, लेकिन उनकी जांच रिपोर्ट आने तक मिलावटी मिठाई ग्राहकों के घरों तक पहुंच चुकी होती है। दीपावली पर घरों में मेहमानों के स्वागत से लेकर उपहार देने तक के लिए मिठाइयों की खरीदारी की जा रही है। इसी मांग का फायदा उठाकर कुछ कारोबारी घटिया खोया, मिलावटी घी, नकली पनीर और प्रतिबंधित रंगों से तैयार मिठाइयां बाजार में खपाने की कोशिश करते हैं। खाद्य विभाग की टीम ने बीते दो माह में करीब 400 से अधिक नमूने जांच के लिए लैब भेजे, लेकिन रिपोर्ट किसी की नहीं आ सकी है। एडीएम सिटी कोर्ट में वाद दायर किया गया ऐसे में जब तक रिपोर्ट आएगी तब तक तो मिलावटी मिठाइयों की खपत हो चुकी होगी। खाद्य विभाग की टीम की ओर से लिए नमूनों की रिपोर्ट प्रत्येक माह आती रहती है। इस वर्ष जनवरी से लेकर सितंबर माह में सबसे ज्यादा फेल नमूनों की रिपोर्ट अप्रैल माह में 118 की आई।

थाने के बाहर जमीन विवाद में आत्मदाह का प्रयास, दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

वाराणसी जैतपुरा थाने के बाहर जमीन विवाद को लेकर आत्मदाह का प्रयास किया गया। इस दौरान पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए लोगों की जान बचाई और दो आरोपियों शिवप्रताप और सूर्यप्रताप को गिरफ्तार किया। वाराणसी जिले के जैतपुरा थाने के बाहर जमीन विवाद को लेकर मंगलवार को दो बहनों और उनके साथियों ने अपने भाई के साथ खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाने का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर सभी की जान बचाई और दो आरोपियों शिवप्रताप और सूर्यप्रताप को गिरफ्तार किया। क्या है पूरा मामला पहड़िया निवासी पीड़ित मंजीत सोनकर ने पुलिस को बताया कि जमीन विवाद को लेकर उसकी बहनों, जीजा और जीजा के छोटे भाई से विवाद चल रहा है। वह परिवार समेत दूसरे स्थान पर रहता है। सुबह जब अपने घर पहुंचा तो कमरे का ताला टूटा मिला। आलमारी से सामान गायब थे। इसी बात पर बहनों और अन्य परिजनों से कहासुनी हुई थी। दोनों पक्ष थाने पर पहुंचा। विवाद बढ़ने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने मुझ पर और खुद पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़क दिया। उन्होंने पुलिस वाहनों पर भी ज्वलनशील पदार्थ का छिड़काव किया। थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों ने दौड़कर स्थिति संभाली। बहनें चांदनी, मंशा और एक अन्य युवक मौके से भाग निकले। थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शिवप्रताप और सूर्यप्रताप को मौके से गिरफ्तार किया गया। मंजीत सोनकर की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह पूरा घटनाक्रम जमीन के बंटवारे से जुड़ा है।

'एक साल तक कप्तानी न करें हार्दिक', पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने पांड्या को दी बड़ी सलाह



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। आईपीएल 2027 से पहले हार्दिक पांड्या के भविष्य और ट्रेड को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने हार्दिक की अगली आईपीएल टीम को लेकर अपनी राय रखी है। उनका मानना है कि हार्दिक के लिए चेन्नई सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स बेहतर विकल्प हो सकते हैं, लेकिन उन्हें फिलहाल किसी भी टीम की कप्तानी नहीं करनी चाहिए।

केकेआर में हार्दिक को कप्तानी देने के पक्ष में नहीं रायुडू

अंबाती रायुडू ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हार्दिक पांड्या के लिए सही विकल्प नहीं माना है। उनका कहना है कि केकेआर को इस समय नए कप्तान की जरूरत है और टीम की जिम्मेदारी संभालना आसान नहीं होगा। रायुडू ने ष्टह्वद्बष्ट्ठह्व55 पर चर्चा के दौरान कहा, 'मेरे हिसाब से पंजाब या चेन्नई, ये दोनों टीमें हैं जहां हार्दिक जा सकते हैं। लेकिन उन्हें कप्तानी नहीं करनी चाहिए।'

सीएसके और पीबीकेएस को बताया हार्दिक के लिए बेहतर विकल्प: रायुडू का मानना है कि चेन्नई और पंजाब में हार्दिक को अपने क्रिकेट पर ध्यान देने का अच्छा मौका मिल सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'वहां उन्हें अपने क्रिकेट के लिहाज से एक अच्छा माहौल मिलेगा। लेकिन च्चक्रमें उनके ऊपर काफी जिम्मेदारियां होंगी, क्योंकि टीम को कप्तान की जरूरत है। इस समय उस टीम की कप्तानी करना आसान नहीं है।' हालांकि, फिलहाल हार्दिक के ट्रेड को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मुंबई इंडियंस में हार्दिक को महसूस हुआ दबाव?

रायुडू ने आईपीएल के पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की स्थिति पर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि हार्दिक खुद को टीम के भीतर घिरा हुआ महसूस कर रहे थे। रायुडू ने कहा, 'मुंबई में मुझे ऐसा लगा कि हार्दिक को महसूस हो रहा था कि उन्हें एक कोने में धकेल दिया गया है। जब आपको ऐसा महसूस होता है, तो आप हमेशा अपने कंधे के ऊपर से देखते रहते हैं।'

कप्तानी के कारण बिगड़ सकता है ड्रेसिंग रूम का माहौल

रायुडू ने आगे बताया कि जब कोई खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में खुद को असहज महसूस करता है, तो उसका असर उसके व्यवहार और प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'जब ड्रेसिंग रूम में ऐसा होता है, तो आप कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया देते हैं, जैसा आप खुद भी नहीं करना चाहते। हार्दिक के लिए कई चीजें सही नहीं रहीं। इसमें उनकी गलती भी हो सकती है और कुछ दूसरी वजहें भी हो सकती हैं। रायुडू का मानना है कि अगर हार्दिक मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह मुंबई इंडियंस में रहना चाहते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि उन्हें कप्तान होना चाहिए। उन्हें सिर्फ अपना खेल खेलना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए मैच विनर बनना चाहिए।' रायुडू ने साफ किया कि दूसरी टीम में जाने पर भी हार्दिक को कम से कम एक सीजन कप्तानी नहीं करनी चाहिए। आईपीएल 2026 के बाद से मैदान से दूर हैं हार्दिक

हार्दिक पांड्या ने आईपीएल 2026 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है। वह बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की वनडे टीम में भी चुना गया था, लेकिन समय पर फिटनेस हासिल नहीं कर पाने के कारण वह वापसी नहीं कर सके। फिलहाल उनकी वापसी की आधिकारिक तारीख सामने नहीं आई है।

यूईएफए चैंपियंस लीग, कोमो की रिकॉर्ड जीत, लेंस को 9-1 से हराया

लेंस ,(एजेंसी)। कोमो ने यूईएफए चैंपियंस लीग में लेंस को 9-1 से हरा दिया। इस टूर्नामेंट में किसी इटैलियन क्लब की अब तक की यह सबसे बड़ी जीत है। मेहमान टीम ने शुरुआत में ही मैच पर नियंत्रण बना लिया था। डौविकास ने सातवें मिनट में स्कोरिंग शुरू की और फिर 32वें मिनट में अपने स्कोर को दोगुना कर दिया। निको पाज ने हाफ टाइम से आठ मिनट पहले बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भी कोमो ने लेंस को आराम से नहीं रहने दिया। लुकास दा कुन्हा ने 47वें मिनट में स्कोर 4-0 कर दिया, इसके छह मिनट बाद मार्क-ओलिवर केम्पफ ने गोल किया। सब्स्टीट्यूट माटिया लिबेराली ने 62वें मिनट में एक और गोल किया। रूबेन एगुइलर ने 65वें मिनट में गोल करके घरेलू समर्थकों को थोड़ी देर के लिए जश्न मनाने का मौका दिया, लेकिन मार्टिन बटुरिना ने चार मिनट बाद कोमो की छह गोल की बढ़त वापस दिला दी। डेब्यू कर रहे माटेओ पापासिओली ने स्टॉपेज टाइम में शानदार स्कोरलाइन पूरी की। पाज की भूमिका अहम रही। उन्होंने एक गोल करने के साथ दो असिस्ट किए, जबकि लिबेराली ने भी एक गोल करने के साथ दो असिस्ट किए।

15 साल की तन्वी का डकार में बजा डंका

यूथ ओलंपिक खेलों में रचा इतिहास; महिला बैडमिंटन फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारत की युवा स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने सेनेगल के डकार में जारी यूथ ओलंपिक खेलों में इतिहास रच दिया है। वह इस प्रतियोगिता की महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गई हैं।

ओडिशा की 15 वर्षीय तन्वी ने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जापान की दूसरी वरीयता प्राप्त युजुनो वतनबे को कड़े मुकाबले में 21-14, 11-21, 21-19 से शिकस्त दी। 54 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक के लिए होने वाले खिताबी मुकाबले में जगह पक्की कर ली। तन्वी ने इससे पहले थाइलैंड की कुंगकाएव कनानिक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया था। अब उनके पास स्वर्ण पदक जीतकर अपने यादगार अभियान को ऐतिहासिक बनाने का



सुनहरा मौका है। फाइनल में उनका सामना चीन की यी शिन झांग से होगा, जो मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन हैं। तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-11 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबला लगातार उतार-चढ़ाव से गुजरता रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में तन्वी ने गजब का संयम दिखाया।

उन्होंने 21-19 से तीसरा गेम जीतकर यादगार जीत दर्ज की। तन्वी की यह उपलब्धि यूथ ओलंपिक में भारतीय बैडमिंटन की बढ़ती पहचान का एक और महत्वपूर्ण अध्याय है। इससे पहले 2010 में सिंगापुर में आयोजित पहले यूथ ओलंपिक में एचएस प्रणय ने रजत पदक जीता था। 2018 में ब्यूनस आयर्स युवा ओलंपिक में लक्ष्य सेन उपविजेता रहे थे। आदित्य जोशी ने 2014 में पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

फाइनल में होगी तन्वी की कठिन परीक्षा

तन्वी और झांग के बीच अब तक केवल एक बार भिड़ंत हुई है। इस साल एशिया जूनियर चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में दोनों आमने-सामने आई थीं, जहां तन्वी को कड़े संघर्ष के बाद 18-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा था। कुल मिलाकर तन्वी के सामने फाइनल में कठिन परीक्षा होने वाली है। युजुनो के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला तन्वी के धैर्य और मानसिक मजबूती की कड़ी परीक्षा साबित हुआ। दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी और किसी ने भी आसानी से हार नहीं मानी।

पिछले सीजन के मुकाबले इस बार मुंबई इंडियंस की टीम में बेहतर संतुलन है: अभिनव मुकुंद

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद का मानना है कि मुंबई इंडियंस (एमआई) ने पिछले सीजन में टीम संयोजन से जुड़ी अपनी कमजोरियों को काफी हद तक दूर कर लिया है। उनके अनुसार, इसमें नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स की बड़ी भूमिका रही है, क्योंकि वह कई खिलाड़ियों को पहले से अच्छी तरह जानते थे। मुकुंद ने कहा कि इसी वजह से दो बार की चैंपियन टीम महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के लिए एक ज्यादा संतुलित और मजबूत टीम तैयार करने में सफल रही है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ पहले काम कर चुके विलियम्स एमआई टीम की चयन प्रक्रिया में एक नया नजरिया लेकर आए हैं। मुकुंद ने बताया कि खिलाड़ियों के साथ विलियम्स के पुराने जुड़ाव का असर फ्रेंचाइजी के नीलामी और ट्रेडिंग फैसलों पर पड़ा है। मुकुंद ने 'जियोस्टार' से कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले सीजन के मुकाबले इस बार एमआई की टीम में कहीं बेहतर संतुलन है। मुझे यह बात भी अच्छी लगी कि उनके नए हेड कोच ल्यूक विलियम्स ने ऐसी खिलाड़ियों को चुना है जो टीम को मजबूती देंगी और उसमें वैल्यू जोड़ेंगी।' पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे कहा, 'उन्होंने दिशा कसाट को लिया है, जिन्होंने आरसीबी में उनके साथ काफी करीब से काम किया था। इसके अलावा, तारा नॉरिस को ट्रेड के जरिए टीम में शामिल करना भी काफी शानदार फैसला है।

मैनचेस्टर सिटी ने आरबी लीपजिंग को हराया

चैंपियंस लीग में आर्सेनल का अजेय सफर जारी



नई दिल्ली ,(एजेंसी)। चैंपियंस लीग के लीग चरण के अपने चौथे मैच में आर्सेनल फुटबॉल क्लब ने चेक गणराज्य के फॉर्च्यूना एरिना में स्लाविया प्राग को 2-1 से हराकर अपना अजेय सफर जारी रखा है। वहीं, मैनचेस्टर सिटी आरबी लीपजिग को 3-2 से हराकर जीत की पटरी पर लौट आई है। आर्सेनल के लिए नोनी माडुके और विक्टर ग्योकेरेस ने गोल किए, जबकि मेजबान टीम के लिए एकमात्र गोल 90वें मिनट में विक्टर नोवाक ने किया। मिकेल आर्टेटा की टीम आर्सेनल अपने मानकों से काफी दूर थी, लेकिन लीग चरण में अजेय बने रहने के लिए उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। आर्टेटा ने लिवरपूल को हराने वाली टीम में छह बदलाव किए। काई हैवर्ट्ज की जगह ग्योकेरेस को शुरुआती लाइनअप में शामिल किया गया। इस स्वीडिश स्ट्राइकर ने जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मैच के शुरुआती 10 मिनटों के भीतर माडुके को असिस्ट दिया, जिससे माडुके ने 9वें मिनट में गोल कर दिया। इसके बाद, 38वें मिनट में ग्योकेरेस ने खुद भी एक गोल किया। उन्होंने मिकेल मेरिनो के साथ पास का आदान-प्रदान किया और गेंद को नेट में पहुंचाकर टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी।

मेजबान टीम ने दूसरे हाफ में अच्छा खेल दिखाया और आर्सेनल के डिफेंस पर दबाव बनाया। 90वें मिनट में नोवाक ने करीब से एक गोल किया। जीत के बाद मैनेजर आर्टेटा ने माना कि टीम अपने तय मानकों से काफी दूर थी। मैच के बाद आर्टेटा ने कहा, 'इस टीम में जबरदस्त जज्बा और अटूट विश्वास है। अगर आप इन्हें कोई मौका देते हैं, तो ये उसका पूरा फायदा उठाते हैं। हम अपने तय मानकों से बहुत दूर थे।

खेल के दौरान खासकर दूसरे हाफ में हम अपनी बुनियादी बातों, हर कॉन्सेप्ट और उन चीजों के मामले में काफी पीछे रहे जिनसे हमें बचने के लिए कहा गया था। हम एक-दूसरे से जो उम्मीदें रखते हैं, हम उन मानकों से बहुत दूर थे, लेकिन फिर भी हमने किसी तरह मैच में अपनी पकड़ बनाए रखी और जीत हासिल की।'

इस बीच, एर्लिंग हालैंड ने मैच के आखिर में गोल करके मैनचेस्टर सिटी को आरबी लीपजिग के खिलाफ 3-2 से जीत दिलाई। इससे पहले, मैनचेस्टर सिटी को लगातार दो प्रीमियर लीग मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि काराबाओ कप में उन्होंने ब्राइटन को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि, यूरोपियन टूर्नामेंट में उन्होंने जीत की राह पर लौटने के लिए जरूरी प्रदर्शन किया। 37वें मिनट में आरबी लीपजिग के डिफेंडर कैस्टेलो लुकेबा ने निको ओ'रेली के शॉट को रोकने की कोशिश में गेंद को अपने ही गोलपोस्ट में डाल दिया, जिससे मैनचेस्टर सिटी को 1-0 की बढ़त मिल गई।

इसके बाद आरबी लीपजिग के रिडले बाकू ने गोल करके स्कोर बराबर करने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही एंजो फर्नांडेज ने हेडर से गोल करके मैनचेस्टर सिटी को फिर से बढ़त दिला दी। 61वें मिनट में एंटोनियो नुसा ने गोल करके आरबी लीपजिग को वापस मैच में ला खड़ा किया, लेकिन 78वें मिनट में हालैंड ने निर्णायक गोल करके अपनी टीम को जीत दिला दी।

वेटलिफ्टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में

बुल्गारिया के कार्लोस नासर का जलवा

निंगबो ,(एजेंसी)। बुल्गारिया के कार्लोस नासर ने वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में बुधवार को पुरुषों की 95 किलोग्राम कैटेगरी में तीनों वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपना चौथा विश्व खिताब जीता। चीन के निंगबो में आयोजित प्रतियोगिता में 21 वर्षीय नासर ने स्नैच में 185 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 230 किलोग्राम का वजन उठाया।

इस तरह उनका कुल वजन 415 किलोग्राम रहा, जो कजाकिस्तान के नुरगिसा अडिलेतुली से 16 किलोग्राम



अधिक था। 2024 ओलंपिक चैंपियन नासर अब 89 किलोग्राम कैटेगरी से ऊपर आ गए हैं। प्रतियोगिता में अडिलेतुली ने 399 किलोग्राम के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि 2024 एशियन गेम्स के चैंपियन, ईरान के अली अलीपोर ने 396 किलोग्राम के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। चीन के कियान फेइक्सियांग 385 किलोग्राम के साथ चौथे स्थान पर रहे। नासर ने अपने सभी छह प्रयास सफलतापूर्वक पूरे किए। उन्होंने 'स्नैच' में 175 किलोग्राम, 180 किलोग्राम और 185 किलोग्राम वजन उठाया, जिसके बाद 'क्लीन एंड जर्क' में 213 किलोग्राम, 220 किलोग्राम और 230 किलोग्राम का वजन सफलतापूर्वक उठाया।

उनका आखिरी क्लीन एंड जर्क प्रयास 220 किलोग्राम के पिछले वर्ल्ड रिकॉर्ड से बेहतर था, जबकि उनका कुल वजन (415 किलोग्राम) अलीपोर द्वारा सितंबर में बनाए गए 398 किलोग्राम के पिछले विश्व रिकॉर्ड से कहीं अधिक था।

इस जीत के साथ नासर ने अपना चौथा विश्व खिताब हासिल किया और वेटलिफ्टिंग के शीर्ष एथलीट्स में अपनी जगह और मजबूत कर ली। निंगबो में आयोजित यह चैंपियनशिप 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत है।

पैरा टेबल टेनिस में रचा इतिहास

पैरालंपिक में देश को दिलाया पहला पदक

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भाविना पटेल का नाम देश की शीर्ष पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शुमार है। भाविना ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर देश का नाम दुनियाभर में प्रतिष्ठित किया है। भाविना पटेल का जन्म 6 नवंबर 1986 को मेहसाणा, गुजरात में हुआ था।

वह सिर्फ 12 साल की उम्र में पोलियो का शिकार हो गई, जिससे उनका दायां पैर प्रभावित हो गया। भाविना के माता-पिता ने उनकी शारीरिक अक्षमता को कभी उनकी कमजोरी नहीं बनने दिया और उन्हें कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित किया। पटेल 2007 में ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन कंप्यूटर कोर्स करने पहुंची थीं। वहीं पर उन्होंने कुछ बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा। यहीं से उनके मन में टेबल टेनिस के प्रति रुचि बढ़ी। इसके बाद उन्होंने ललन दोशी के मार्गदर्शन में इस खेल का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। व्हीलचेयर पर बैठकर खेलना आसान नहीं था, लेकिन भाविना ने अपनी हिम्मत और मेहनत से इसे आसान बनाया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सबसे पहले भाविना ने 2009 में जॉर्डन में हिस्सा लिया। इसके बाद 2011 में थाईलैंड ओपन में चीनी खिलाड़ी को



हराकर उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। 2013 में बीजिंग में एशियन पैरा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उन्होंने देश को पहला सिल्वर मेडल दिलाया।

टोक्यो पैरालंपिक 2020 की सफलता ने भाविना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता और पहचान दिलायी। क्लास 4 कैटेगरी के फाइनल में उन्होंने जगह बनाई। फाइनल में उन्हें चीनी खिलाड़ी झोउ यिंग के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह मेडल ऐतिहासिक था। भारत को पहली बार पैरा टेबल टेनिस में पैरालंपिक मेडल मिला। 39 साल की भाविना ने 2022 कॉमनेल्थ गेम्स में गोल्ड जीता था। उनके नाम 2018 पैरा एशियन गेम्स में सिल्वर और 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में कांस्य पदक है।

भाविना ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में कांस्य पदक जीता था। 2021 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया था। शारीरिक अक्षमता के बावजूद भाविना पटेल की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो मुश्किलों के बावजूद अपनी जिंदगी में बड़ी सफलता हासिल करना चाहते हैं।

विराट कोहली ने बताई अपनी सबसे पसंदीदा वनडे इनिंग

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने 38वें जन्मदिन पर अपनी पसंदीदा वनडे पारी को लेकर बड़ा खुलासा किया है। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने अपनी कई यादगार शतकीय पारियों को पीछे छोड़ते हुए महज 43 रन की पारी को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चुना। यह पारी उन्होंने 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी।

2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल की पारी को चुना: स्टार स्पोर्ट्स की ओर से जारी एक वीडियो में कोहली को अपनी कुछ बेहतरीन वनडे पारियों में से पसंदीदा पारी चुनने का टास्क दिया गया था। इस दौरान उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेली गई 43 रन की पारी को सबसे ऊपर रखा। भारत ने इस बारिश से प्रभावित मुकाबले में पांच रन से जीत दर्ज की थी।

2011 विश्व कप फाइनल की पारी भी थी पसंद: कोहली ने शुरुआत में 2011 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ बनाए गए 35 रन को चुना। उस मुकाबले में भारतीय टीम ने 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल समय में कोहली ने गौतम गंभीर के साथ अहम साझेदारी कर टीम को संभालने में मदद की थी।

183 रन की ऐतिहासिक पारी को भी छोड़ा पीछे: कोहली ने अपनी पसंदीदा पारी चुनते समय पाकिस्तान के खिलाफ 2012 एशिया कप में बनाए गए 183 रन को भी पीछे छोड़ दिया।

इस मुकाबले में उन्होंने 330 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार शतक लगाया था। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 160 रन और 2015 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 107 रन की पारी भी उनकी पसंदीदा सूची में जगह नहीं बना सकी।

43 रन की पारी के पीछे थी खास वजह: 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत ने बारिश के कारण 20 ओवर में 129 रन का लक्ष्य रखा था। टीम इंडिया की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 66 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। ऐसे मुश्किल हालात में कोहली ने 43 रन बनाकर रवींद्र जडेजा के साथ 47 रन की अहम साझेदारी की। भारत ने यह मुकाबला पांच रन से जीतकर खिताब अपने नाम किया था।



कोहली के नाम दर्ज हैं कई बड़े रिकॉर्ड

विराट कोहली वनडे क्रिकेट में 15,183 रन बना चुके हैं, जिसमें 55 शतक और 80 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 9,230 रन और 30 शतक दर्ज हैं, जबकि टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने 4,188 रन बनाए हैं। तीनों फॉर्मेट में मिलाकर कोहली के नाम 28,601 अंतरराष्ट्रीय रन और 86 शतक हैं।



हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों का अपना महत्व है

हॉलीवुड की मशहूर गेम फ्रेंचाइज 'स्ट्रीट फाइटर' पर बनी फिल्म में विद्युत जामवाल धलसिम के किरदार में दिखेंगे। खास बात यह है कि उन्होंने किरदार मिलने से पहले कभी यह गेम नहीं खेला था। एक बातचीत में उन्होंने इसे लेकर खास चर्चा की और टाइगर श्रॉफ के साथ भी एक फिल्म पर बात की...

कभी 'स्ट्रीम फाइटर' गेम खेला था या ये किरदार मिलने के बाद इससे जुड़े?

यह गेम पहले कभी नहीं खेला था। धलसिम के लिए चुने जाने के बाद इसे खेलना शुरू किया। मैं अलग-अलग पार्टनर्स के साथ रोज गेम खेलता था, ताकि हर किरदार को समझ सकूं। कुछ समय के लिए मुझे इसकी आदत-सी हो गई थी। मेरे लिए धलसिम खास है, क्योंकि वह भारतीय योगी है, जो अपनी सांस को भी ताकत की तरह इस्तेमाल करता है। योग और मार्शल आर्ट्स की दुनिया से मेरा जुड़ाव रहा है, इसलिए इस किरदार से जुड़ना स्वाभाविक था।

फिल्म में फाइट्स रियलिटी से ज्यादा बड़ी हैं। आपकी ट्रेनिंग इसमें कैसे काम आई?

इस फिल्म की दुनिया बहुत अलग है। यहां हर चीज बड़ी है और उसी में इसका मजा है। यह ऐसी फिल्म नहीं है, जिसमें हर एक्शन को बिल्कुल रियल दिखाने की कोशिश की गई हो। इसके किरदारों और उनकी ताकतों में कल्पना का बड़ा हिस्सा है। गेम खेलने वाले दर्शक इसे समझेंगे और एंजॉय करेंगे। जिन्होंने गेम नहीं खेला, उनके लिए भी इसमें मनोरंजन है।

टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी नई फिल्म को लेकर कुछ बताएं?

टाइगर और मैं एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। उसे जानने के बाद मुझे लगा कि हम दोनों में जो क्षमता है, वह बहुत ज्यादा है। जब यह फिल्म आएगी, तो सच में कमाल हो सकता है। आज तक हमें ऐसा डायरेक्टर नहीं मिला, जो हम दोनों को हमारी काबिलियत से भी आगे ले जा सके। मैं चाहता हूं कि हमारी क्षमताओं को समझकर कोई हमें उस स्तर तक लेकर जाए, जहां दर्शकों को कुछ नया देखने को मिले।

हॉलीवुड और बॉलीवुड में काम की प्रोसेस का कितना अंतर महसूस हुआ?

मेरे लिए दोनों की तुलना करना ऐसा है, जैसे कोई पूछे कि दायां हाथ पसंद है या बायां हाथ। दोनों आपके हैं। दोनों का अपना महत्व है और दोनों का मजा लेना चाहिए। शूटिंग के दौरान भी यही सोचता था कि मार्शल आर्ट्स की वजह से यहां तक पहुंचा हूं। अब इम्तिहान का वक्त है और मुझे अपना बेस्ट करना है।

टाइगर के साथ वाली फिल्म से क्या उम्मीदें लेकर चल रहे हैं?

मेरे लिए जरूरी है कि हम अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल करें। सिर्फ दो एक्शन स्टार्स का साथ आना काफी नहीं है। फिल्म में ऐसा कुछ होना चाहिए, जो हम दोनों को आगे ले जाए। सही सोच और सही डायरेक्शन मिला तो हम बहुत कुछ कर सकते हैं।





'पेड्डी' में अपने किरदार को 'ऑब्जेक्टिफाई' किए जाने को लेकर जाह्नवी ने की बात

फिल्म 'पेड्डी' में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर काफी चर्चा हुई। हाल ही में वरुण धवन के साथ 'कॉफी विद करण' में शामिल होने के दौरान, उन्होंने इस स्पोर्ट्स ड्रामा में अपने किरदार को 'ऑब्जेक्टिफाई' किए जाने को लेकर हुई आलोचना पर खुलकर बात की। आलोचना को खारिज करने या चर्चा से बचने के बजाय, जाह्नवी ने इस मामले को एक अलग नजरिए से देखने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनके किरदार को लेकर हुई चर्चा से शायद अब उन अभिनेत्रियों के प्रति अधिक संवेदनशीलता आएगी, जो अपने चित्रण के कुछ पहलुओं को लेकर असहज महसूस करती हैं। जाह्नवी ने कहा, 'मुझे खुशी है कि 'पेड्डी' में मेरे चित्रण को लेकर इतना बड़ा मुद्दा बना। शायद अगली बार जब कोई अभिनेत्री कहेगी कि वह असहज है, तो लोग उसे किसी एलियन की तरह नहीं देखेंगे। इस विषय पर बात करते हुए, जाह्नवी ने बताया कि वह इस मुद्दे पर बोलने में थोड़ी हिचकिचा रही थीं, क्योंकि इस प्रोजेक्ट पर कई लोगों ने कड़ी मेहनत की थी। 'धड़क' फेम अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे सच में समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूं या कुछ कहना भी चाहिए या नहीं, लेकिन यह जरूरी था कि जो कुछ भी हुआ, उसमें अपनी जिम्मेदारी मैं खुद लूं। मेरे मन पर इस बात का भारी बोझ था कि इस तरह की चीजों का हमारे समाज पर, खासकर महिलाओं पर, कितना नकारात्मक असर पड़ सकता है। जाह्नवी ने माना कि समाज पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर वह शर्मिंदगी महसूस कर रही थीं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि वह थोड़ी और सतर्क रह सकती थीं। उन्होंने कहा, 'क्या मैं कुछ और कर सकती थी? क्या मैं और ज्यादा सतर्क रह सकती थी? क्या मैं इस पर कड़ा विरोध जता सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह समस्याजनक था? क्या यह हद से ज्यादा अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कई बार खुद से यह सवाल पूछा कि क्या उन्हें शूटिंग के दौरान और अधिक मजबूती से विरोध करना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'मैं यह कहना नहीं चाहती, क्योंकि ऐसा लग सकता है कि मैं अपना दोष दूसरों पर डाल रही हूं, लेकिन आप जानते हैं कि चीजें कैसे काम करती हैं। हां, डायरेक्टर जो कहते हैं, आपको प्रोफेशनल बने रहना होता है और उनकी बात माननी पड़ती है।' इसलिए, जैसे-जैसे मुझे चीजें पता चलती गईं, मैं अपनी समझ के हिसाब से यही कोशिश कर रही थी कि चीजों को कम से कम समस्याजनक बनाया जा सके।



वामिका गब्बी ने 'प्रहार- द अनटोल्ड.... में प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में प्रसिद्ध सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की पत्नी ज्योति निकम के किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने बातचीत में किरदार निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि मेकअप चेयर पर बैठे-बैठे अपने चेहरे को बदलते हुए देखना किरदार को और भी ज्यादा वास्तविक महसूस करा रहा था। उन्होंने कहा, 'प्रोस्थेटिक्स के बाद जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तो कुछ देर तक तो मैं शीशे में खुद को निहारती रह गई। ये एक बहुत ही अजीब एहसास था, क्योंकि मुझे पता था कि वो मैं ही हूँ, लेकिन मैं सामने दिख रहे शख्स को पहचान नहीं पा रही थी। हालांकि, इस पूरे प्रोसेस को मैंने पूरी तरह से इंजॉय किया था।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेकअप चेयर पर बैठने के बाद चेहरे को धीरे-धीरे बदलते हुए देखने पर कहीं न कहीं किरदार आपके लिए और ज्यादा असली लगने लगता है। कई बार तो मैं भूल ही जाती थी कि मैं कितनी अलग दिख रही हूं, जब तक कोई मुझे सेट से मेरी फोटो नहीं दिखा देता था।'

वामिका गब्बी ने बताया कि ज्योति निकम का किरदार निभाना उनके लिए एक अलग ही एक्सपीरियंस था। उन्होंने कहा, 'ज्योति निकम का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही अलग अनुभव था और मुझे खुशी है कि मुझे एक्टिंग के उस पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।' ज्योति निकम का किरदार उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव द्वारा निभाया गया किरदार) के पेशेवर और निजी जीवन के बीच के तालमेल को दर्शाता है। जब उज्ज्वल निकम देश के सबसे चर्चित मामलों (जैसे 26/11 मुंबई हमले) की कानूनी लड़ाई लड़ रहे होते हैं, तब ज्योति निकम का किरदार उनके पीछे के पारिवारिक दबावों, संघर्ष और मानवीय पहलू को पर्दे पर उतारता है। बताया जाता है कि वामिका गब्बी ने इस किरदार को निभाने से पहले वास्तविक जीवन की ज्योति निकम से मुलाकात की थी, ताकि वह उनके सफर और उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।



सैफ स्टारर अगली फिल्म से अलग हुई प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर भारतीय फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। वह सैफ अली खान के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली थीं। इस फिल्म का निर्देशन रितेश बत्रा करने वाले हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है और इसे पुराने समय की कहानी पर आधारित बताया जा रहा है। हालांकि, अब प्रियंका इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'पहले से तय काम और शूटिंग की डेट्स में तालमेल नहीं बैठ पाने के कारण उन्हें इस फिल्म से अलग होना पड़ा है। प्रियंका के इस फिल्म से अलग होने की खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब 21 अक्टूबर को मुंबई में इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि फिल्म बनाने वाली टीम ने डेट्स में बदलाव करने की कोशिश भी की। कोशिश थी कि किसी तरह प्रियंका की व्यस्तताओं और फिल्म की शूटिंग के बीच तालमेल बैठाया जा सके लेकिन दोनों पक्षों की कोशिशों के बाद भी कोई रास्ता नहीं निकल पाया। इसके बाद प्रियंका को फिल्म से अलग होना पड़ा।



इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं सैयामी खेर

अभिनेत्री सैयामी खेर अपनी अपकमिंग इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने से कहानी कहने का एक अलग नजरिया मिलता है। अपने अनुभव को शेयर करते हुए सैयामी खेर ने कहा, 'यह मेरे लिए बिल्कुल अलग और नया अनुभव था। पूरी तरह से विदेशी क्रू के साथ काम करना मजेदार अनुभवों में से एक था। हमने रूस में शूटिंग की और यह पहली बार था जब मैं वहां गई थी।' अभिनेत्री ने मॉस्को की तारीफ करते हुए बताया कि वहां पर काम करने का अनुभव भारत के मुकाबले अलग था। उन्होंने कहा, 'फिल्म का पूरा अनुभव शानदार रहा। वहां काम करने का माहौल मेरे अब तक के अनुभव से काफी अलग था और मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत मजा आया। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में ऐसे कई और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनूंगी।' उन्होंने कहा, 'भाषा और सीमाओं से परे जाकर काम करना बहुत मजेदार होता है। अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने से कहानी कहने का एक अलग नजरिया मिलता है और आपको उन लोगों से सीखने का मौका मिलता है जो अपने-अपने अनोखे अंदाज में सिनेमा को देखते हैं। यह एक शानदार अवसर था जिसका हिस्सा बनकर मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। हालांकि अभी फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी देना जल्दबाजी होगी लेकिन यह एक ड्रामा फिल्म है जिसके केंद्र में एक मजबूत महिला किरदार है।' कार्तिना एंटरटेनमेंट, व्हाइट नाइट फिल्म्स और विश मीडिया द्वारा निर्मित यह फिल्म एक क्रॉस-कल्चरल सहयोग है, जो एक दमदार ड्रामा के जरिए सिनेमा की सार्वभौमिक भाषा को दर्शाती है। फिल्म का निर्देशन निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव कर रहे हैं।

बच्चों की नजर से दुनिया को देखना बेहद खूबसूरत है

एक्ट्रेस रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म 'लिटिल थॉमस' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में फिल्मों के बदलते अंदाज पर बात की और कहा कि आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स के लिए कई रास्ते खोल दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी सरल कहानियों की अपनी खास अहमियत है। रसिका ने कहा, ''आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स को कई तरह की रास्ते दिए हैं। ऐसे में फिल्मों में बड़े स्तर और भव्यता पर जोर देना स्वाभाविक है। लेकिन कभी-कभी इस सबके बीच हम ऐसी कहानी की खूबसूरती भूल जाते हैं, जो सरल हो, लेकिन सतही न हो।'' उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर कौशल ओझा के फिल्म बनाने के अंदाज की तारीफ करते हुए कहा कि उनका शांत और सहज तरीका उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। उनकी कहानी कहने के अंदाज में एक अलग तरह का भरोसा नजर आता है। उनकी फिल्मों को दर्शकों से जुड़ने के लिए किसी भव्य सेट या उलझी हुई कहानी की जरूरत नहीं होती। एक्ट्रेस ने आगे कहा, ''कहानी कहने के उनके अंदाज में यह भरोसा है कि किसी फिल्म को दर्शकों से जुड़ने के लिए हमेशा भव्य माहौल या पेचीदा कहानी की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी सबसे साधारण विचार ही सबसे दिलचस्प कहानियां बन जाते हैं, क्योंकि वे जिंदगी के हमारे अपने अनुभवों और नजरिए को दिखाते हैं।'' रसिका ने कहा, ''फिल्म 'लिटिल थॉमस' में एक बच्चे की जिज्ञासा और भाई-बहन की चाहत के जरिए परिवार, बचपन, शादीशुदा जिंदगी के उतार-चढ़ाव और लिबरलाइजेशन के बाद के भारत की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में थॉमस नाम का एक बच्चा यह जानना चाहता है कि बच्चे कहां से आते हैं। साथ ही, वह अपने लिए एक भाई या बहन भी चाहता है। उसकी यही जिज्ञासा कहानी को आगे बढ़ाती है।'' रसिका ने कहा, ''मुझे लगता है कि इन सभी बातों को एक बच्चे की नजर से देखना बेहद खूबसूरत है। यह हमें याद दिलाता है कि हमें बच्चों की जिज्ञासा को कम नहीं आंकना चाहिए और न ही उनके सवालों को नजरअंदाज करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि हम ऐसी फिल्में बनाते रहेंगे, जो अपने विचारों की ताकत पर भरोसा करती हैं और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी साधारण कहानियों को भी अपनी जगह देती हैं।'' कौशल ओझा के निर्देशन में बनी 'लिटिल थॉमस' को अनुराग कश्यप का समर्थन मिला है। फिल्म में रसिका दुग्गल के साथ गुलशन देवैया और हृदांश पारेख भी अहम भूमिकाओं में हैं।

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें



याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता-पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच-विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी-छो टी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान दे ना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी- बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर- उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उत्तेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां-बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही-गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही-गलत का फर्क भली-भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां-बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

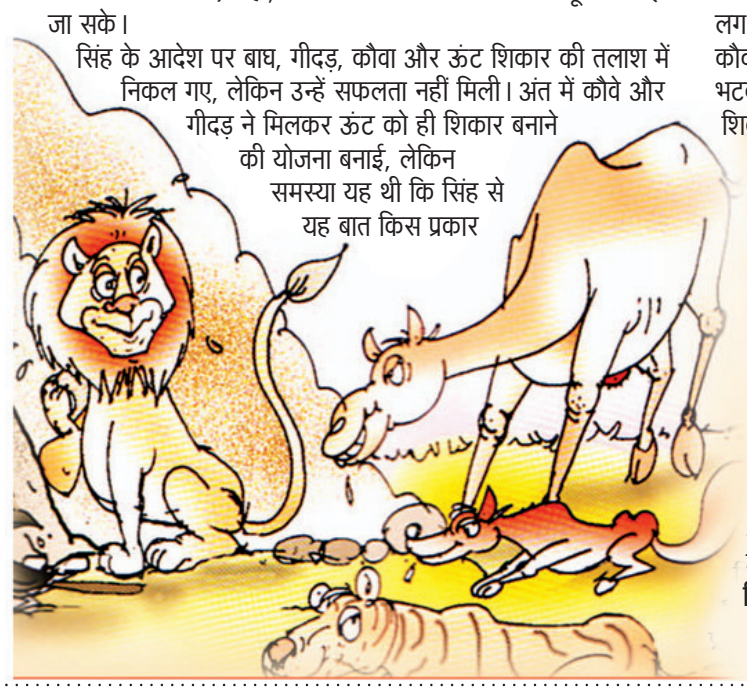
एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे-बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।



सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं।

स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

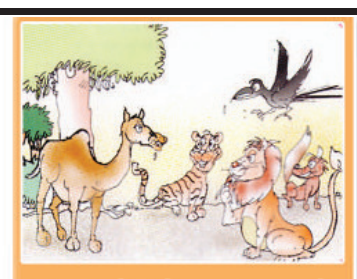
सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

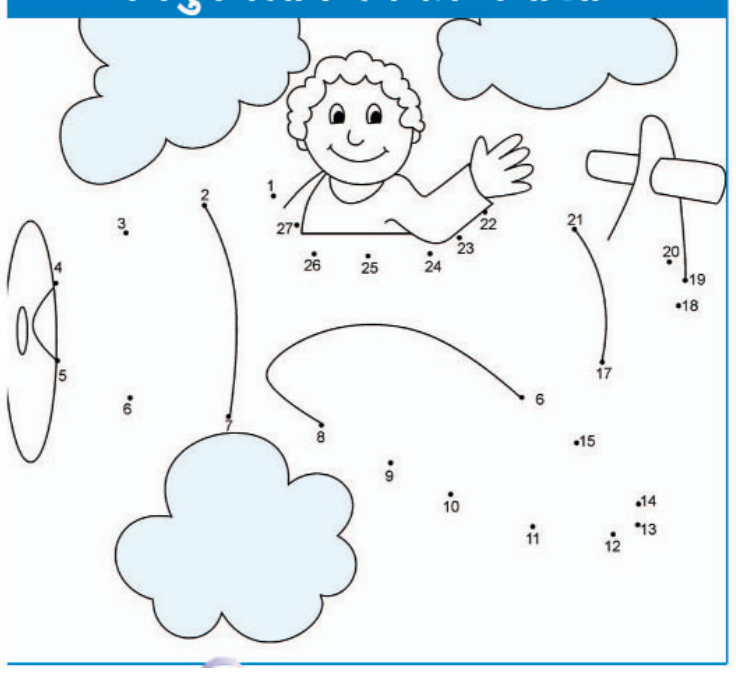
ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा: धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।



ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आप को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए...

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ



अंतर ढूंढो



कहानी

क्रोनोमीटर की

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा- भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा-ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा-भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही-सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी-रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही-सही ज्ञान हो सकता था, बशत्रे कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक-ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुज़े भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंततः जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षो से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफ्रीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं



नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवतः दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने-चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है -

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना-माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब-नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे- हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश-सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने-संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन-सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफ्रीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफ्रीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा डमाराडिक-डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट-बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।



